धनबाद
सोमवार 17.02.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-30 अंक-354 पृष्ठ- 12
फाल्गुन कृष्ण पक्ष-5
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

समाज में सरकारी दखलंदाजी कम करने के लिए सरकार बना रही डीरेगुलेशन कमीशन

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि समाज में सरकार का दखल और कम हो, इसके लिए सरकार एक डीरेगुलेशन कमीशन बनाने जा रही है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें रिफॉर्म्स से बचती थीं।

आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वह 'कंपल्शन' के चलते हुआ, लेकिन आज भारत जो रिफॉर्म कर रहा है, वह 'कन्विक्शन' से कर रहा है। प्राइवेट सेक्टर को स्टेबल पॉलिसी का भरोसा दिलाते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत की असली नींव विश्वास है।

पीएम मोदी ने फ्रांस में एआई समिट का जिक्र करते हुए कहा कि आज भारत ग्लोबल फ्यूचर के विमर्श के केंद्र में है और कुछ चीजों में उसकी अगुवाई भी कर रहा है। उन्होंने ओडिशा, हरियाणा

और दिल्ली चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि देश की जनता विकसित भारत के लक्ष्य के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। केंद्र सरकार जल्द ही एक डीरेगुलेशन कमीशन बनाएगी। इस कमीशन का काम समाज पर नियमों का बोझ कम करना और सरकारी दखलंदाजी घटाना होगा। यानी यह कमीशन उन तमाम नियम-कानूनों को देखेगा जो लोगों और व्यापारियों के लिए मुश्किल पैदा करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि हमने सैकड़ों नियम-कानून खत्म किए हैं। अब जन विश्वास २.० के तहत हम और भी नियमों को आसान बना रहे हैं। समाज में सरकारी दखलंदाजी कम करने के लिए एक डीरेगुलेशन कमीशन भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार निजी क्षेत्र को देश के विकास में एक अहम साथी मानती है। उन्होंने कहा कि पहले व्यापार करने में डर लगता था, लेकिन अब व्यापार करना आसान हो गया है। सरकार ने हालिया बजट में टैक्स में जो छूट दी है, उससे मध्यम वर्ग को मजबूती और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि मध्यम वर्ग की मदद के लिए हमने इस साल बजट में जीरो टैक्स की सीमा ७ लाख से बढ़ाकर १२ लाख रुपए कर दी है। इस फैसले से पूरा मध्यम वर्ग मजबूत होगा और देश में आर्थिक गतिविधियां और बढ़ेंगी। ये सब एक सक्रिय और संवेदनशील सरकार की वजह से मुमकिन हुआ है उन्होंने कहा कि सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों को निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया है। स्टार्टअप्स इस क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं।

पीएम ने ड्रोन सेक्टर को लेकर कहा कि इस सेक्टर को खोलने से देश के युवाओं के लिए कई अवसर पैदा हुए हैं। सरकार बिजली वितरण क्षेत्र में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठा रही है ताकि बिजली वितरण और भी कुशल हो सके।

उन्होंने कहा कि इस साल के बजट में हमने एक बड़ा सुधार किया है। हमने परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया है।

दिल्ली का नया सीएम कौन, आज होगा तय, कल शपथ ग्रहण संभव

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली में नए मुख्यमंत्री का नाम सोमवार १७ फरवरी को तय किया जा सकता है। नए सीएम का नाम तय करने भाजपा ने पार्टी विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जो दोपहर को पार्टी कार्यालय में आयोजित होगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इसकी पुष्टि की है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल ७० सीटों में से ४८ सीटें जीतकर सालों बाद दिल्ली की सत्ता में जोरदार वापसी की है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि मुख्यमंत्री निर्वाचित विधायकों में से ही होगा। ऐसे में भाजपा विधायकदल की बैठक कल सोमवार को बुलाई गई है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि दिल्ली का अगला सीएम कौन होगा, इससे पर्दा उठने जा रहा है। सूत्रों की मानें तो नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह १८ फरवरी को हो सकता है।

शपथ ग्रहण होगा भव्य आयोजन

भाजपा ने इस चुनाव में ७१फीसदी सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया है। ऐसे में शपथ ग्रहण समारोह को बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना है। इस भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, भाजपा के शीर्ष नेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। साथ ही, भाजपा और एनडीए शासित २१ राज्यों के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री भी इस अवसर पर मौजूद रह सकते हैं।

भाजपा का 21 राज्यों में दबदबा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा और उसके सहयोगी दलों की २१ राज्यों में सरकार हो गई है। इसके साथ ही, पार्टी ने २०१८ की स्थिति फिर से दोहरा दी है, जब देश में भाजपा या एनडीए की सरकारें २१ राज्यों तक फैली थीं।

आप की करारी हार, कांग्रेस रही शून्य

दिल्ली में लगातार दो बार ६० से ज्यादा सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी (आप) इस बार मात्र २२ सीटों पर सिमट गई। वहीं, कांग्रेस को लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं मिल सकी, जिससे उसका खाता शून्य पर बना हुआ है। ▶▶ 8

झारखंड में नई उत्पाद नीति लागू होने से पहले सांसद चौधरी ने कोर्ट जाने की दी चेतावनी

रांची (ईएमएस): झारखंड में १ अप्रैल से नई उत्पाद नीति लागू हो रही है। इससे पहले लोकसभा सदस्य चंद्रप्रकाश चौधरी ने सीएम हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर प्रस्तावित नई उत्पाद नियमावली २०२५ की विसंगतियों की ओर ध्यान दिलाया है। चौधरी ने कहा है कि इस नियमावली पर शराब माफिया के बड़े गिरोह का प्रभाव दिख रहा है। उन्होंने प्रस्तावित नियमावली पर कई सुझाव भी दिए हैं। चौधीर के मुताबिक प्रस्तावित नियमावली में मॉडल शॉप व डिपार्टमेंटल स्टोर में शराब की खुदरा बिक्री की मंजूरी दी गई है, जो सही

नहीं है। उन्होंने बिना संशोधन के इसे लागू करने पर कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने की चेतावनी दी है।

नई उत्पाद नीति लागू करने से पहले लोगों से आपत्ति और सुझाव मांगे गए थे, जिसकी आखिरी तारीख १६ फरवरी तय की गई थी। इस क्रम में लोकसभा सदस्य चंद्रप्रकाश चौधरी ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई है। साथ ही प्रस्तावित नियमावली पर कई सुझाव भी दिए हैं।

वहीं रायरंगपुर आबकारी उपाधीक्षक के प्रत्यक्ष नेतृत्व में एक विशेष टीम ने तिरिंग थाना अंतर्गत बागेडीही, बड़ेपोटका और मह्लिकेडम क्षेत्रों में छापेमारी कर १२८ लीटर देशी शराब और ५२०० लीटर महुआ का पाउच जब्त किए हैं। वहीं पुचु मरांडी को गिरफ्तार किया है। आबकारी विभाग ने कहा कि जब्त की गई देशी शराब की अनुमानित कीमत तीन लाख रुपए से ज्यादा है।

सीएम हेमंत ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत पर जताया शोक, मरांग बुरु से की प्रार्थना

रांची (एजेंसी): सीएम हेमंत सोरेन ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था और भगदड़ के कारण हुई १८ लोगों की मृत्यु पर शोक जताया है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी सोरेन ने कहा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था और भगदड़ के कारण हुई कई लोगों की मृत्यु की हृदयविदारक खबर सुनकर मन अत्यंत आहत है।

मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर

शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

भगदड़ में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

अब जयशंकर की बांग्लादेश से होगी बात, जवाब देना हो जाएगा मुश्किल

नई दिल्ली (ईएमएस): बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के जाने के बाद से ही लगातार भारत के खिलाफ मोर्चा खोले बैठे मोहम्मद युनुस को ट्रंप ने चारों खाने चित कर दिया है। इस बड़ी डिप्लोमेटिक जीत के बाद अब बांग्लादेश को 'सबक सिखाने' की बारी पीएम मोदी के खास दूत एस जयशंकर की है। जयशंकर बांग्लादेश के विदेश सलाहकार मोहिद हुसैन से मिलने वाले हैं। जयशंकर के पास ऐसे सवाल है जिनका जवाब देना हुसैन को मुश्किल हो जाएगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर मस्कट में ८वें हिंद महासागर सम्मेलन के दौरान बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से मुलाकात करेंगे। भारतीय विदेश मंत्रालय और ओमानी सरकार द्वारा इसे संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें २७ देशों के विदेश मंत्री हिस्सा ले रहे हैं। एस जयशंकर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इसी बीच बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार संग जयशंकर की बैठक होगी।

मणिपुर में शांति स्थापित करने के लिए केंद्र व्यापक रोडमैप तैयार करे

10 कुकी विधायकों ने सरकार से की अपील

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर में जारी राजनीतिक संकट के बीच १० कुकी विधायकों ने केंद्र सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए शांति और न्याय सुनिश्चित करने के लिए व्यापक राजनीतिक रोडमैप तैयार करने की अपील की है।

एक संयुक्त बयान में ७ बीजेपी विधायक, २ कुकी पीपल्स अलायंस के विधायक और १ निर्दलीय विधायक ने कहा, कि हम केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों और राजनीतिक संकट के समाधान के लिए समयबद्ध वार्तापूर्ण समझौते की प्रक्रिया का स्वागत करते हैं। विधायकों ने यह भी कहा कि हम विधानसभा को निलंबित रखने के फैसले को स्वीकार करते हैं और आशा करते हैं कि केंद्र सरकार जल्द ही एक प्रभावी समाधान लेकर आएगी।

राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद राज्य में अब केंद्र सरकार का सीधा प्रशासन होगा।

जातीय संघर्ष से प्रभावित विस्थापित लोगों के पुनर्वास और राहत कार्यों में तेजी लाने की जरूरत है। कुकी विधायकों ने केंद्र से जल्द से जल्द शांति स्थापित करने के लिए प्रभावी और ठोस कदम उठाने की अपील की है।

मई २०२३ में शुरू हुए मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसक झड़पों में अब तक २५० से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं।

इम्फाल घाटी में मैतेई बहुसंख्यक हैं, जबकि पहाड़ी क्षेत्रों में कुकी समुदाय रहता है।

मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया और विधानसभा को निलंबित कर दिया गया। राज्य में जल्द से जल्द स्थिरता और शांति बहाल करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बढ़ रहा है।

केंद्र को एक मजबूत राजनीतिक समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि मणिपुर में दीर्घकालिक शांति स्थापित हो सके।

हादसे पर रेल मंत्री ने जताया दुख, अश्विनी कर सकते हैं उच्च स्तरीय बैठक

नई दिल्ली (ईएमएस): नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मची भगदड़ में १८ लोगों की मौत हो गई है। रेलवे ने इस हादसे की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। इस हादसे को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में रेल मंत्री को पूरी घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। घटना के घटित होने के क्रम और समय-सारिणी की जानकारी दी जाएगी।

बैठक में अधिकारियों द्वारा बताया जाएगा कि परिस्थितियां कैसी थीं, क्या कदम उठाए गए और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं। इसके अलावा मंत्रालय के उच्च अधिकारियों द्वारा मामले की गहन जांच के परिणामों पर भी चर्चा कर सकते हैं।

हादसे के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पोस्ट में संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस घटना वह बहुत दुखी हैं। मेरी प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। पूरी टीम उन सभी लोगों की सहायता करने के लिए काम कर रही है जो इस दुखद घटना से प्रभावित हुए हैं। ▶▶ 8

स्पीड में चीन के बाहुबली फाइटर जेट का मुकाबला नहीं कर सकता अमेरिका का एफ 35

नई दिल्ली (ईएमएस): चीन ने भी ५वीं जेनरेशन का एयरक्राफ्ट डेवलप किया है। यह एयरक्राफ्ट अमेरिका के एफ ३५ से कई गुना ज्यादा गति वाला है। चीन ने हाल में ही ५वीं जेनरेशन फाइटर जेट जे-३५ए को दुनिया के सामने पेश किया था। बताया जाता है कि बीजिंग ने एफ-३५ से प्रेरित होकर जे-३५ए फाइटर जेट बनाया है। हालांकि, चीनी लड़ाकू विमान स्पीड और टेक्नोलॉजी के मामले में अमेरिका के एफ-३५ एयरक्राफ्ट से अपग्रेड है।

बता दें कि चीन पिछले कुछ साल में अपने फिफ्थ पर खर्च में बेतहाशा वृद्धि की है। खासकर एयरफोर्स और नेवी को अपग्रेड किया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। इसे देखते हुए भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना पड़ रहा है। भारत भी एयरफोर्स को अपग्रेड कर रहा है। रफेल के बाद अब अमेरिका से एफ-३५ एयरक्राफ्ट को खरीदने का फैसला किया गया है। दूसरी तरफ नेवी को भी मॉडर्न बनाया जा रहा है। राफेल-एम की खरीद उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अलावा मिसाइल और अन्य आधुनिक वेपन को डेवलप किया जा रहा है। सबसे पहले चीन की पांचवीं पीढ़ी के विमान जे-३५ए की बात करते हैं। बीजिंग ने बदलते सामरिक माहौल के बीच पांचवीं पीढ़ी के विमान का निर्माण शुरू किया है। इसी क्रम में डेवलप किया गया है। यह फाइटर जेट स्टील्थ होने के कारण रडार की पकड़ से बाहर है। मतलब इसे रडार पकड़ नहीं सकते हैं। ▶▶ 8

तेलंगाना सीएम का आरोप, मोदी जब सीएम थे तब उनकी जाति सवर्ण थी

बीजेपी ने रेड्डी के बयान को बताया असामाजिक और गैर जिम्मेदाराना

नई दिल्ली (ईएमएस): तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी को लेकर विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का जन्म से पिछड़ा वर्ग से कोई संबंध नहीं था। उनके इस बयान के बाद विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी ने सीएम रेड्डी के बयान को असामाजिक और गैर जिम्मेदाराना बताया है। रेवंत रेड्डी का यह बयान बीजेपी द्वारा तेलंगाना में जाति सर्वे को लेकर उठाए गए आरोपों के जवाब में आया है।

सीएम रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी पर आरोप लगाया है कि उनकी मानसिकता पिछड़े वर्ग के

खिलाफ है और उन्होंने दावा किया कि गुजरात के सीएम बनने से पहले मोदी जाति से सवर्ण थे। उन्होंने यह बयान सरकार के जाति सर्वे पर एक रिपोर्ट के बाद दिया है। रेड्डी के बयान के बाद बीजेपी नेताओं ने कई पोस्ट किए। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने सीएम रेवंत रेड्डी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रेड्डी को तथ्यों के आधार पर बयान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी इतनी गैर जिम्मेदार तरीके से कैसे बोल सकते हैं? अगर आप कोई बयान देते हैं, तो वह तथ्यों के आधार पर होना चाहिए।

किशन रेड्डी ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद ही पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया, जबकि यह कांग्रेस सरकारों के दौरान नहीं हुआ था। बीजेपी ने रेवंत रेड्डी के बयान का विरोध किया और पार्टी नेता एन रामचंद्र राव ने इसे सस्ती लोकप्रियता बताया। ४४८

14 मार्च को चांद हो जाएगा लाल, अमेरिका में दिखेगा नजारा, भारत पर असर नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस): १३ मार्च २०२५ की देर रात और १४ मार्च की सुबह अमेरिका में अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन मून ब्लड रेड तो होगा साथ ही पूर्ण चंद्रग्रहण भी होगा। अमेरिका में यह नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा, सूर्य और धरती सीधे एक ही रेखा में होंगे। चंद्रमा से लाल लंबी वेवलेंग्थ का प्रकाश धरती पर पड़ेगा। बता दें कि १४ मार्च को पड़ने वाला यह एक पूर्ण चंद्रग्रहण होगा, जिस दौरान पृथ्वी की छाया चंद्रमा को पूरी तरह से ढंक लेगी। इससे चंद्रमा

गहरे लाल रंग में नजर आएगा। इस घटना को ब्लड मून कहा जाता है।

बता दें कि भारत में इस ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ेगा। दरअसल भारत में १३ मार्च को होलिका दहन और १४ मार्च को होली खेली जाएगी। ऐसे में इस पूर्ण चंद्रग्रहण का प्रभाव भारत पर नहीं होगा, क्योंकि जिस समय ग्रहण होगा उस समय यहां दिन हो रहा होगा। ऐसे में इसका धार्मिक महत्व नहीं है। पूर्ण चंद्रग्रहण को देखने के लिए किसी खास चश्मे की जरूरत नहीं होगी। यह पूरी ▶▶ 8

केंद्र सरकार पर बढ़ता जा रहा है झारखंड का बकाया, होगा आंदोलन:दीपिका पांडेय सिंह

दुमका (एजेंसी): झारखंड सरकार की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने केंद्र सरकार पर राज्य के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि झारखंड को विकास योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि में कटौती की जा रही है और केंद्र सरकार का अंशदान लगातार बकाया है। मंत्री ने बताया कि कोयला रॉयल्टी का ₹१.३६ लाख करोड़ अब तक झारखंड को नहीं मिला है। इसके अलावा, पीएम आवास योजना, मनरेगा, नल-जल योजना और बाल विकास परियोजना जैसी योजनाओं में भी केंद्र सरकार का बकाया बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा

कि वित्त विभाग जल्द ही इन बकायों की पूरी रिपोर्ट तैयार करेगा, जिससे यह स्पष्ट होगा कि झारखंड को अब तक कितनी राशि नहीं मिली है।

जरूरत पड़ी तो करेंगे आंदोलन

दीपिका पांडेय सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर केंद्र सरकार राज्य के बकाया राशि का भुगतान नहीं करती है, तो सरकार आंदोलन का रास्ता अपनाने से पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कहा, झारखंड आंदोलनकारियों की भूमि रही है। हम अपने हक के लिए हमेशा लड़े हैं और आगे भी लड़ेंगे।

उन्होंने बताया कि हाल ही में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान उन्होंने पीएम आवास योजना में मिलने वाली राशि को ₹१.२० लाख से बढ़ाकर ₹२ लाख करने की मांग की थी। उनका कहना है कि वर्तमान राशि अपर्याप्त है और इससे गरीबों को उचित आवास नहीं मिल पा रहा है।

मंईयां सम्मान योजना पर की सफाई

सुप्रीम कोर्ट द्वारा फ्रीबीज (लोकलुभावन योजनाओं) पर उठाए गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि यदि सरकार कैबिनेट में निर्णय लेकर महिलाओं या जरूरतमंदों की मदद कर रही है, तो इसे गलत नहीं कहा जा सकता। उन्होंने मंईयां सम्मान योजना को महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए जरूरी बताया और कहा कि आवास योजना या बिजली बिल माफी जैसी योजनाएं जनता के हित में लागू की गई हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने महिला को कुचला, दो बच्चा घायल

धनबाद (कासं) : शहर के सदर थाना क्षेत्र रंगाटांड़ श्रमिक चौक पर रविवार की सुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। तेज रफ्तार

ट्रक ने सड़क पार कर रही महिला और बच्चों को कुचल दिया।

इस हादसे में महिला की मौके पर मौत हो गई। वहीं, एक बच्चा गंभीर रूप से घायल है और दूसरा सुरक्षित है। घायल बच्चे को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। महिला को कुचलने के बाद चालक ट्रक लेकर भागने लगा, पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया। वहीं, स्थानीय लोगों ने जाम कर दिया। लोग कार्रवाई और मुआवजे की मांग पर अड़ गए।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शी बताया कि गलती ट्रक की है। महिला दो बच्चों के साथ सड़क पार कर रही थी। इसी बीच ट्रक तेजी से आया और उन्हें मार दी। महिला की मौत हो गई, एक बच्चा रूप से घायल है। लोगों ने कहा कि पीड़ित परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए। साथ ट्रक चालक पर कार्रवाई होनी चाहिए।

बताया जाता है कि रंगाटार काफी भीड़भाड़ वाला इलाका है। चौक से कुछ दूरी पर धनबाद रेलवे स्टेशन जहां से इस मार्ग पर हमेशा यात्रियों का आनाजाना रहता है। साथ ही रांची, बोकारो और झरिया की ओर से भी वाहन इसी मार्ग गुजरते हैं। जीटी रोड से आने वाले वाहन या रांची बोकारो या झरिया जीटी रोड जाने वाले वाहन भी इसी मार्ग से गुजरते है। कारण यह स्थान काफी व्यस्त माना जाता है।

निबंधन कार्यालय में अनाधिकृत भेंडरों का गिरोह सक्रिय : वालिया

धनबाद (कासं) : धनबाद निबंधन कार्यालय में निबंधन पदाधिकारी रामेश्वर प्रसाद इन दिनों खुद को भाजपा के एक वरीय नेता का रिश्तेदार बताकर लोगों को धमका रहे हैं। साथ ही अनाधिकृत से अवैध वसूली भी कर रहें हैं। बाहरी लोगों को निबंधन कार्यालय में संरक्षण दिए हुए हैं। झामुमो (यू) के धनबाद महानगर अध्यक्ष जेपी ने इसकी लिखित शिकायत निबंधन मंत्री झारखंड सरकार से की है और पूरे मामले की जांच कराए जाने की मांग की है। श्री वालिया प्रेषित शिकायत पत्र में लिखा गया है कि धनबाद निबंधन कार्यालय में निबंधन पदाधिकारी रामेश्वर प्रसाद का पदस्थापना होते ही कार्यालय में भूमाफियाओं, अनाधिकृत और दलालों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया है। इन लोगों का अवर निबंधन पदाधिकारी का भरपुर संरक्षण प्राप्त है। आरोप यह है कि के इशारों पर भूमाफियाओं, अनाधिकृत भेंडरों और दलालों का जमावड़ा कार्यालय में लगता है। इससे राजस्व में चूना लग रहा है। निबंधन कार्यालय में ऐसा अनाधिकृत भेंडरों का गिरोह सक्रिय है, जो लोगों से मनमाना पैसे वसूलते हैं। १० हजार के स्थान पर २५ हजार की वसूली की है। यह काम अनाधिकृत भेंडरों द्वारा किया जा रहा है। आदेश प्राप्त जमीनों की दर अलगअलग है। गैर आबाद, सीएनटी, केशरे हिन्द, जंगल विभाग तथा बीसीसीएल की जमीनों के निबंधन पर लाखों की अवैध वसूली भेंडरों द्वारा की जा रही है। श्री वालिया ने इसकी जांच कराए जाने मांग की है।

पाटलिपुत्र अस्पताल में अत्याधुनिक कैथ लैब का उद्घाटन

धनबाद (कासं) : धनबाद जोड़ाफाटक स्थित पाटलिपुत्र अस्पताल में अत्याधुनिक कैथ लैब का शुभारम्भ गया। अस्पताल के सभागार में पाटलिपुत्र अस्पताल के निर्देशक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ निर्मल ढ्रोलिया ने बताया कि यह अस्पताल मरीजों के इलाज लिए लगातार कार्य कर रहा है तथा इसी क्रम में कैथ लैब की शुरुआत की गई है। जिसमें हृदय रोग का इलाज किया इस कैथ लैब मशीन में ब्रेन एंजियोग्राफी तथा मस्तिष्क से जुड़ी विभिन्न प्रकार की चिकित्सा की भी सुविधा होगी। इस कैथ लैब का सांसद महतो एवं विशिष्ट अतिथि विधायक धनबाद राज सिन्हा के द्वारा किया गया।

डॉ निखिल ढ्रोलिया ने बताया कि फीलिप्स की एडवांस कैथ लैब की होने से पाटलिपुत्र अस्पताल में लगभग सभी विभागों का इलाज दिया जाने लगेगा। कैथ लैब के होने से हृदय रोग का इलाज जैसे

एंजियोग्राफी, इत्यादि किया जा रहा है और मरीज को अब शहर के सबसे पुराने अस्पताल में ईलाज मिल रहा है। अब मरीज को बाहर जा ईलाज कराने की जरूरत नहीं होगी जिससे मरीज के पैसों की भी बचत होगी।

हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ राहुल ने बताया कि मरीज हृदय से जुड़े लक्षण जैसे छाती में मारीपन, दर्द के साथ पसीना आना इत्यादि को हल्के से नहीं लेकर तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करना चाहिए।

डॉ सतिश चंद्रा ने कहा की जिस वक्त १९७३ में इसकी स्थापना की गई थी वो इस पूरे क्षेत्र के लिए एक कदम था डॉ निर्मल ढ्रोलिया ने इस अस्पताल की उत्कृष्ट चिकित्सा सेवा को ना सिर्फ बढ़ाया बल्कि नित नए उपलब्धियों तथा डिपार्टमेंट जोड़ते चले गए। धन्यवाद डॉ विदिशा ढ्रोलिया ने किया।

नगर चुनाव में अपना प्रत्याशी देगा चंद्रवंशी समाज : सागर

धनबाद (कासं) : अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने रांची में महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में होने वाले नगर निगम चुनाव चंद्रवंशी समाज हर जिलों में अपना प्रत्याशी उतारेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव में अपना भाग्य आजमाने प्रत्याशियों को महासभा तन मन धन से सहायता चंद्रवंशी समाज का एक ११ सदस्य टीम अगले सप्ताह से पूरे जिले का दौरा कर संगठन को प्रखंड स्तर पर मजबूत करने का काम हर जिलों में चुनाव होगा और चुनाव के द्वारा अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारी का चयन महासभा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बजरंग वर्मा ने कहा चंद्रवंशी समाज झारखंड में अपना राजनीतिक भविष्य खुद तय करेगा। हर राजनीतिक दलों ने चंद्रवंशी समाज की अपेक्षा करने की कोशिश की है। इस समाज सभी दलों को अपनी ताकत से एहसास कराएगा।

चंद्रवंशी महासभा के झारखंड प्रदेश नितेश चंद्रवंशी ने कहा कि चंद्रवंशी समाज में गुटबाजी को करना है इसके लिए एक नए बैनर का निर्माण किया जाएगा। इस बैनर के साथ गुटबाजी छोड़कर सबों को साथसाथ लेकर समाज को मजबूत जाएगा।

महासभा के राष्ट्रीय महासचिव रवींद्र वर्मा एवं बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश डॉ उमेश कुमार ने कहा कि झारखंड में चंद्रवंशियों की संख्या लाखों है २४ विधानसभा ऐसे हैं जहां चंद्रवंशियों की भूमिका चुनाव में आम रहती है इसके बाद भी हम लोग मजबूत नहीं हो पा रहे हमें एकजुट कर अपनी ताकत का एहसास करना होगा और संगठन मजबूत करना होगा। बैठक में सर्व समिति से संजय चंद्रवंशी को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया एवं ऑल इंडिया कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर सुजीत नाग वाला का स्वागत गया।

बैठक में बिहार पर प्रदेश अध्यक्ष संजय चंद्रवंशी, पूर्णिमा, जगदीश वर्मा, पप्पू चंद्रवंशी, महेश चंद्रवंशी, रॉबिन चंद्रवंशी, अविनाश आर्या चंद्रवंशी सहित काफी संख्या समाज के लोग उपस्थित थे।

श्री ठाकुर अनुकूल चन्द्र जी का मना उत्सव

कतरास (मसे) : मुरांडीह कॉलोनी नेहरू क्लब के कमिटी हाल में श्रीश्री अनुकूलचंद्र जी के १३७वां जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस में सद्गुरु श्रीश्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के जीवन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के शुभआरंभ भजन कीर्तन से की गई इस पर मुख्य अतिथि बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो मुख्य रूप शामिल सभी भक्तों के साथ बैठकर भजन कीर्तन किए। समस्त क्षेत्रीय सत्संगी परिवार के लोग हुए मुरांडीह पोचरी सिनवाटांड़, जोगीडीह, बरोरा, डुमरा, हरिणा, निश्चिंतपुर, भीमकानाली, बाघमारा, चिटाही, सिनीडीह के सदस्यों सहित काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया एवं ग्रहण की। भंडारा का भी आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने में डीके राय, अमर बाउरी, आनंद बाउरी, भीष्म बाउरी, दुलाल बाउरी, मिस्त्री, जादू नाथ मंडल, बेदी विदेशी कर्मकार, सुनील बाउरी, आस्तिक बाउरी, बप्पी राय, विकास मित्र आदि शामिल थे।

गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन का प्रदेश सम्मेलन संपन्न

गोर्विंदपुर (मसे) : गोस्वामी कल्याण फाउंडेशन का दो दिवसीय झारखंड प्रदेश सम्मेलन रविवार को में प्रदेश अध्यक्ष उमेश गिरि की अध्यक्षता संपन्न हुआ। राज्य के १९ जिलों में संगठन खड़ा करने के लिए वर्तमान प्रदेश समिति का आगामी वर्षों के लिए बढ़ाया गया। शेष ५ जिलों में आगामी मई तक संगठन बनाने की जिम्मेदारी दी गई। मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के जबलपुर आए शिवकुमार गोस्वामी ने प्रखंड स्तर पर संगठन खड़ा करने पर जोर दिया।

उन्होंने हरिद्वार में २३ मार्च को आयोजित कार्य समिति बैठक में की अपील की। उन्होंने संगठन में अधिक से अधिक महिलाओं को भी जोड़ने की अपील की। झारखंड के विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों को स्तर पर

मजबूत संगठन बनाने का निर्देश दिया। तोपचांची के खरियो में २ मार्च को आयोजित प्रखंड में भाग लेने का भी निर्णय लिया सम्मेलन में संरक्षक अधिवक्ता राधेश्याम गोस्वामी, लक्ष्मी नारायण पुरी, अरविंद गिरि, राजकेशर गिरि, किशन महाराज, केंद्रीय अध्यक्ष बैजनाथ गोस्वामी, महासचिव दुर्गादास भारती, बासुदेव गोस्वामी, पंडा, नरेश पंडा, भागीरथ गोस्वामी, जयप्रकाश गोस्वामी, हलधर गिरि, अर्चना कुमारी, ममता गोस्वामी, पूजा गिरि, गायत्री विनय गिरि, उदय गिरि, मनोज पंडा, दिलीप भारती, गोस्वामी, संजय गिरि राजशेखर गोस्वामी, मनीष गोस्वामी, गुणधार गोस्वामी आदि ने अपनेअपने सुझाव दिए।

जनविरोधी नीतियों के खिलाफ होगा महाधरना

सिंदरी (मसे) : रविवार को संयुक्त मोर्चा द्वारा एफसीआईएल के

आवासों को खाली करवाने के नीतियों के खिलाफ आगामी १८ मंगलवार को महाधरना प्रदर्शन को एफसीआईएल मुख्य द्वार पर एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान नुक्कड़ सभा के से एवं ध्वनिविस्तारक यंत्र से प्रचार प्रसार कर आम जनता से अपील की गयी। प्रचार प्रसार में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष अजय कुमार, वरिस्ट नेता सुरेश प्रसाद, झामुमो के अशोक प्रसाद, पुरणेंदु सिंह, सतेंद्र सिंह, अशोक चंद्रा इत्यादि राजनीतिक पार्टी के कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं अन्य लोगों ने भागीदारी हुए एफसीआईएल के जनविरोधी आवास नीतियों के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंकने का आह्वान आम जनता से किया।

राष्ट्रीय खेलों में टाटा का शानदार प्रदर्शन

कतरास (मसे) : यूथ डेवलपमेंट सेंटर की होनहार एथलीट तनु कुमारी ने उत्तराखंड में आयोजित मॉडर्न पेंटाथलॉन लेज़र रन स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक उनकी इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार और गांव का नाम रोशन किया, बल्कि कई युवा लड़कियों को खेल को एक उज्ज्वल करियर रूप में अपनाने की प्रेरणा भी दी है। तनु कुमारी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया और बधाई दी गई। इस पर टाटा स्टील फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जिनमें

संजय राजोरिया, जेनरल मैनेजर, टाटा स्टील झरिया डिवीजन, श्वेता मिश्रा, हेड एडमिनिस्ट्रेशन, टाटा स्टील डिवीजन और राजेश कुमार, यूनिट लीड, जामाडोबा, टाटा स्टील फाउंडेशन शामिल थे। राष्ट्रीय खेल, जिसे देश की सबसे उच्च स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में एक जाता है। ओलंपिक जैसी प्रतिष्ठा के साथ आयोजित किए गए। इस वर्ष मॉडर्न पेंटाथलॉन को एक नए इवेंट के रूप में शामिल किया गया, तनु कुमारी के शानदार प्रदर्शन ने न केवल उन्हें ख्याति दिलाई, बल्कि झारखंड राज्य को भी गौरवान्वित किया।

टाटा स्टील फाउंडेशन के ग्रासरूट्स स्पोर्ट्स के तहत खेल प्रतिभाओं को निखारने का कार्य किया जा रहा है, जिससे दूरदराज के युवाओं तक खेलों की पहुंच बढ़ाई जा सके। खेल मुख्यधारा में लाने के प्रयासों के तहत, फाउंडेशन ने झरिया डिवीजन में अब तक ८ खेल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए हैं। जहां ८ से वर्ष के बच्चों को विश्वस्तरीय और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर मिल रहे हैं। वर्तमान में इन केंद्रों में करीब ३४० युवा खिलाड़ी ले रहे हैं। जो अपने सपनों को साकार करने और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ है।

मवेशियों से लदा वैन को युवकों ने पकड़ा

गोर्विंदपुर (मसे) : गोर्विंदपुर लाल बाजार में बैंक ऑफ इंडिया के समीप रविवार दोपहर जेएच १० बीएस नंबर की पिकअप वैन पर लदे सात मवेशियों को कई युवकों ने पकड़कर गोर्विंदपुर पुलिस के हवाले कर दिया। ये युवक बरवाअड्डा की ओर वाहन का पीछा करते हुए आ ये। बताया जाता है कि वाहन

किसी को धक्का मारकर भाग रहा था। बैंक ऑफ इंडिया के समीप के पास गाड़ी को रुकवा कर रखा गया। गोर्विंदपुर थाना के अवर निरीक्षक दिनेश प्रसाद मेहता ने पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया। पुलिस रुस्तम अली बताया कि संबंध में पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मवेशियों को गंगा गौशाला कतरास को दिया है।

पूर्व सांसद एके रॉय की मूर्ति के लिए रखा गया आधारशिला

धनबाद (कासं) : मजदूर नेता सांसद कॉ एके रॉय की मूर्ति स्थापना के लिए आधारशिला रखा गया। उक्त आधारशिला पूर्व विधायक व स्मारक समिति के संगरक्षक कॉ. आनन्द महतो बीसीसीएल केंद्रीय अस्पताल द्वार के पास रखा गया है। आधारशिला के समय निरसा विधायक कॉ अरूप चटर्जी, सिंदरी विधायक कॉ चंद्रदेव महतो तथा बगोदर पूर्व विधायक कॉ बिनोद सिंह, बियाडा के पुर्व अध्यक्ष साथी विजय झा तथा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य तथा अंतिम के रूप में पूर्व विधायक कॉ आनन्द महतो ने सभा को संबोधित करते हुए कह कि कॉ एके रॉय एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक थे, वो विचार मार्क्सवादी थे।

मानव समाज का मुक्ति वर्ग संघर्ष से ही मिलेगा। मुख्य अतिथि बगोदर के पूर्व विधायक कॉ बिनोद कुमार सिंह कहा कि कॉ रॉय जी का संघर्ष और उनका आगे का संघर्ष के लिए रौशनी का काम करता है।

मार्क्सवाद के सिद्धांत पर संघर्ष वाले ऐसे महान हस्ती जो शोषणविहीन समाज की स्थापना के लिए समर्पित था। विशिष्ट अतिथि बियाडा पूर्व अध्यक्ष विजय झा ने कहा कि आज राजनीति में काफी भटकाव है, जो त्याग भावना कॉ ए के रॉय में थी, कि वो पेंशन तक का त्याग कर निःस्वार्थ भावना से का काम करते थे। वहीं निरसा के विधायक कॉ अरूप चटर्जी ने कहा कि कॉ रॉय दा का संघर्ष को जन जन तक पहुंचाना

सिंदरी के विधयक कॉ चंद्रदेव महतो ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कॉ एके रॉय मजदूर और किसान आंदोलन का नायक थे, नायक के विचारों को जिंदा रखने के लिए सरकारी संस्थाओं में भी प्रतिमा और तस्वीर लगवाना होगा। कई अन्य वक्ताओं ने मांग की कि एके रॉय की तस्वीर सभा में लगाई जाए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉ एके रॉय स्मारक समिति अध्यक्ष कॉ हरि प्रसाद पप्पू, संचालन कॉ आनन्दमय ने किया। सभा को संबोधित करने वालों में जेएमएम के नीलम मिश्रा, बलियापुर उपप्रमुख आशा देवी, सीटू जिला महामंत्री साथी राम कृष्णा पासवान, काशी चटर्जी, अगम राम, चौरसिया, शिव बालक पासवान, भारत भूषण, गणपत महतो, विंदा पासवान, कार्तिक प्रसाद, भक्ति प्रसाद महतो, सबूर गोराई, हिमांशु मंडल, सत्यनारायण कुमार, रहीम, टुनटुन मुखर्जी, सम्राट चौधरी, आर पी महतो, अजय महतो, सुभाष चटर्जी, राणा चट्टराज, समीर गोस्वामी, गणेश महतो, सपन माजी, देवाशीष पंडे, शीतल दत्ता, कुमार महतो, कल्याण चक्रवर्ती, राजाराम मंडल, आशीष कुमार सिंह, लाल मोहन महतो, लिलामय गोस्वामी, सुनील महतो, सपन महतो, फटीक मंडल, अप्पू मिश्रा, विजय पासवान, चंद महतो,मांगा प्रसाद महतो, राम लाल, राजीव बोस, राजू प्रमाणिक, निरंजन महतो, देवीलाल महतो, तुलसी रवानी, अक्यूब अंसारी, शुकलाल महतो तथा कई अन्य साथी था।

महाधरना को सफल की अपील

सिंदरी (मसे) : सीपीआई(एम) सिंदरी बलियापुर लोकल कमिटी की बैठक रंगामाटी में रविवार को हुई। सिंदरी में आवास की समस्या लेकर एफसीआईएल प्रबंधन की फरवान के खिलाफ संयुक्त संघर्ष मोर्चा द्वारा आगामी १८ फरवरी मंगलवार को एक दिवसीय महाधरना को सफल बनाने का फैसला लिया गया।

लोकल कमिटी सचिव विकास कुमार ठाकुर ने कहा कि एफसीआईएल केंद्र सरकार के अधीन है। इसका फैसला दिल्ली में बैठकर लिया है। एफसीआई सिंदरी का भूभाग सरकार कॉरपोरेट घराने को सौंपने की तैयारी कर रही ह। इसीलिए यहां के आवासों में रहने वाले सिंदरीवासियों को किसी प्रकार से हटाने की रच रही है। जर्जर आवास का किराया कमर्शियल दर पर और २००२ से किराया लेने का कोई औचित्य है। महज ११ माह की लीज का भी कोई औचित्य नहीं है, लीज की अवधि कम से कम ३३ वर्ष का किया जाना चाहिए। सिंदरी की जनता संघर्ष के मैदान आगामी १८ फरवरी मंगलवार से उतर रही है, यदि एफसीआईएल प्रबंधन अपनी आवास नीति को नहीं बदलती तो सिंदरीवासी चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करने लिए बाध्य होंगे।

बैठक की अध्यक्षता बलियापुर शाखा सचिव समीरन विद, संचालन लोकल कमिटी सचिव विकाश कुमार ठाकुर ने किया। बैठक में सिंदरी एक शाखा सचिव गौतम प्रसाद, सिंदरी शाखा दो के सचिव सूर्य कुमार सिंह, सिंदरी शाखा तीन के राज नारायण तिवारी, सुबल चंद्र दास, महिला समिति अध्यक्ष रानी मिश्रा, सचिव मिठू दास, संयुक्त सचिव रंजू प्रसाद, उपाध्यक्ष सविता देवी, नरेंद्र नाथ दास, शिबू राय, प्रमोद कुमार सिन्हा आदि मौजूद थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

फैक्ट्री चलाना मुश्किल हो रहा है : महाप्रबंधक

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर परासी गांव में २२० करोड़ की लागत के केजी स्पिरिट एलएलपी का पाइप लाइन काटने से उत्पादन तीन दिनों से ठप है। इससे प्रबंधन प्रतिदिन लाखों का नुकसान हो रहा है। इस संबंध में कुलुडीह, दुमदुमी निवासी इम्तियाज नफीस के आवेदन पर गोविंदपुर पुलिस ने मामला दर्ज किया इसमें इकरामुल अंसारी, आफताब अंसारी, गोलू बाबू अंसारी, गोरा अंसारी, एजाज अंसारी, पिता लाल मोहम्मद अंसारी, अब्दुल अंसारी, पिता बेलाल अंसारी, इरशाद अंसारी एवं अंसारी पिता इस्लाम अंसारी, बसीर अंसारी पिता शहद अली, सद्दाम अंसारी पिता अहमद हुसैन, सद्दाम अंसारी पिता यारब अंसारी, शहादत अंसारी पिता मनीर अंसारी, साकिम-कुलुडीह, दुमदुमी को अभियुक्त बनाया गया। इनके खिलाफ बीएनएस की धारा १९१(२), १९०, १२६(२), ११५(२), ३५२, ३५१(२), १०९, ३०३(२), ३(५) के तहत कांड अंकित गया है। इसकी जांच की जिम्मेदारी अवर निरीक्षक मैथ्यू एक्का को दी गई है। प्राथमिकी में इम्तियाज नफीस ने लिखा है कि वह इथेनॉल में पाइपलाइन देखने का करते हैं। १३ फरवरी की रात करीब १२:०० बजे कुलुडीह, दुमदुमी के पास फैक्ट्री का पाइपलाइन काट दिया गया। इसके कंपनी के निर्देश पर वह १४ फरवरी को पाइपलाइन जुड़वा रहे थे तो उक्त लोगों ने हरवे हथियार से लैस होकर पाइपलाइन जोड़ने का बाधित किया। कहा गया कि यदि पाइपलाइन जोड़ा गया तो जान से मार देंगे। इसके बाद उन लोगों ने उन पर हमला कर दिया। हमले में हुआ घायल हो गए। उन्हें पटक दिया और जब से २५ हजार निकाल लिए। हो-हल्ला होने पर आसपास के लोग आए बचाया।

फैक्ट्री के महाप्रबंधक राकेश मिश्रा ने कहा कि कुछ लोगों के कारण फैक्ट्री चलाना मुश्किल हो रहा है। फैक्ट्री में ९० स्थानीय लोगों काम दिया गया है। प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से ५ हजार लोगों की रोजीरोटी इस फैक्ट्री से चल रही हैं। बावजूद कुछ निजी स्वार्थ के बाधा डाल रहे हैं। इससे प्रबंधन को परेशानी हो रही है। श्री मिश्रा ने कहा कि जनवरी माह में भी पाइपलाइन काटकर १५ दिनों उत्पादन बाधित किया गया था। उन्होंने प्रशासन से पूरी सुरक्षा की अपील की हैं। उपाधीक्षक मुख्यालय वन शंकर कामती ने कहा कि कानून हाथ लेकर बारबार पाइप काटने वालों के खिलाफ गोविंदपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। निजी स्वार्थ के लिए फैक्ट्री बंद कराने की साजिश वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी। फैक्ट्री प्रबंधन को प्रशासन पूरी सुरक्षा देगा।

धूमधाम से मनाया गया मातृमितृ दिवस

कतरास (ससे) : बाघमारा प्रखंड के हरिओम क्लीनिक में हरिओम एकलव्य चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मातृमितृ पूजन दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम दर्जनों बच्चों ने अपने मातापिता के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। बच्चों की आँखों में मां-बाप के लिए प्यार साफ झलक रहा था, जबकि अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर थे। कार्यक्रम की शुरुआत साप्ताहिक सत्संग से हुई। अपराह्न में साधकों के बीच स्वादिष्ट भोजन का किया गया। कार्यक्रम में राम अवतार महतो, चेतलाल, अरुण, मिथलेश, राजेश, सावित्री देवी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यह दिन परिवारिक बंधनों को मजबूत का एक विशेष अवसर था। बच्चों ने मातापिता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और मातापिता ने अपने बच्चों को आशीर्वाद दिया।

अधिवक्ता इलेवन ने पुलिस एकादश को हराया

कतरास (ससे) : कतरासगढ़ रेलवे मैदान में चल रहें एसएन भट्टाचार्य क्रिकेट टूर्नामेंट चैंपियनशिप २०२५ आठवें दिन अधिवक्ता इलेवन एवं पुलिस प्रशासन एकादश के बीच मैत्री क्रिकेट मैच खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए अधिवक्ता इलेवन ने निर्धारित ओवर में ७ विकेट १३९ रन बनाकर विपक्षी टीम को १५० का टारगेट दिया। जवाबी पार्टी खेलने उतरी पुलिस की टीम १२ ओवर में विकेट पर १०८ रन ही बना सके। अधिवक्ता टीम ने ३२ रन से मैच जीत लिया। पुलिस टीम के कप्तान कतरास थानेदार आशीत कुमार ने १२ में १७ रन बनाये. मैच के मैन ऑफ द मैच बने हाबिद सिद्दीकी। जिन्हें कतरास थानेदार आशीत कुमार सिंह ने पुरस्कार देकर किया। मैच के अंपायर एमडी राजा एवं आनंद यादव, स्कोरर सानू रवानी थे।

मौके पर विजेता उप विजेता टीम को शिक्षाविद एलएन भट्टाचार्य ने प्रदान की, जबकि समाजसेवी फिरोज रजा व अन्य ने सभी खिलाड़ियों को मोमेंटो दिया। मौके पर टूर्नामेंट के संयोजक वरीय अधिवक्ता दीपनारायण भट्टाचार्य एवं समिति के सचिव अधिवक्ता राजेश झा, रंजीत रवानी, पूर्व क्रिकेटर पंकज तिवारी, शम्मी सिंह के अलावे सौरभ रवानी, रवि कुमार, गौरव रवानी, शुभम शर्मा, शर्मा, कुमार, अनुज सिंह, छोटे ठाकुर, बिट्टू शर्मा, चीकू, राजू पासवान, विजय पासवान आदि मौजूद थे।

जामाडोबा में लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

जोड़ापोखर (ससे) : कोऑपरेटिव कॉलोनी के दुर्गा मंदिर प्रांगण में एएसजी हॉस्पिटल एवं को-ऑपरेटिव कलोनी दुर्गा मंदिर कमेटी के सहयोग से रविवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजन किया गया। जिसमें कुल ११० मरीजों की जांच की गई। जांच के दौरान ब्लड प्रेशर, सुगर, मोतियाबिंद बीमारियों की भी जांच की गई। संख्या में दूरदूर से लोग अपनी आखों की समस्या को लेकर दिखाने पहुचे। डॉक्टर संजय रजक डॉक्टर एस के भद्रा ने सभी मरीजों की की। लगभग २० मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए बुलाया गया। शिविर का उद्घाटन कोऑपरेटिव दुर्गा मंदिर के अध्यक्ष अनुराग सिंह (गुड्डू) ने कलोनी दुर्गा मंदिर के अध्यक्ष अनुराघ सिंह ने कहा कि गरीब एवं आसहय लोगों के लिए इस तरह का शिविर लगाने की ज़रूत है। लोगों को नि:शुल्क इलाज हो सके। अनुराघ सिंह ने कहा कि आर्थिक रूप कमज़ोर लोग पैसे के कारण जाँच नहीं करा पाते है शिविर माध्यम से नि:शुल्क जाँच की गई। दुर्गा मंदिर कमेटी आगे भी इस तरह का निशुल्क शिविर लगाते रहेगी। डॉक्टर संजय रजक ने कहा कि शिविर में काफी संख्या में लोग पहुचे। महिला की संख्या अधिक एएसजी हॉस्पिटल जगहजगह नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाते रहती है। मौके पर मुख उपस्थित हिमांशू देव, विजय चौधरी, संजीव कुमार व मनोज पंडित आदि।

हनुमत प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन

पुटकी (ससे) : पुटकी बाज़ार स्थित श्री श्री कुमारेश्वर नाथ शिव मंदिर शुक्रवार से चल रहे पाँच दिवसीय अनुष्ठान श्री श्री शिव एवं हनुमत प्राण प्रतिष्ठा समारोह सह यज्ञ को लेकर रविवार को वेदी पूजन, अधिवास, भ्रमण एवं संध्या आरती की गई। नगर भ्रमण परिसर से निकल, पुटकी बाजार होते हुए पुटकी दो नंबर, पुटकी श्री नगर, पुटकी न्यू कॉलोनी, शिव शंकर नगर, ए टाइप कॉलोनी होते हुए पुनः मंदिर आ कर समाप्त हुआ। नगर भ्रमण मे दो वाहनों पर शिव लिंग, एवं हनुमान की प्रतिमा थी। भ्रमण को गाजे बाजे के साथ निकली जुलुस में आचार्य कपिल देव पाण्डेय, महेंद्र प्रसाद वर्णवाल, हिरा लाल शर्मा, निरंजन शर्मा, चंद्र अग्रवाल आदि शामिल थे।

पटाका कंपनी में भीषण विस्फोट, दो मजदूरों की मौत

नागपुर (ईएमएस) : रविवार दोपहर महाराष्ट्र के नागपुर जिले के काटोल तालुका के कोतवालबड्डी में एक पटाका कंपनी में बड़ा विस्फोट हुआ है। यह विस्फोट एक निजी पटाका कंपनी में हुआ। विस्फोट के झटके लगभग २० किलोमीटर के दायरे में महसूस किये गये। हालाँकि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। इस भयानक आग में मध्यप्रदेश के दो मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया गया है कि आग एशियन फायर वर्क्स नामक कंपनी में लगी।

यह कंपनी आतिशबाजी बनाती है। आग इतनी भीषण थी कि कंपनी का एक हिस्सा जलकर खाक हो गया। दुर्घटना रविवार दोपहर करीब दो बजे घटी। विस्फोटों के झटके २० किलोमीटर दूर तक महसूस किये गये। उधर विस्फोट से कंपनी की छत गिरने के चलते दो मजदूरों की मौत हो गई।

मृतक मजदूरों के नाम मुनीश मडावी (३४, निवासी मंडला, मध्य प्रदेश) और भूरा लक्ष्मण रजाक (२५, निवासी सिवनी, मध्य प्रदेश) हैं। जबकि घायलों के नाम घनश्याम लोखंडे और सोहेल शेख हैं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस, अग्निशमन और स्वास्थ्य सेवा की टीमें मौके पर पहुंचीं। इस बीच, कंपनी का सामान आग में नष्ट हो गया है। इससे कंपनी को भारी नुकसान हुआ है। इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

फिहल विस्फोट का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा है।

15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

इरोड (ईएमएस) : तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत १५ बांग्लादेशी नागरिकों को बिना दस्तावेजों के रहने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं और निजी फर्मों में काम कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान पता चला कि १५ लोग निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। सभी को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक केंद्र पेरुंदुरई में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी काम करते हैं।

मानवाधिकार सुरक्षा परिषद के सदस्य्य हुए सम्मानित

जोड़ापोखर (ससे) : राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद के नए सदस्यों का स्वागत मानवाधिकार की जानकारी राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद के जिला कार्यालय गोलकड़ीह में सदस्यों को कार्ड एवं लेटर देकर जिला अध्यक्ष लखन विश्वकर्मा द्वारा सम्मानित गया।

झारखंड प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष जिला अध्यक्ष लखन विश्वकर्मा द्वारा मानव का अधिकार के बारे में जानकारी दी गई और कहा गया जब कोई नहीं सुनी तो हमें चुने जिला महासचिव अशोक पांडे कहा कि संस्था को सुचारू रूप देने का कम कीजिए एवं नियमों का करें साथ ही जिला सचिव दीनानाथ सिंह द्वारा संस्था को पूर्व के भांति अच्छी तरह से काम करने की सलाह दी गई।

नए सदस्यों में भागीदारी जरूरी है। नए सदस्यों में शिशिर कुमार मिश्रा, सुनील सिंह, संतोष सिंह, दीपक वर्णवाल, फिरोज अली, अशोक कुमार मौर्य, उमाकांत सिंह, अशोक कुमार अनिल कुमार नोनिया, उपस्थित थे। इसमें संस्था के प्रखंड स्तर के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने अपनाअपना वक्तव्य दिए जिस पर मुख्य रूप में उपस्थित कुमार सिन्हा, प्रदीप कुमार मौर्य, अभिजीत राज, आकाश केसरी, उमेश प्रसाद, सच्चिदानंद सिंह बनवारी शर्मा, अधिवक्ता शशिकांत निषाद उपस्थित थे।

स्टेशन पर मची भगदड़ को लेकर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली (ईएमएस) : नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि भगदड़ में हुई मौतों की सच्चाई छिपाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की संवेदनहीनता और रेलवे की लापरवाही फिर सामने आई है। बता दें शनिवार देर रात स्टेशन पर हुई भगदड़ में कम से कम १८ लोगों के मारे जाने की खबर है जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मोदी सरकार मौतों के बारे में सच्चाई छिपाने का प्रयास कर रही है और यह बेहद शर्मनाक और निंदनीय है। राहुल गांधी ने कहा कि महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

यह घटना एक बार फिर रेलवे की विफलता और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को यह तय करना चाहिए कि कुप्रबंधन और लापरवाही के कारण किसी को जान न गंवानी पड़े।

राहुल ने कहा कि मैं शोकसंतप्त परिवारों के प्रति

गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं, खड़गे ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि भगदड़ में कई लोगों के मरने की खबर बेहद दुखद है और सामने आए वीडियो बेहद हृदय विदारक हैं। हम मांग करते हैं कि मृतकों और घायलों की संख्या जल्द से जल्द घोषित की जाए और लापता लोगों की पहचान भी सुनिश्चित की जाए।

कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि भगदड़ की घटना स्तब्ध कर देने वाली और अत्यंत दुखद है। उन्होंने एक्स पर कहा कि जो दृश्य सामने आए हैं वे डराने वाले हैं और एक बड़ी आपदा की ओर इशारा कर रहे हैं। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की प्रत्यक्ष निगरानी में दिल्ली में इस तरह की आपदा यह दर्शाती है कि सरकार पूरी तरह अक्षम है और केवल जनसंपर्क करने में लगी है, वास्तविक प्रबंधन में नहीं। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने एक बार फिर स्थिति को कमतर करके दिखाने की कोशिश की है और पूछा कि मृतकों और घायलों के सही आंकड़े कब पता चलेंगे।

मेट्रो स्टेशन पर लोगों ने फांदा एएफसी गेट, प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस) : दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उस वीडियो को संज्ञान में लिया है जिसमें जामा मस्जिद मेट्रो स्टेशन पर लोग एएफसी को फांदकर पार करते नजर आ रहे हैं। डीएमआरसी ने कहा कि शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के संपर्क किया जा रहा है। यह घटना १३ फरवरी को डीएमआरसी की 'वॉयलेट लाइन' पर हुई। वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों को स्वचालित किराया संग्रह द्वार को फांदकर पार करते देखा जा सकता है। कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन पर इस कृत्य की रिकार्डिंग कर ली। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक ने कहा कि १३ फरवरी की शाम यात्रियों की संख्या में अचानक वृद्धि हो गई और उनमें से कुछ लोग एएफसी गेट को फांदकर बाहर निकल गए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को परामर्श देने के लिए सुरक्षाकर्मी और अन्य कर्मचारी पर्याप्त संख्या में थे। उन्होंने कहा कि एएफसी गेट के पास अचानक भीड़ बढ़ने के कारण कुछ यात्रियों की यह क्षणिक प्रतिक्रिया थी। उन्होंने कहा कि डीएमआरसी ने इस मामले का संज्ञान लिया है क्योंकि यह कानून और व्यवस्था का उल्लंघन है।

मेट्रो के किराए में बढ़ोतरी को लेकर लोग आक्रोशित

बेंगलुरु (ईएमएस) : बेंगलुरु में मेट्रो के किराए में भारी बढ़ोतरी को लेकर लोग आक्रोशित हो गए हैं। इस बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्य सरकार को जिम्मेदार ठकराते हुए कहा कि मेट्रो रेल के लिए किराया निर्धारण समिति दिल्ली में स्थित नहीं है। मंत्री ने कहा कि मेट्रो रेल किराये में बढ़ोतरी के बारे में सीएम से पूछा जाना चाहिए, न कि केंद्र सरकार से। वैष्णव ने कहा कि राज्य सरकार शहर की जमीनी हकीकत जानती है और उन्हें हर मेट्रो परियोजना के लिए फैसले लेने की प्रक्रिया में होना चाहिए। इसलिए यह सवाल मुख्यमंत्री से पूछें।

अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों को हथकड़ीबेड़ी लगाकर भेजा

अमृतसर (ईएमएस) : अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का दूसरा जत्था अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा। इनमें से कुछ ने अपना दर्द बयां किया और कहा कि उन्हें हथकड़ियां पहनाकर यहां लाया गया है। यही नहीं पैरों में जंजीरें भी डाली गई थीं।

बता दें कि पहली बार जब १०४ भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था तो तस्वीरें सामने आई थीं, सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। लोगों का कहना था कि डिपोर्टेशन तक तो ठीक है लेकिन उनके साथ मानवीय व्यवहार करना ठीक नहीं। उन्होंने अवैध रूप से इमिग्रेशन के अलावा कोई दूसरा अपराध नहीं किया है।

इन भारतीय प्रवासियों से कुछ ने अपना दर्द मीडिया के सामने रखा और कहा कि हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में

हथकड़ी। ये लोग ११६ अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें 'डंकी' मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। इनके परिजनों का भी आरोप है कि ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया है। पहले तो एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाने का आश्वासन दिया था लेकिन बाद में जब उन्हें कई स्थानों पर ले जाया गया, तो उन्हें यात्रा की वैधता पर संदेह पैदा हुआ।

बता दें अमेरिका से ११६ अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एक अधिकारी ने बताया कि यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा ५ फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। इनमें पंजाब से संबंध रखने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया। हरियाणा सरकार ने भी राज्य से निर्वासित लोगों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

सूत्रों के मुताबिक दूसरे जत्थे में निर्वासित लोगों में पंजाब से ६५, हरियाणा से ३३, गुजरात से ८, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से दोदो और हिमाचल प्रदेश और जम्मूकश्मीर से एकएक व्यक्ति शामिल है। अधिकतर निर्वासित लोग १८ से ३० साल के हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि १५७ निर्वासितों को लेकर तीसरे विमान के १६ फरवरी को भारत आएगा।

दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी की प्रतिवर्ष करोड़ों की कमाई

जबलपुर (ईएमएस) : मध्य प्रदेश के मंडला जिले के बिछिया नगर पालिका के एक दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी, शिवकुमार झारिया का मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने छापामार कार्रवाई की है। इस छापामारी में इस दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी के पास ६ करोड रुपए से अधिक की संपत्ति छापे में जप्त की गई है। १२ साल की नौकरी में इस दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी को केवल १२ लाख रुपए का भुगतान वेतन के रूप में किया गया था। जांच एजेंसी को छापे में इस कर्मचारी के पास एक मकान ५ प्लांट २९ लाख की बीमा पॉलिसी २५ लाख रुपए के आभूषण की प्रारंभिक जानकारी मिली है। जांच में और भी संपत्ति होने का खुलासा होगा। ईओडब्ल्यू के डीएसपी मनजीत सिंह के अनुसार शिव कुमार झारिया ने नगर पालिका में २९.५९ लाख रुपए का गबन किया था। इस मामले में इसे बर्खास्त कर दिया गया था। आरोपी मोगांव जनपद में कैशियर भी रह चुका है। नगरीय प्रशासन विभाग के बड़े अधिकारियों एवं राजनेताओं का संरक्षण होने के कारण यह भारी गड़बड़ी कर रहा था।

दिल्ली में शिवांगी ट्रेवल्स के नाम से कंपनी संचालित कर रहा है। इसके पास डेढ़ करोड़ रुपए कीमत के चार वाहन किराए पर चल रहे है। इस कर्मचारी की दूसरी कंपनी शिवांशी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है। तीसरी कंपनी शिवांशी ग्रीन कंपनी सोलर पैनल लगाने का काम करती है। जांच एजेंसी अब इन तीनों कंपनियों के लेनदेन की जांच कर रही है। मध्य प्रदेश में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नगर पालिका और नगरीय निकायों में बड़ीबड़ी जिम्मेदारी दे दी जाती हैं। यह मनमाने तरीके से गबन और अधिकारों का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपए प्रतिवर्ष कमाते हैं। इसका एक हिस्सा राजनेताओं और बड़े अधिकारियों तक जाता है। उस पद के योग्य नहीं होने के बाद भी उन्हें बड़ेबड़े पदों की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है। नगरीय निकाय विभाग में यह काम जोरों से संचालित हो रहा है। दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति कर दी जाती है। इन्हें किसी बात का भय नहीं होता है। फल स्वरुप दोनों हाथों से सरकारी पैसे का गबन और अधिकारों का दुरुपयोग कर भारी भ्रष्टाचार करते है।

संपादकीय

मोदी-ट्रम्प मुलाकात से पूरी हुईं कई उम्मीदें

प्रधानमंत्री की इस बार की अमेरिका यात्रा कई दृष्टियों से महत्त्वपूर्ण कही जा सकती है। जबसे डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार राष्ट्रपति का पद संभाला है, वे कई मामलों में काफी आक्रामक नजर आ रहे हैं। खासकर प्रवासियों और व्यापार संबंधों को लेकर। पदभार संभालने के साथ ही जिस तरह उन्होंने भारतीय मूल के अवैध प्रवासियों की पहली खेप बेड़ियों में जकड़ कर वापस भेज दी, उससे कई तरह की चिंताएं जताई जाने लगी थीं। हालांकि प्रधानमंत्री इस बार राजकीय यात्रा पर नहीं गए थे, मगर डोनाल्ड ट्रंप ने उनके साथ पूरी गरमजोशी दिखाई। इस मुलाकात में कई तरह के भ्रम भी दूर हुए। कुछ लोग कयास लगा रहे थे कि ट्रंप जिस तरह कुछ देशों के साथ व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क थोप रहे हैं और अमेरिकी हितों को तरजीह दे रहे हैं, उसमें भारत के साथ भी व्यापार प्रभावित हो सकता है। मगर ट्रंप ने इस कयास को साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि जो देश जितना शुल्क लगाएगा, अमेरिका भी उस पर उतना ही शुल्क लगाएगा, न कम न ज्यादा। इसका साथ ही उन्होंने भारत सरकार के इस फैसले की तारीफ की कि उसने अनावश्यक शुल्क हटाना शुरू कर दिया है, जिससे भारतीय बाजार में अमेरिका की पहुंच कुछ और बढ़ेगी।

दोनों देशों ने प्रतिरक्षा, तेल-गैस, नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग, आतंकवाद के विरुद्ध सहयोग और प्रतिरक्षा खरीद मामलों ने महत्त्वपूर्ण समझौते किए। अमेरिका भारत को एफ-35 युद्धक विमान बेचने का इच्छुक है। भारत ने इस पर सहमति दे दी है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई आधिकारिक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, पर भारत मानता है कि इस विमान की खरीद से उसकी सामरिक शक्ति बढ़ेगी। अमेरिका ने भरोसा दिलाया है कि वह भारत की नागरिक परमाणु ऊर्जा संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा और हर सहयोग उपलब्ध कराएगा। वह भारत की तेल और गैस संबंधी जरूरतों को पूरा करेगा। दरअसल, भारत की चिंता कच्चे तेल की अधिक रहती है। रूस-यूक्रेन और इजराइल-फिलस्तीन संघर्ष के बीच आपूर्ति शृंखला बाधित हुई, तो कच्चे तेल के मामले में भारत ने रूस से सहयोग लेना शुरू कर दिया। अब अमेरिका से इस क्षेत्र में सहयोग मिलेगा, तो निश्चय ही उस पर दबाव कुछ कम होगा।

आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और अमेरिका लंबे समय से सहयोगी रहे हैं। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को लेकर अमेरिका ने सकारात्मक रुख दिखाया है, उससे दोनों के रिश्ते और प्रगाढ़ हुए हैं। अवैध आप्रवासन को लेकर अमेरिका की चिंता पर भारत ने कहा कि वह अपने नागरिकों को वापस लेने को तैयार है, बेशक उन्हें ससम्मान वापस भेजा जाए। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने उन मानव तस्करों के खिलाफ भी कड़े कदम उठाने का वादा किया, जो भारत से लोगों को बरगला या बहला कर दूसरे देशों में ले जाते हैं।

निश्चय ही यह अमेरिका के फैसले के प्रति सकारात्मक रुख है। सबसे अधिक चिंता व्यापार पर अतिरिक्त शुल्क लगाने से भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की चिंता जताई जा रही थी, मगर उस चिंता को दूर करते हुए दोनों देशों ने भरोसा दिलाया है कि वे 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना करेंगे। इससे न केवल दोनों देशों का व्यापार घाटा कम होगा, बल्कि दोनों का बाजार कुछ और विस्तृत होगा। अमेरिका के साथ भारत के संबंधों में जिस गतिरोध की आशंका जताई जा रही थी, वह समाप्त हो गई है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा की यह बड़ी उपलब्धि है।

नैतिक दबाव बना तो दिया इस्तीफा, मणिपुर में राजनीतिक संकट और बीरेन सिंह का कार्यकाल

लंबे समय से जातीय हिंसा के दौर से गुजर रहे मणिपुर में अंततः राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। शायद केंद्र के पास कोई विकल्प नहीं बचा था। पिछले डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटाने की मांग की जा रही थी, लेकिन उन पर दबाव तब बना, जब राजग की सहयोगी पार्टी एनपीपी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री पर नैतिक दबाव बना, तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। मगर यह दुखद है कि तब तक मणिपुर के राजनीतिक और सामाजिक ताने-बाने को गहरी क्षति पहुंच चुकी थी। इस्तीफे के बाद बीरेन सिंह के कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने से भी कई विधायक नाराज थे। वहीं नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए सहमति न बनने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के अलावा केंद्र के पास कोई रास्ता नहीं बचा था। मगर यह अनुभव रहा है कि राष्ट्रपति शासन लगाने से किसी भी राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम नहीं हो सकी है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके केंद्र को मणिपुर में पारदर्शी और निष्पक्ष सरकार का गठन करना चाहिए। वैसे भी राज्य में विधानसभा का कार्यकाल पर्याप्त बचा है। वह अभी भंग नहीं की गई है। पिछले ग्यारह साल में यह पहली बार है जब केंद्र की राजग सरकार ने भाजपा शासित पूर्ण बहुमत वाले राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया है। मणिपुर में अभी विधानसभा फिलहाल निलंबित है। यानी अब राज्यपाल वहां सभी प्रशासनिक कामकाज संभालेंगे। कोई दो मत नहीं कि इससे राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित होगी। सवाल है कि मणिपुर की मौजूदा स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? बीरेन सिंह पर इससे पहले पक्षपात के कई आरोप कुकी संगठनों ने लगाए थे। मगर उनकी एक न सुनी गई। ऐसा कहा जा रहा कि इन संगठनों ने शांति वार्ता के लिए मुख्यमंत्री को हटाने की शर्त रखी थी। इस बीच भाजपा के विधायक भी उनसे नाराज हो गए थे। ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र ने राष्ट्रपति शासन लगा कर इसी असंतोष को थामने की कोशिश की है। वहीं बीरेन सिंह के हटने से राज्य में शांति बहाली के लिए वार्ता की उम्मीद बढ़ गई हैं।

आज का कार्टून

एआई को लेकर खेमों की बंटी दुनिया?....

जब मौजूदा दशक में अस्तित्व में आए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से उतपन्न व्यवहारिक चुनौतियों से निपटने के लिए समकालीन विश्व अमेरिका, यूरोप और चीन जैसे तीन मजबूत खेमों में बंट चुका है, तब भारत जैसे निर्गुट खिलाड़ी की भूमिका भी बढ़ जाती है और कुछ नई संभावनाएं भी पैदा होती हैं। इसलिए सवाल उठता है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को लेकर लगभग तीन खेमों में बंटी समकालीन दुनिया से आखिर कैसे तालमेल बिठायेगा भारत? जानकार बताते हैं कि अमेरिका और यूरोप के बीच एक भरोसेमंद पुल बनकर भारत अपनी भावी भूमिका निभा सकता है और इसकी वैश्विक जरूरत भी महसूस की जा रही है। चूंकि यूरोपीय संघ का अगुवा देश फ्रांस भारत का प्रगाढ़ मित्र है, इसलिए यह संभव भी है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस अवसर को समझ चुके हैं और उसी के अनुकूल वर्तमान परिस्थितियों को तैयार भी कर रहे हैं।

कमलेश पांडे

जानकार बताते हैं कि साल 2023 में अस्तित्व में आई एआई को लेकर पहला शिखर सम्मेलन उसी वर्ष इंग्लैंड में, हुआ था, जबकि दूसरा शिखर सम्मेलन 2024 में दक्षिण अफ्रीका में, तीसरा शिखर सम्मेलन 2025 में फ्रांस में हुआ। वहीं, चौथा शिखर सम्मेलन 2026 में भारत में होगा, जिसकी मेजबानी के लिए भारत सरकार तैयार है। साथ ही मित्र देश फ्रांस ने भी इसका समर्थन किया है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरी दुनिया को एआई यानी आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के पूर्वाग्रहों से सावधान रहने की नसीहत भी दी है। इस तकनीक से नौकरियां जाने की आशंकाओं को खारिज करते हुए मोदी ने साफ कहा है कि इतिहास गवाह है कि तकनीक नौकरियां नहीं लेती। सिर्फ इसकी प्रकृति बदल जाती है और नई तरह की नौकरियां पैदा होती हैं। उन्होंने बताया कि इंसानों की रोजमर्रा की जिंदगी में एआई कितनी अहम भूमिका निभा रहा है। इसलिए उन्होंने इस तकनीक के फायदों को सभी से साझा करने की वकालत भी की है।

बता दें कि पेरिस में आयोजित ग्लोबल एआई समिट में बोलते हुए उन्होंने एआई के जिम्मेदार डिवेलपमेंट पर जोर दिया और इसके खतरों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की बात की। पीएम ने दो टूक कहा कि एआई को ओपन सोर्स सिस्टम के माध्यम से डिवेलप किया जाना चाहिए, जिससे इसकी पारदर्शिता बढ़े और सभी देशों को इसका समान लाभ मिले। चूंकि एआई से रोजगार के कई नए क्षेत्र विकसित होंगे, इसलिए हमें लोगों को स्किलिंग और री-स्किलिंग पर ध्यान देना होगा। हम इस दिशा में बड़े स्तर पर निवेश कर रहे है।

वहीं, एक खास पहलू की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि एआई इस सदी के लिए मानवता के कोड (व्यवस्था) लिख रहा है। इसलिए इसमें दुनिया बदलने की ताकत है। इस दिशा में भारत भी अपने एक्सपीरियंस और एक्सपर्टीज को जरूरतमंद देशों/लोगों के साथ साझा करने को तैयार है, ताकि सभी के लिए इसकी उपलब्धता सुनिश्चित करवाई जा सके। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पैरिस में ग्लोबल एआई समिट में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ सह अध्यक्षता की और कहा कि एआई पर अगली ग्लोबल समिट भारत में होगी। वहीं, फ्रांस ने भी ऐलान किया कि एआई पर अगली ग्लोबल समिट भारत में ही होगी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्र ने कहा कि एआई के डिवेलपमेंट को खुला और निष्पक्ष बनाने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति मोदी से सहमत दिखे।

वहीं, ग्लोबल समिट में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस बात से सहमति जताई कि एआई को वैचारिक पूर्वाग्रह से मुक्त होना चाहिए और यह कभी इंसानों की जगह नहीं ले सकेगा। साथ ही उन्होंने वैश्विक नेताओं को आगाह किया कि एआई में बहुत ज्यादा नियम-कानून इस इंडस्ट्री की तेजी से बढ़ती संभावनाएं बाधित हो सकती हैं। वहीं, कुछ अन्य नेताओं ने इस बात की जोरदार वकालत की कि एआई पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नियमों की जरूरत है। साथ ही इसकी ग्लोबल रेस में यूरोप को तीसरा रास्ता अपनाने की दरकार है ताकि दुनिया को अमेरिका और चीन की कंपनियों पर निर्भरता से बचाया जा सके। उल्लेखनीय है कि पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई एक्शन समिट ने जहां आने वाले दौर के लिए एआई की अहमियत को रेखांकित किया है, वहीं आगे के रोड मैप को दुरूस्त करने के लिए यह भी साफ कर दिया है कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। इस नजरिए से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता करते हुए अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश करते हुए यह जता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

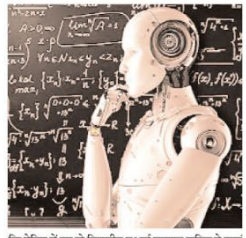

जहां तक इस बैठक की टाइमिंग का सवाल है तो यहां पर यह स्पष्ट करना जरूरी है कि पेरिस एआई एक्शन समिट ऐसे समय में हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक पूरी दुनिया के एआई निवेशकर्ताओं को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है। क्योंकि बहुत ही कम समय और न्यूनतम लागत में इसने चैटजीपीटी से बेहतर एआई टूल पेश करके दुनिया को बताया कि इस फील्ड में आउट ऑफ बॉक्स सोच बड़ी चीज है। पेरिस एक्शन समिट इसी पहलू को रेखांकित करती है वहीं, इस बैठक से यह भी साफ हो चुका है कि एआई इंडस्ट्रीज की सफलता के लिए सतर्कता बेहद जरूरी है, क्योंकि इसमें अग्रणी देश इसे अपने-अपने साम्राज्यवादी हितों के अनुरूप ढाल सकते हैं। अमेरिका और चीन ऐसा कर भी चुके हैं। जबकि यूरोप भी इसी दिशा में आगे बढ़ चुका है। इसलिए भारत को भी अपना कदम फूंक-फूंक कर रखना होगा। भारत ऐसा ही कर भी रहा है। हालांकि, इसमें दो राय नहीं कि डीपसीक ने वाकई कमाल किया है। लेकिन निरंतर बदलती, विकसित होती तकनीक वाली इस फील्ड में हर इनोवेशन की अपनी सीमाएं भी होती हैं, जिनका ध्यान रखने की जरूरत होती है। खासकर सुरक्षा से जुडे पहलू को किसी भी सूरत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस बिंदु पर इस चीनी इनोवेशन को भी कई तरह के सवालों का सामना करना पड़ रहा है।

जहां तक एआई को लेकर दुनियावी पारदर्शिता और तालमेल का सवाल है तो कहना न होगा कि इस नजरिए से भी यह तीसरी एआई एक्शन समिट सफल हुई है, क्योंकि इसमें 90 देश और बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस शिखर बैठक में भी कहा, एआई हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। वहीं, जहां तक एआई तकनीक के बुनियादी विकास में भारत की भूमिका का सवाल है तो यह तीसरी बैठक भारत की भूमिका को भी खास बनाता है। क्योंकि इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं, निकट भविष्य में बेहद कारगर साबित हो सकते हैं। हालांकि अनुभव बताता है कि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। इसलिए बेहतर यही होगा कि केंद्र सरकार एक मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। क्योंकि एआई इनोवेशन में भारत खुद के पीछे छूटने का जोखिम अब नहीं उठा सकता है।

खासबात यह है कि पेरिस के एआई समिट के जरिए एआई पर अमेरिका, यूरोप और चीन की आपसी वर्चस्व की लड़ाई खुलकर सामने आती दिखी है। क्योंकि एक ओर अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने जहां सीधे तौर पर यूरोप और चीन को चेतावनी दी है, तो वहीं दूसरी ओर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यूरोप और फ्रांस को एआई की एक बड़ी ताकत बताने की कोशिश की है। हालांकि, खुशी की बात यह है कि दोनों ने ही भारत के दूरदर्शिता भरे रुख की तारीफ की है। इससे इस बात की उम्मीद बलवती हुई है कि यूरोप बनाम अमेरिका के बीच भारत एक ब्रिज की तरह काम कर सकता है। इस ग्लोबल समिट में भी भारत कुछ ऐसा ही नजर आया, जहां दोनों पक्ष एक थे।

काबिलेगौर है कि अमेरिका और ब्रिटेन ने पेरिस एआई समिट के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, क्योंकि इसमें एआई को सभी के हित में अंतरराष्ट्रीय ढांचे में रखने की वकालत की गई है, जो समावेशी, पारदर्शी, किफायती, सुरक्षित और भरोसेमंद हो। हालांकि, अमेरिका ने हस्ताक्षर नहीं करने का कारण नहीं बताया है, जबकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री गीर स्टारमर के प्रवक्ता ने कहा कि वह सोच-समझकर और केवल ईयू की पहल पर ही हस्ताक्षर करेंगे। वहीं, इस ग्लोबल समिट के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने निशाना साधते हुए कहा कि यूरोप को तेल और गैस के लिए ड्रिल करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह पहले से हो न्यूक्लियर एनर्जी पर निर्भर है। उन्होंने कहा, मेरे एक अच्छे दोस्त कहते है- Drill, baby, drill लेकिन यहां ऐसा कहने की जरूरत नहीं है। यहां है- Plug, baby, plug क्योंकि हमारे यहां पहले से बिजली उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा कि यूरोप जल्द ही एआई को बढ़ावा देने के लिए एक नई रणनीति लॉन्च करेगा, जिसे यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सला बॉन डर लेपन पेश करेंगी। उन्होंने यहां तक कहा कि हमें यूरोप में स्टार्टअप के लिए बड़ा घरेलू बाजार बनना होगा। इसलिए हम नियमों में ढील देने के पक्ष में है लेकिन एआई में लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए कुछ नियंत्रण जरूरी है। इसी नजरिए से यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सला बॉन डेर लयेन में भी कहा कि ईयू ब्यूरोक्रसी कम करेगा और एआई में निवेश बढ़ाएगा। वहीं, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि एआई पर ज्यादा सरकारी नियंत्रण इस तकनीक को कमजोर कर सकता है। उन्होंने चीन पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि एआई के लिए सरकारों से समझौता करना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन द्वारा सस्ते दामों पर एआई तकनीक देना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने चेताया कि अगर कोई डील बहुत फायदेमंद लगे, तो याद रखें अगर आप किसी चीज के लिए पैसे नहीं दे रहे तो इसका मतलब है कि आप खुद प्रोडक्ट बन गए हैं।

बिखरता चूल्हा, सिमटता आंगन....

भारतीय सामाजिक परिवेश का वास्तविक स्वरूप एवं संरचना गांवों में रचता-बसता रहा है। संयुक्त परिवार को ग्रामीण संस्कृति के पारंपरिक स्वरूप में देखा-समझा जाता था। उसमें परिवार रिश्तों की गर्माहट के साथ मजबूती से एक सूत्र में बंधा रहता था। चूंकि देश की आत्मा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में ही निवास करती है, इसलिए मानव जीवन का पहिया बहुत हद तक आपसी दुख-सुख के चक्र से आत्मिक समन्वय लिए गतिमान है। समाजशास्त्रियों का भी कथन है कि परंपरागत रूप से संयुक्त परिवारों की आपसी समझ के कारण वैमनस्य की गंभीर समस्या का अनुभव नहीं किया जाता था।

अशोक कुमार

घर में बच्चे अपने माता-पिता, भाई-बहन, चाचा-चाची और दादा-दादी से बुनियादी शिक्षा ग्रहण कर लिया करते थे। पूरे परिवार को समेट कर, सहेज कर चलाने की जिम्मेदारी घर के मुखिया की हुआ करती थी। यों यह दायित्व आज भी वही निभा रहे हैं।संयुक्त परिवार के दौर में घर के सदस्यों के काम अलग-अलग बंटे होते थे। घर के सभी सदस्यों का एक साथ भोजन पकना और खाना बिल्कुल सामान्य ढंग से संचालित हुआ करता था। सभी एक साथ भोजन करते थे। इससे संतुष्टि मिलती थी और आपस में स्नेह बढ़ता था। इसी दौरान दिन भर के अपने अनुभव और दुख-सुख भी साझा हो जाया करते थे। सार यह कि इससे परिवार में एका के साथ उसकी शक्ति भी बनी रहती थी। तब परिवार चुनौतियों का सामना मिल कर कर लेता था।

औद्योगिक क्रांति के पहले भारतीय परिवारों का स्वरूप संयुक्त था, लेकिन उद्योगीकरण, शहरीकरण, शिक्षा और पश्चिमी जीवन दर्शन के प्रभाव से परिवारों की संरचना में तेजी से बदलाव होने लगे। इन परिवर्तनों ने न सिर्फ परिवार के ढांचे को असंतुलित कर दिया, बल्कि सदस्यों के निजी पारस्परिक संबंधों, मेल-मिलाप की प्रक्रिया, परिवार के अनुशासन और व्यवहार प्रणालियों को भंग करने के लिए भी सर्वाधिक रूप में उत्तरदायी हुए। परिवार एक छोटी इकाई के रूप में नजर आने लगे। चूल्हे अलग होने लगे, खेत बंटने लगे और आंगन के आकार सिमटने लगे। एकल परिवार की धारणा में परिवारों के बीच निजी स्वतंत्रता की चाह ने अपनी जगह बना ली और आभासी आनंद की लहरों में डूबने की नौबत आ गई।

काल के प्रवाह में आज एक चूल्हे ने छह चूल्हे को आकार भले दे दिया, लेकिन कभी एक साथ बैठ कर सीमित व्यंजन के भोजन से जो संतुष्टि मिलती थी, आज व्यंजनों की अधिकता ने भी उसके पहले के स्वाद को कम जरूर कर दिया है। घर के सदस्यों के लिए पके भोजन के अंश से ही कभी-कभी पड़ोसी या खुद के घर में अचानक आए अतिथि के लिए भोजन की व्यवस्था हो जाती थी। ग्रामीण क्षेत्र से नगर की ओर पलायन की विवशता ने भी हमारे घर-आंगन के आकार और रौनक को कम कर रखा है। अनेक घरों में तो ताले लग गए, जो साल-दो साल में ही खुलते हैं। बंद ताले की चाबियां अब गुम हो रही हैं, क्योंकि गृह स्वामी यह तय नहीं कर पाते कि बंद घरों में उन्हें कब लौटना है।

जिस आंगन में हमेशा चहल-पहल हुआ करती थी, खासकर किसी समारोह में मौसी, बुआ की उपस्थिति हर नेग और विधान को जीवंत बनाए रखती थीं, वहीं गांवों से विस्थापित परिवारों के विवाह समारोह अब नगर के होटलों, विवाह भवनों, रिजार्ट और सामुदायिक भवनों में आयोजित होने से उनके बंद घर-आंगन में अब गौरैया भी दाना चुगने नहीं आती।

भाइयों के बीच बंटवारे ने घर के कुएं को भी विभक्त कर दिया, साथ ही खेत भी टुकड़ों में बंट गए। इससे खेतों के क्षेत्रफल में भी कमी आ गई। इन हालात ने जब समाज की सबसे लघु इकाई घर-आंगन की परंपरागत शक्ति का क्षरण किया है, तो स्वाभाविक रूप में इसके प्रभाव ने पूरे गांव के विरासतीय संपदा में भी सेंधमारी कर दी है। यह स्थिति भारतीय परिवारों के लिए आज एक विषम समस्या है, जिसकी जड़ में परिवार के लोगों के व्यवहार में असंतुलन के कारण कलह, संघर्ष,अविश्वास और अलगाव का मिश्रण है। आज परिवार में व्यक्ति का जीवन जब व्यस्तता, भौतिक सुख और आत्मकेंद्रित होने की ओर उन्मुख है, तो पीढ़ी की परंपराएं और मर्यादाएं उसके गले नहीं उतर सकतीं।

दैनिक जीवन के आचरण के प्रतिबिंब साक्षी हैं कि अब परिवार एक संस्था की मान्यता से अपने को दूर कर रहा है, क्योंकि व्यक्ति अपनी सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, यहां तक कि जैविक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए 'आउटसोर्स' पर निर्भर हो गए हैं। परिवार के सिमटते आंगन का एक मुख्य कारण आर्थिक तनाव भी है, क्योंकि महंगाई की मार के बावजूद आवश्यकता की सूची दिन-प्रतिदिन लंबी हो रही है। यह पश्चिम के व्यक्तिवादी तात्कालिक सुखद चिंतन का ही परिणाम है कि आज बीमारी, बेरोजगारी, कुपोषण, बुढ़ापा या अन्य किसी संकट की स्थिति में व्यक्ति अपने परिवार में अकेला और असहाय महसूस करने लगा है। भविष्य में यह अकेलापन और बढ़ने वाला है।

परिवार पर आए इस अभूतपूर्व संकट पर पूरा नियंत्रण करना तो संभव नहीं दिखता, लेकिन बढ़ते विघटन के घनत्व को मजबूत इच्छाशक्ति से कम जरूर किया जा सकता है। अधिकांश चूल्हे भले बंट गए और आंगन की आत्मीयता घट गई, लेकिन संवेदनाओं की जमा पूंजी में जो कमी हो रही है, उसके एक हिस्से को भी बचा कर रखना जरूरी है। संतोष का विषय है कि देश के अनेक क्षेत्रों में अभी भी एक चूल्हे पर एक से अधिक परिवार के सदस्यों का भोजन पक रहा है। शायद ऐसे प्रेरक अंश ही विभाजित चूल्हे के ईंधन में भावनात्मक वृद्धि करते हुए सिमटते आंगन में स्नेहिल सुधा बिखेर सकेंगे। एक चूल्हे से ही परिवार में प्रेम की आंच बढ़ेगी।

स्थापना दिवस के लिए संचालन समिति गठित

बोकारो (ससे): रविवार को संपूर्ण विप्र समाज, बोकारो जिला द्वारा स्थानीय पुस्तकालय मैदान, जनवृत ५ में समाज के कार्यकारी जिलाध्यक्ष दिवाकर दुबे की अध्यक्षता में ९ मार्च २०२५ को आयोजित होने वाले विप्र होली मिलन समारोह सह स्थापना दिवस के लिए ११ सदस्यीय संचालन समिति का गठन किया गया, जिसका नेतृत्व ज्योति प्रकाश द्विवेदी करेंगे। संचालन समिति के अन्य सदस्यों में अर्चना चौबे, मिली चौबे, दिवाकर दुबे, श्रवण कुमार झा, वीरेंद्र कुमार चौबे, बबलू पांडे, मृणाल मनीष पांडे, संजय पांडे, विजय त्रिपाठी एवं मनोज पांडे शामिल हैं।

संचालन समिति के कार्यों को गति देने के लिए पांच सदस्यीय मार्गदर्शक समिति का भी गठन किया गया जिसमें विमलेश पांडे, सोमनाथ पांडे, शैलेंद्र तिवारी, अखिलेश ओझा एवं अक्षय दुबे शामिल हैं। महासचिव श्रवण कुमार झा एवं सचिव वीरेंद्र चौबे ने बताया कि बोकारो में विप्र होली मिलन समारोह दो दशकों से भी अधिक समय से लगातार आयोजित किया जा रहा है जिसमें पूरे प्रदेश से अनेकों विप्रश्रेष्ठ उपस्थित होते हैं। इस समारोह का शुभारंभ आराध्यदेव भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना एवं वेद मंत्रों से की जाएगी तथा पूरे विश्व के कल्याण एवं शांति हेतु प्रार्थना की जाएगी। मनमोहक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, होली गायन तथा समाज की भावी योजनाओं पर चिंतन के साथ ही इस समारोह का मुख्य आकर्षण फूलों से खेली जाने वाली होली होगी।

आज की बैठक में मुख्य रूप से संपूर्ण विप्र समाज के प्रदेश अध्यक्ष शशि भूषण ओझा 'मुकुल' एवं प्रदेश महासचिव (संगठन) मृणाल कांत चौबे सहित दिवाकर दुबे, श्रवण झा, वीरेंद्र कुमार चौबे, ज्योति प्रकाश द्विवेदी, अर्चना चौबे, मिली चौबे, विजय कुमार त्रिपाठी, अखिलेश ओझा, अक्षय कुमार दुबे, अशोक कुमार पांडे, कुंदन उपाध्याय, राममूर्ति पाठक, सरोज तिवारी, उमेश चंद्र दुबे, वीरेंद्र नाथ तिवारी एवं अर्जुन पांडे उपस्थित रहे।

ओएनजीसी बोकारो में वॉकाथन का आयोजन

बोकारो (ससे): ओएनजीसी सी बी एम परिसंपत्ति, बोकारो द्वारा संरक्षण क्षमता महोत्सव (सक्षम) २०२४-२५ के तहत १६ फरवरी की सुबह वॉकाथन आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारी एवं समुदाय के सदस्य ईंधन संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एकत्रित हुए। इस रैली की अगुवाई सीबीएम परिसंपत्ति के परिसंपत्ति प्रबंधक आदित्य जौहरी ने की, जिनके साथ ओएनजीसी के अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम का आयोजन कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और स्वच्छ ईंधन को अपनाने के महत्व के बारे में लोगों को शिक्षित करने और जागरूकता फैलाने के लिए किया गया। संरक्षण क्षमता महोत्सव (सक्षम) २०२४-२५ का उद्देश्य जीवाश्म ईंधन के स्मार्ट और अधिक जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देकर सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण और भावी पीढ़ियों के लिए ऊर्जा संरक्षण में सहायक व्यवहारिक परिवर्तन को प्रेरित करना है।

जैन मुनि का इसरी में आगमन, हुआ स्वागत

डुमरी (ससे): सुप्रसिद्ध जैन संत आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री पूज्यसागर जी महाराज एवं अतुल सागर जी महाराज

पद विहार करते हुए रविवार को इसरी बाजार पहुंचे।

इस दौरान जैन समाज के सैकड़ो पुरुष महिलाएं बच्चे पारंपरिक परिधान में उनकी आगवानी के लिए पहुंचे। मंगल प्रवेश में सभी उनके साथ-साथ चल रहे थे।वहीं रास्ते में लोगों ने उनके चरणों को धोया और माथे पर लगाया।शोभा यात्रा में सैकड़ो भक्त जैन धर्म का ध्वज लेकर एवं महिलाएं मंगल कलश लेकर चल रही थी।

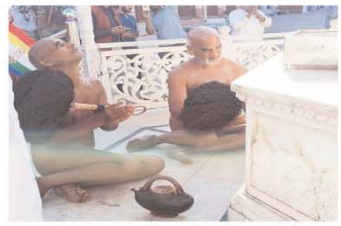

जैन धर्म के जयकारों के साथ पूरे इसरी नगर में भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बन गया।महिलाएं बैंड बाजे की धुन पर नृत्य करती हुई दिखी।नगर भ्रमण के उपरांत मुनिगन १३ पंथी मंदिर २० पंथी मंदिर होते हुए उदासीन आश्रम पहुंचे। १००८ श्री पारसनाथ भगवान के दर्शन के उपरांत मुनि श्री पूज्यसागर जी ने एक धर्म सभा को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि यहां के लोगों का परम सौभाग्य है कि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने मधुबन की जगह यहां चातुर्मास किया और एक लंबे समय लगभग ७ माह तक रुके।

श्रीं१ूइसरी के धर्म प्रेमी बंधुओ का पुण्य का योग है कि यहां मुनियों माताजी के चरण हमेशा पढ़ते रहते हैं।इस अवसर पर ईश्वरी जैन समाज के मंत्री अशोक कुमार जैन अधिवक्ता, सुनील कुमार जैन,भैयालाल जी जैन,नरेश सेठी मीना जैन आयुषी जैन अनीता जैन सरिता जैन सीमा जैन गुंजा जैन रीना जैन यादि उपस्थित थे। मुनिगन का बिहार १८ फरवरी को शिखर जी के लिए होगा।इसरी जैन समाज को तीन दिनों तक उनका सानिध्य मिलेगा।

के राजू को झारखंड प्रभारी बनाये जाने पर खुशी

डुमरी (ससे): कांग्रेस पार्टी के एससी/एसटी/ओबीसी तथा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक के राजू कुमार को झारखंड प्रदेश प्रभारी बनाए जाने पर कांग्रेस पार्टी एवं युवा कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त किया है साथ ही पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी,पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त किया है। वक्ताओं ने कहा कि जब केंद्र में यूपीए की सरकार थी तब उन्होंने सूचना का अधिकार, खाद्य सुरक्षा एवं मनरेगा एक्ट में अपना बड़ा योगदान दिया था। उनके कुशल मार्गदर्शन से झारखंड प्रदेश सहित सभी जिलों के विभिन्न इकाइयों में नेताओं और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा मिलेगी।

खुशी व्यक्त करने वालों में कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष महेश भगत प्रखंड अध्यक्ष नागेश्वर मंडल युवा कांग्रेस के जिला महासचिव सरफराज अहमद उर्फ गुड्डू मलिक कांग्रेस नेता सुखदेव सेठ,जगदीश रजक युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष कपिल ठाकुर उपाध्यक्ष सनाउल्लाह अंसारी महासचिव सादिक अली, युसूफ अंसारी, भुवनेश्वर रविदास, धनश्याम शर्मा, बिनोद तुरी, तिलक महतो,मोहन महतो, मुकेश कुमार, उर्मिला देवी, फुलमनी देवी, नुरेशा खातुन, सुमित्रा देवी, जहाना खातुन, कुबेर भगत, अजीत स्वर्णकार, रमजान अंसारी, इमरान अंसारी, रमजान अंसारी, करीमबख्श अंसारी, अब्दुल अंसारी,मुमताज अंसारी,खुर्शीद अंसारी,मोतीलाल सोरेन,श्यामलाल मांझी,प्रकाश पंडित,इकबाल अंसारी आदि शामिल हैं।

आरआईएल के पक्ष में पारित मध्यस्थता फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली,(ईएमएस): दिल्ली हाईकोर्ट ने उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसके साझेदारों के पक्ष में दिए मध्यस्थता फैसले को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति रेखा पल्ली और न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की पीठ ने केंद्र सरकार की अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें एकल पीठ के ९ मई, २०२३ के फैसले को चुनौती दी गई थी।

फैसला मुकेश अंबानी के स्वामित्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के पक्ष में पारित किया गया था। एकल पीठ ने मध्यस्थता निर्णय को बरकरार रखते हुए कहा था कि वह यह मानने के लिए सहमत नहीं है कि मध्यस्थता न्यायाधिकरण द्वारा निकाले गए निष्कर्ष ऐसे हैं जिन पर कोई भी विवेकशील व्यक्ति नहीं पहुंच सकता। एकल पीठ ने कहा था कि मध्यस्थ न्यायाधिकरण द्वारा लिया गया दृष्टिकोण निश्चित रूप से एक संभावित दृष्टिकोण है, जिसमें किसी हस्तक्षेप की जरुरत नहीं है। इस न्यायालय को बहुमत के मध्यस्थ निर्णय में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं मिलता है, जिसे तदनुसार बरकरार रखा जाता है। फिलहाल कंपनी की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है।

हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने जुलाई २०१८ में आरआईएल और उसके साझेदारों के खिलाफ केंद्र सरकार के १.५५ अरब डॉलर के दावे को खारिज कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने ऐसे भंडारों से गैस निकाली, जिनका दोहन करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं था। रिलायंस ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तीन सदस्यीय समिति ने २-१ के बहुमत से तीनों भागीदारों को ८३ लाख डॉलर का मुआवजा भी देने का आदेश दिया है।

झारखंड एकता किसान मजदूर यूनियन की बैठक

डुमरी (ससे): झारखंड एकता किसान मजदूर युनियन की एक बैठक रविवार को रांगामाटी पंचायत भवन सभागार में हुई।

उपस्थित ग्रामीणों को यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो ने युनियन कें नीतियों एवं सिद्धांतों से अवगत कराते हुए कहा कि गरीबों,किसानों,मजदूरों, शोषितो,वंचितों एवं बेरोजगारो कीं आवाज को मुखरता से उठाने के लिए युनियन का गठन किया गया है। कहा कि क्षेत्र में सरकार कि विकास योजनाओ को पुरी पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारने के लिए सभी सदस्यों को पुरी तरह से सजग रहना होगा क्योंकि बिचौलियों के कारन सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ज़रूरतमंदों को नहीं मिल पाती है।

बैठक में युनियन कें केंद्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित केंद्रीय महासचिव रवीन्द्र कुमार केंद्रीय कोषाध्यक्ष नुनुचन्द महतो जिला कमिटी सदस्य सुरेश पंडित जिला सचिव सीमा देवी प्रखंड अध्यक्ष राजेन्द्र यादव महिला मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष गीता देवी उपाध्यक्ष हेमा देवी,शिवा दास कलपना देवी,समीना खातुन, सीताराम ठाकुर,अनिल शर्मा,सूरज शर्मा,देबू साव, जिबलाल यादव,अर्जुन यादव,आदि उपस्थित थे।

मैं और मेरे परिवार को मारना चाहते हैं लोगः रणवीर

मुंबई(ईएमएस): कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में विवादास्पद टिप्पणी के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने जो पोस्ट शेयर किया है उसमें उन्होंने बताया, मैं और मेरी टीम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा और एजेंसियों के लिए मौजूद रहूंगा। माता-पिता को लेकर मेरी टिप्पणी बहुत ही असंवेदनशील और अपमानजनक थी। ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर करूं और मैं सच में आपसे माफी मांगता हूं।

पोस्ट में उन्होंने बताया कि वो और उनकी टीम जांच में पुलिस का साथ दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। रणवीर ने कहा कि कुछ लोग उनकी मां की क्लीनिक में मरीज बनकर पहुंच गए थे और वो बहुत डरे हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं देख रहा हूं कि लोग मुझे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं, कह रहे हैं वो मुझे मारना चाहते हैं। लोग मेरी मां के क्लीनिक में मरीज बनकर घुस आए। मैं बहुत डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता मैं क्या करूं। मैं भाग नहीं रहा हूं। मुझे पुलिस और भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। बता दें, रणवीर इलाहाबादिया का बयान दर्ज करने के लिए पुलिस उनके घर पहुंची थी, लेकिन पुलिस को उनके घर पर ताला लटका मिला। वहीं, उनका फोन भी बंद आ रहा था। पुलिस इस मामले में अभी तक रणवीर का बयान दर्ज नहीं कर पाई है।

खाटूश्याम बाबा के पदयात्रियों के लिए एनएचएआई की सौगात

जयपुर (ईएमएस): लखदातार खाटूश्यामजी (सीकर) के लक्खी मेले की २८ फरवरी से शुरुआत होने वाली है। करीब १२ दिन चलने वाले मेला में १० से ज्यादा देशों से श्रद्धालु पहुंच सकते है। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के हर कोने से हजारों की संख्या में भी पदयात्रा भी खाटूनरेश के धाम पहुंचेंगी। हर साल मेल में बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या को देखकर इस साल के मेला के लिए भी बड़े पैमाने पर तैयारियां की गई हैं।

बाबा के निशान, इत्र, गुलाब के फूलों को लेकर भी नए नियम तय हुए हैं। वहीं,जयपुर से रींगस तक हाईवे के किनारे पदयात्रियों के लिए नया रास्ता तैयार किया जा रहा है। जिससे वे सुरक्षित बाबा के धाम पहुंच सकें। बात दें कि खाटूश्याम मेला के दौरान जयपुर की ओर से सबसे ज्यादा पदयात्रा पहुंचते हैं। इनका रूट जयपुर-बीकानेर हाईवे से होता है। इसके बाद जयपुर से रींगस तक पदयात्रियों को हैवी ट्रैफिक के साथ करीब ६० किलोमीटर का सफर तक करना होता है।

अमेरिका से 157 भारतीयों को लेकर आ रहा तीसरा विमान

नई दिल्ली(ईएमएस): प्रवासी भारतीयों को लेकर अमेरिका से तीसरा विमान आ रहा है। कितने बजे तक लैंड करेगा इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ये तीसरा विमान भी अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा।

अमेरिका से ११६ अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर सैन्य विमान सी-१७ ए ग्लोबमास्टर-३ शनिवार रात ११:३० बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ।

पहले ११९ अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के खबरें थीं, लेकिन बाद में लिस्ट अपडेट की गई। इस विमान में पंजाब से ६५, हरियाणा से ३३, गुजरात से ८, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से २-२ और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल थे।एयरपोर्ट के अंदर पहले सभी के दस्तावेजों की चेकिंग की गई।

इसके साथ यह भी देखा गया कि किसी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके परिजनों के हवाले

कर दिया गया। अमेरिका तीसरे बैच में १५७ अवैध प्रवासी भारतीयों को रविवार यानी आज सुबह अमृतसर भेजेगा। अभी यह पता नहीं चल सका है कि विमान कितने बजे यहां लैंड करेगा।

अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर हवाई अड्डे पर भारतीय प्रवासियों को ला रहे अमेरिकी विमानों की लैंडिंग को लेकर केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पवित्र शहर अमृतसर को बदनाम किया जा रहा है। हम अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतारना केंद्र सरकार की साजिश है। यह जहाज दिल्ली या अहमदाबाद अथवा देश के किसी भी एयरबेस पर उतारा जा सकता है।

टिकट कैंसिल करने पर आपकों ये चार्ज वापस नहीं करता रेलवे

नई दिल्ली (ईएमएस): ट्रेन से यात्रा करने के लिए रिजर्वेशन करने वालों में २० फीसदी लोग होते हैं, जो बाद में टिकट कैंसिल करते हैं और उनके अकाउंट में पैसे वापस आते हैं। लेकिन ज्यादातर लोगों को पता नहीं होता है कि टिकट कैंसिल चार्ज के अलावा अन्य कुछ चार्ज भी होते हैं, जो रेलवे यात्रियों से रिजर्वेशन कराते समय वसूला जाता है, लेकिन कैंलिस कराते समय वापस नहीं होता है। ये कौन से चार्जेस होते हैं, हम इस बारे में आपकों बात रहे है।

दरअसल रिजर्वेशन कराते समय ट्रेन के किराया के अलावा रिजर्वेशन चार्जेस, सुपरफास्ट चार्जेस और जीएसटी भी लेता है। जब आप टिकट कैंसिल कराते हैं, तब क्लास के अनुसार तय चार्जेस आप द्वारा दी गई राशि से कटता है, साथ ही रिजर्वेशन चार्जेस और जीएसटी वापस नहीं करता है। इसके अलावा सुपरफास्ट चार्जेस भी लिया जाता है।

मार्च से शुरु होगा इस्लाम का मुबारक और बरकतों का महीना रमजान

नई दिल्ली, (ईएमएस): इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक रमजान का मुबारक महीना २९ या ३० दिनों तक चलता है। रमजान के इस महीने को इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना गया है, जिसमें आस्था, इबादत, रोजा, दान और हज पर जोर दिया जाता है। भारत में इस साल रमजान की शुरुआत १ मार्च यानी शनिवार के दिन से होगी। इस महीने का आखिरी दिन यानी ईद-उल-फितर चांद के दिखने पर निर्धारित करता है, इसलिए माह महीने के ३० या ३१ मार्च को चांद नजर आ सकता है उसके दूसरे दिन सुबह ईद की नमाज पढ़ी जाती है और दूसरों लोगों के साथ खुशियां बांटी जाती हैं।

रमजान में रोजा ईद-उल-फितर का चांद दिखते ही खत्म हो जाते हैं। यह वह महीना है जब दुनिया भर के मुसलमान रात तीन-चार बजे से उठकर सहरी करते हैं और सूरज ढलने तक रोजा (यानी पानी तक नहीं पाते) रखते हैं। राजा रखने के दौरान पूरे दिन कुछ खाया पिया नहीं जाता, फिर सूरज ढलने के बाद रोजा इफतार यानी खोला जाता है। इसके साथ रमजान के पाक महीने में ज्यादा-से-ज्यादा समय अल्लाह की इबादत और कुरआन पाक की तिलावट में गुजरता है। कुछ लोग अपने काम धंधों के साथ साथ अल्लाह की इबारत भी करते हैं। ईद-उल-फितर का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह ईद शव्वाल महीने की पहली तारीख को मनाई जाती है।

इस्लाम धर्म में दान (यानी कमजोर बेसहारा लोगों की मदद) को बड़ी अहमियत दी गई है, खासकर रमजान के महीने में, इसलिए हर व्यक्ति को अपनी हैसियत के मुताबिक इस महीने में दान करना जरूरी होता है। साथ ही दिन में पांच बार नमाज भी पढ़नी होती है। इसके साथ रमजान में नमाज के बाद जकात को ही सबसे अहम माना गया है। अल्लाह को राजी करने यह सभी काम किए जाते हैं।

महिला अधिकारी को नो मेकअप का कमेंट कर मुसीबत में फंसे युवक

कोकराझार (ईएमएस) : सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर महिला अधिकारी पर किए एक कॉमेंट पर इमोजी बनाकर भी असम का एक युवक मुसीबत में फंस गया। दरअसल ढेकियाजुली निवासी युवक ने महिला अधिकारी की पोस्ट पर एक कमेंट पर केवल हंसने वाली इमोजी बना दी थी। मामला पुराना है लेकिन कोकराझार कोर्ट ने जनवरी माह में युवक को समन भेजा है। अप्रैल २०२३ में युवक ने फेसबुक पर रिएक्ट किया था। पुलिस ने मामले में कोकराझार कोर्ट में चार्जशीट फाइल की है।

युवक का नाम अमित चक्रवर्ती है। कोकराझार की डिस्ट्रिक्ट डिप्टी कमिश्नर वरनाली डेका की पोस्ट पर अमित ने रिएक्शन दिया था। इसके बाद डेका ने उसके खिलाफ केस दर्ज करवा दिया। डेका ने दो अन्य लोगों के खिलाफ भी केस दर्ज करवाया था। इसमें कमेंट करने वाला युवक भी शामिल है। युवक ने नो मेकअप कमेंट किया था। डेका ने आरोप लगाया कि युवकों ने साइबर स्टॉकिंग और सेक्शुअली अपमानजनक टिप्पणी की है।

महिला अधिकारी डेका की पोस्ट पर नरेश बरुआ ने कमेंट किया था। उन्होंने लिखा, आज आपने मेकअप नहीं किया मैम। इस पर चक्रवर्ती ने लाफिंग इमोजी बना दी। डेका ने भी कमेंट का जवाब देकर कहा, तुम्हारी दिक्कत क्या है? इस कमेंट को लेकर केस दर्ज कराया गया। उन्होंने चक्रवर्ती, बरुआ के साथ ही अब्दुल साबुर नाम के शख्स पर आरोप लगाया था।

कोर्ट में महिला अधिकारी डेका और अन्य तीन आरोपियों के सोशल मीडिया के स्क्रीनशॉट पेश किए गए थे। डेका ने पोस्ट लिखकर चक्रवर्ती से कहा, आप सेक्शन ३५४डी के तहत साइबर स्टॉकिंग के बारे में जान लीजिए। आप एक अपराधी हैं और मैं साइबर सेल में शिकायत कर रही हूं। आपको स्टॉकिंग छोड़कर अपने काम पर फोकस करना चाहिए। वहीं चक्रवर्ती को टैग करके डेका ने एक अन्य पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा, यह एक अपमानजनक और यौन उत्पीड़न करने वाला कमेंट है। इसके बाद आपके खिलाफ सेक्शन ३५४ए के तहत शिकायत की जा रही है।

चक्रवर्ती ने इस लेकर कहा, मैंने केवल रिएक्ट किया था। अब हंसने के लिए भी हमें जमानत करवानी पड़ेगी। मैं नहीं जानता की वरनाली डेका आईएएस हैं या फिर डिप्टी कमिश्नर हैं। उन्होंने कहा कि २३ जनवरी को कोकराझार पुलिस ने उन्हें थाने में बुलाया था। उन्होंने बताया कि मेरे खिलाफ कोई केस दर्ज कराया गया है।

मैंने अपने वकील दोस्त की मदद ली। मुझे आश्चर्य है कि एक आईएएस अधिकारी के पास इस तरह की छोटी मोटी बातों पर भी इतना कड़ा एक्शन लेने का समय है।

राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में संलिप्त तीन कर्मचारियों को एलजी ने किया बर्खास्त

श्रीनगर,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने शनिवार को अनुच्छेद ३११ की एक विशेष धारा लागू की और जम्मू-कश्मीर में तीन सरकारी कर्मचारियों की सेवाओं को राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के चलते समाप्त कर दिया। यह फैसला ऐसे समय आया है जब सीएम उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली निर्वाचित सरकार ने केंद्र के साथ अपने संबंधों के संभावित पुनर्मूल्यांकन का संकेत दिया है।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने कहा कि एलजी ने भारत के संविधान के अनुच्छेद ३११ (२) (सी) को लागू कर दिया है। ये २०२० में पेश किया गया एक विशेष प्रावधान है। इसके तहत पुलिस कांस्टेबल फिरदौस अहमद भट, शिक्षक मुहम्मद अशरफ भट और वन विभाग में अर्दली निसार अहमद खान को बर्खास्त कर दिया गया है।

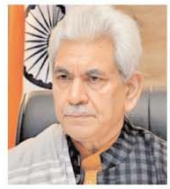

अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट के आधार पर तीनों को बर्खास्त किया है। वे सभी फिलहाल आतंकवाद से जुड़े कई आरोपों में जेल में हैं।

अधिकारियों के अनुसार फिरदौस अहमद को आतंकवादियों के साथ कथित संबंधों के लिए गिरफ्तार किया गया था। सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि उसने आतंकवादी संगठनों को रसद और अन्य सहायता प्रदान की। मुहम्मद अशरफ पर छात्रों को कट्टरपंथी बनाने और प्रतिबंधित संगठनों के साथ संबंध बनाए रखने का आरोप है, जबकि खान कथित तौर पर कश्मीर के जंगली इलाकों में आतंकवादियों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने में शामिल था।

हाल ही में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि कम से कम अपनी सरकार के शुरुआती कुछ महीनों में जम्मू-कश्मीर के लोगों के प्रति मेरा यह दायित्व है कि मैं केंद्र सरकार के साथ अच्छे कामकाजी संबंध स्थापित करने का प्रयास करूं। अगर इससे केंद्र सरकार द्वारा हमसे किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं, तो हम इस पर फिर से विचार करेंगे।

भोजपुर जिला को मिली 406.56 करोड़ की सौगात

पटना (एजेंसी): बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के मौजूदा चरण में आज भोजपुर पहुंचे हैं. यहां मुख्यमंत्री जगदीशपुर और आरा के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए. इस दौरान मुख्यमंत्री ने जिला को कुल ४०६.५६ करोड़ लागत की ३०७ योजनाओं की सौगात दी. इन ३०७ योजनाओं में १६५.८४ करोड़ रुपए लागत की कुल १४५ ऐसी योजनाएं हैं, जिसका उद्घाटन कल होगा. जबकि २४०.७२ करोड़ रुपए की लागत से पूरी होने वाली १६२ जनोपयोगी योजनाओं का शिलान्यास मुख्यमंत्री ने आज किया है. सबसे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जगदीशपुर अनुमंडल के काकीला गांव पहुंचे, जहां उन्होंने कई

योजनाओं का उद्घाटन किया. इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, सम्राट चौधरी सहित कई अन्य मंत्री भी शामिल रहें. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले काकीला गांव में बने हाईटेक पॉलिटेक्निक कॉलेज का जायजा लिया और हाइटेक लैब का उद्घाटन किया.

इसके साथ ही साथ मुख्यमंत्री ने कई अन्य जगहों का भी जायजा लिया है. इसके बाद मुख्यमंत्री जगदीशपुर अनुमंडल के ही हरिगांव पहुंचे, जहां उन्होंने सर शिव सागर रामगुलाम उच्च विद्यालय के हाईटेक रूप का जायजा लिया. वहीं, उन्होंने अमृत सरोवर सहित जीविका दीदियों से मुलाकात भी किया. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हरीगांव से आरा के जीरो माइल पहुंचे, जहां उन्होंने कई योजनाओं का सौगात भोजपुर जिले को दिया है.

योजनाओं के सौगात के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आरा से समाहरनालय में विभिन्न विभाग के पदाधिकारी के साथ एक समीक्षा बैठक भी की और कई दिशा निर्देश भी दिए. इस दौरान कई विभाग के सचिव सहित प्रबंध निदेशक भी मौजूद रहे. इस पूरे कार्यक्रम की मॉनिटरिंग भोजपुर जिले के जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया, एसपी भोजपुर मिस्टर राज ने किया है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को देखने के लिए भारी संख्या में भीड़ भी उम्र पड़ी थी, जिसका अभिवादन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद किया. इस प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री गंगानदी के तट पर बसे शाहपुर प्रखंड अंतर्गत जवइनिया गांव के बाढ़ से कटाव पीड़ित पांच भूमिहीन परिवारों को जमीन का पर्चा दिया है. सभी पांच परिवार के महिलाओं गीता देवी, सोनी देवी, अहिल्या देवी, दुखनी देवी और रेखा देवी को सभा स्थल पर आने का आमंत्रण मिला था.

नई दिल्ली घटना पर बिहार सरकार ने किया मुआवजे का ऐलान

पटना (एजेंसी): नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात हुए भगदड़ हादसे में कई लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए. इस घटना से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. उन्होंने कहा, इस हादसे में बिहार के लोगों की मौत की खबर से मन व्यथित है. मृतकों के परिवार को दो-दो लाख रुपये और घायलों को ५०-५० हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाएंगे. मुख्यमंत्री कार्यालय ने बयान जारी कर यह जानकारी दी.

इस दुखद घटना पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं. उन्होंने कहा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई यह घटना दिल दहला देने वाली है. मैं मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि घायलों को जल्द स्वास्थ्य लाभ मिले.

इस घटना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है. राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, यह हादसा केंद्र सरकार की लापरवाही को उजागर करता है. रेलवे प्रशासन की असफलता साफ दिखाई दे रही है. ऐसे में रेल मंत्री को नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्टेशन पर सुरक्षा प्रबंधन पूरी तरह से विफल रहा. भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल नहीं था, जिससे भगदड़ की स्थिति बनी. यात्रियों ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जबकि मौके पर अफवाहें भी आग में घी का काम कर रही थीं.

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वालों में अधिकतर बिहार के निवासी हैं, जो कामकाज के सिलसिले में दिल्ली आए थे या ट्रेन पकड़ने स्टेशन पहुंचे थे. प्रशासन ने मृतकों की पहचान कर उनके परिजनों को सूचित कर दिया है. साथ ही, बिहार सरकार की ओर से मुआवजा प्रक्रिया भी जल्द शुरू की जाएगी.

रेलवे प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं. अधिकारियों ने बताया कि भीड़ नियंत्रण के लिए तकनीकी उपाय किए जाएंगे और रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा. बिहार सरकार ने भी रेलवे से आग्रह किया है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं.

सचखंड गुरुद्वारा के पास गोलीबारी की जांच अब एटीएस करेगी

नांदेड़,(ईएमएस): महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में गोलीबारी की घटना की जांच अब एटीएस को सौंप दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हुआ था। यह घटना १० फरवरी को नांदेड़ के शाहिदपुरा में सचखंड गुरुद्वारा के पास हुई थी।

अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने गुरमीत सिंह सेवादार और उसके रिश्तेदार रविंद्र सिंह राठौर पर जब गोली चलाई थी जब दोनों स्कूटर पर जा रहे थे। सेवादार नासिक सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और पैरोल पर था। उन्होंने बताया कि राठौर की मौत हो गई, जबकि सेवादार गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस को सौंप दी गई है। मामले में दो लोगों ने हमलावर की मदद की थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शिक्षा को राज्य विकास का प्रमुख आधार बनाया है. उनका मानना है कि शिक्षा न केवल आर्थिक उन्नति का साधन है, बल्कि एक सभ्य और नैतिक समाज के निर्माण का भी आधार है. राज्य सरकार ने 'सात निश्चय' योजना के तहत स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और आधुनिक शिक्षण तकनीकों को लागू किया है. इससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा मिल रही है.

बिहार सरकार ने शिक्षा के लिए इस वित्तीय वर्ष २०२४-२५ में रिकॉर्ड ५२,६३९.०३ करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया है. यह बजट देश में शिक्षा पर सबसे अधिक खर्च करने वाले राज्यों में बिहार को शीर्ष पर लाता है. केंद्र सरकार की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, बिहार ने अपने जीएसडीपी का २.१७ प्रतिशत उच्च शिक्षा पर खर्च किया है, जो देश में अन्य राज्यों की तुलना में कहीं अधिक है. आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य उच्च शिक्षा पर एक प्रतिशत भी खर्च नहीं कर सके, जबकि बिहार इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है.

बिहार में उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. राज्य सरकार ने नई विश्वविद्यालय इमारतों, कॉलेजों और शोध संस्थानों की स्थापना की है. केंद्र सरकार की ऑडिट रिपोर्ट में भी बिहार में शिक्षा संरचना के विस्तार की सराहना की गई है. पिछले १०-१२ वर्षों में बिहार ने चार बार उच्च शिक्षा पर सबसे अधिक खर्च करने का कीर्तिमान स्थापित किया है.

बिहार में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की दर में भी ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है. पहले जहां यह दर १२ प्रतिशत से अधिक थी, वहीं अब यह घटकर एक प्रतिशत से भी कम हो गई है. यह उपलब्धि सरकार की समर्पित नीतियों और योजनाओं का परिणाम है. मध्याह्न भोजन योजना से बच्चों की स्कूल में उपस्थिति बढ़ी है और पोषण स्तर में सुधार हुआ है.

बिहार में महिलाओं की साक्षरता दर में भी ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है. २००३ में यह दर मात्र ३४ प्रतिशत थी, जो २०२३ में बढ़कर ७४ प्रतिशत से अधिक हो गई है. सरकार की पोशाक और साइकिल योजना ने लड़कियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया है. यह बदलाव राज्य में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है.

राज्य में शिक्षक-छात्र अनुपात में भी बड़ा सुधार हुआ है. वर्ष २००५ में यह अनुपात ६५:१ था, जो २०२४ में घटकर ३५:१ हो गया है. बिहार लोक सेवा आयोग के माध्यम से ढाई लाख से अधिक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जिससे कक्षाओं में शिक्षण गुणवत्ता में सुधार हुआ है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार का 'शिक्षित बिहार, विकसित बिहार' का सपना साकार होता दिख रहा है. सरकार की योजनाएं और निवेश राज्य को एक सशक्त और शिक्षित समाज की ओर ले जा रहे हैं. बिहार का यह प्रयास पूरे देश के लिए एक प्रेरणा बन चुका है.

पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हादसे में 2 महिलाओं समेत 4 की मौत

बाराबंकी (ईएमएस): उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर खड़ी बस में एक टैंपो ट्रैवलर बस भिड़ गई। भीषण हादसे में महाराष्ट्र से अयोध्या जा रहे ४ यात्रियों की मौत हुई है। वहीं बताया जा रहा है कि बस में करीब २२ लोग सवार थे।

१६ गंभीर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना के बाद पहुंचे यहां के एसपी ने रेस्क्यू अभियान तेज करवा कर यातायात सामान्य करवाया है। घायलों के परिजनों को सूचित करवाया है। जानकारी के मुताबिक लोनी कटरा थाना क्षेत्र में रविवार सुबह पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसा हुआ। यहां छत्तीसगढ़ से अयोध्या जा रही टैंपो ट्रैवलर बस पीछे से घुस गई। भीषण टक्कर से मिनी बस के परखच्चे उड़ गए। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने बस में फंसे यात्रियों को कटर की सहायता से निकलने का कार्य शुरू किया। हादसे में ३ यात्रियों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई, वहीं एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। एसपी ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर भीषण हादसे में खराब हुई बस में सवार टैंपो ट्रैवलर बस की टक्कर हुई है। हादसे में दो पुरुष और दो महिला समेत ४ यात्रियों की मौत हुई है। वहीं १६ अन्य घायल यात्रियों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीएम योगी ने महाकुंभ का किया हवाई निरीक्षण

प्रयागराज,(ईएमएस): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुंभ मेले का हैलिकॉप्टर के माध्यम से हवाई निरीक्षण किया है। उन्होंने हेलिकॉप्टर से पूरे मेला क्षेत्र का एरियल सर्वेक्षण किया और पार्किंग व्यवस्था को लेकर चिंता भी जाहिर की। उन्होंने निरीक्षण के दौरान कहा कि पार्किंग स्थल पर तो कोई वाहन ही नहीं दिख रहा, सभी तो मार्गों पर खड़े दिख रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई निरीक्षण के दौरान देखा कि पार्किंग स्थल खाली पड़े हुए हैं, जबकि श्रद्धालु अपनी गाड़ियां सड़कों पर खड़ी कर रहे हैं, जिससे जाम की स्थिति बन रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा, कृपया गाड़ियां पार्किंग स्थल पर ही खड़ी करें, ताकि सड़कों पर जाम न लगे और संगम स्नान सुचारु रूप से हो सके।

सीएम योगी ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए कि हर पॉइंट पर कड़ी निगरानी रखी जाए और भीड़ बढ़ते ही वैकल्पिक इंतजाम किए जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

योगी ने कहा कि हम प्रलय की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अभी से धरती को हरा-भरा बनाने के प्रयास करें। कुंभ का भी यही संदेश है- प्रकृति, जीव-जंतुओं और मानव जीवन का संरक्षण।

सीएम योगी ने दिल्ली रेलवे स्टेशन में हुई भगदड़ की घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और मृतकों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा, कि यह एक दुखद घटना है, और हमें भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सतर्क रहना होगा।

योगी की श्रद्धालुओं से अपील

संगम स्नान के लिए निर्धारित मार्गों का पालन करें।

गाड़ियों को केवल पार्किंग क्षेत्रों में ही खड़ा करें।

प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि मेला सुचारु रूप से चल सके।

सीएम योगी आदित्यनाथ के इस निरीक्षण के बाद प्रशासन ने यातायात और पार्किंग प्रबंधन को और सख्त करने के निर्देश दिए हैं, जिससे श्रद्धालु सुविधाजनक और सुरक्षित रूप से कुंभ मेले का हिस्सा बन सकें।

अयोध्या में श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा

वाराणसी,(ईएमएस): काशी और अयोध्या में वीकेंड पर श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब उमड़ा है। वाराणसी में करीब २० लाख लोग पहुंचे, जिससे मंदिर और रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है, वहीं गंगा आरती को २६ फरवरी तक रोक दिया गया है। इसके अलावा, शाम ६ बजे के बाद गंगा में नाव संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

रविवार तड़के २:४५ बजे बाबा विश्वनाथ मंदिर के कपाट खोले गए, जिसके बाद श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के बाहर ५ किलोमीटर तक लंबी कतारें लगी रहीं, और भक्तों को दर्शन करने में ५-६ घंटे का समय लगा है। भीड़ के चलते रेलवे स्टेशन पर भी हालात खराब रहे हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे यात्री स्टेशन पर ही फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि वो २४ घंटे से ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ट्रेन उनके गंतव्य को जाने वाली नहीं आई।

अयोध्या में भी श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा

अयोध्या में भी ५ लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। हनुमान गढ़ी में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह तक नहीं बची। रामलला के दर्शन के लिए २ किलोमीटर लंबी लाइन लगी।

पुलिस द्वारा गाड़ियों को सीमा पर ही रोक दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को १० किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है। काशी और अयोध्या में भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है। इसके साथ ही किसी अनहोनी से बचने प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि सभी सुरक्षित और सुगमता से दर्शन कर सकें।

बिजली के करंट से युवक की जलकर मौत

पटना (ईएमएस): बिहार के पटना जंक्शन पर पश्चिमी फुट ओवर ब्रिज से एक युवक अचानक कूद गया और रेलवे ट्रैक पर गिर गया लेकिन गिरते से पहले वह २५००० वोल्ट के बिजली की तार के संपर्क में आ गया जिससे वह नीचे गिरने के बाद धू धू कर जलने से उसकी मौके पर ही हो मौत हो गई। युवक को जलते हुए देखकर लोग डर गए और स्टेशन पर अफरातफरी मच गई। मृत युवक की पहचान नहीं हो पाई है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि पटना जंक्शन पर शनिवार की शाम एक युवक पश्चिमी फुटओवर ब्रिज पर थोड़ी देर तक टहलता रहा और फिर अचानक पुल की ५ फुट ऊंची जाली पर चढ़ गया, जब तक कोई कुछ समझ पाता युवक वहां से नीचे कूद गया लेकिन रेलवे ट्रैक पर गिरने से पहले वह २५ हजार वोल्ट के बिजली तार से छू गया जिससे वह धू-धू जलते हुए नीचे गिरा। कुछ ही मिनट में उसका पूरा शरीर जल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। तक की पहचान नहीं हो सकी है वहीं रेलवे प्रशासन के सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हो रहे है। आखिर कैसे वह युवक फुट ओवर ब्रिज पर चढ़ गया और किसी पुलिसकर्मी ने उसे रोकने की कोशिश भी नहीं की। वह कूद गया और हाई वोल्टेज तार से टक्करा कर मर गया और उसे बचाने की कोशिश तक नहीं की गई। जलते हुए ट्रैक पर गिरने से मौत हो गई और रेलवे प्रशासन अब तक मौन है।

नई दिल्ली स्टेशन पर मची भगदड़ लापरवाही का नतीजा

पटना,(ईएमएस): नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मची भगदड़ पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने दुख व्यक्त करते हुए इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि रेलवे प्रशासन और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लालू यादव ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह घटना दुखद है और रेलवे की लापरवाही के चलते ही यह हादसा हुआ है। इस घटना के बाद केंद्रीय रेल मंत्री को जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए।

लालू ने कहा कि यह बहुत बड़ा हादसा है और सरकार की लापरवाही का परिणाम है। इससे पहले कुंभ मेले में भी भगदड़ मच चुकी है, जिससे साफ होता है कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है और वह दोषी है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए।

इस हादसे पर बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था और भगदड़ के कारण हुई असामयिक मौतों से मन व्यथित है। इतने सरकारी संसाधनों के बावजूद भगदड़ में श्रद्धालुओं की जानें जा रही हैं और डबल इंजन सरकार इन दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की लीपापोती कर पब्लिक रिलेशन करने में व्यस्त है। आमजनों और श्रद्धालुओं की बजाय सरकार का ध्यान मीडिया प्रबंधन, बीआईपी लोगों की सुविधा पर है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं।

बता दें कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर १३ और १४ पर शनिवार देर रात उस समय भगदड़ मच गई जब यात्रियों के बीच प्रयागराज जा रही दो ट्रेनों के रद्द होने की अफवाह फैल गई।

इस हादसे में १८ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। हादसे के बाद रेलवे ने विशेष ट्रेनों की व्यवस्था कर प्लेटफॉर्म पर भीड़ का दबाव कम किया। रेलवे ने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। इस बीच रेलवे ने मृतकों के परिजनों को १०-१० लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को २.५ लाख और मामूली रूप से घायल यात्रियों को एक लाख रुपए का मुआवजा देने का ऐलान किया है।

नाम परिवर्तन करना किसी व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं

प्रयागराज,(ईएमएस): इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि नाम परिवर्तन करना व्यक्ति का मौलिक अधिकार नहीं है। यह नियमों के अधीन है। यह केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों से संचालित होगा।

याचिकाकर्ता द्वारा अपना नाम शाहनवाज से बदल कर मो. समीर राव करने की मांग के मामले में यूपी सरकार की विशेष अपील पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने इस फैसले के साथ एकल पीठ की ओर से नाम परिवर्तन करने को मौलिक अधिकार करार देने वाले फैसले को रद्द कर दिया।

एकल पीठ ने २५ मई २०२३ के आदेश से यूपी बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक के उसे आदेश को रद्द कर दिया था जिसमें उन्होंने याचिकाकर्ता शाहनवाज

का नाम बदलने की प्रार्थना को रद्द कर दिया था। यूपी बोर्ड का कहना था कि नियमानुसार नाम बदलने के लिए आवेदन ३ साल के अंदर ही किया जाना चाहिए। एकल पीठ ने यूपी बोर्ड के इस नियम को मनमाना और असंवैधानिक करार देते हुए कहा कि अपनी पसंद का नाम रखना व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। एकल पीठ ने कहा कि यूपी बोर्ड के नियम इन मूल अधिकारों से सुसंगत नहीं हैं। इसलिए यह संवैधानिक प्रावधानों के विपरीत है।

एकल पीठ में शाहनवाज का नाम बदलकर मो. समीर राव करने और उसके हाईस्कूल और इंटरमीडिएट सहित अन्य सभी प्रमाण पत्रों ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, आधार कार्ड पर नया नाम अंकित करने का निर्देश दिया था। यूपी सरकार की ओर से इस आदेश को विशेष अपील दाखिल कर चुनौती दी गई थी। सरकार के अपर मुख्य स्थाई अधिवक्ता ने कई दलीलें दी थीं। उनका कहना था कि मौलिक अधिकार निर्बाध नहीं है। इन पर कुछ सुसंगत प्रतिबंध भी हैं। उन्होंने कहा कि नाम परिवर्तन करना यूपी बोर्ड के १९२१ एक्ट के अध्याय १२ की ओर से नियमित और संचालित होता है। सरकार ने साफ कहा कि इसलिए नाम में परिवर्तन ७ साल के बाद स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वकील ने कहा कि एकल न्याय पीठ ने अपने न्यायिक पुनर्विलोकन के अधिकार की सीमा से बाहर जाकर के आदेश दिया है । हाई कोर्ट में सरकार ने कहा कि नाम में परिवर्तन करने के लिए नियम बनाना सरकार का नीतिगत मामला है। उन्होंने दलील दी कि ऐसे सभी मामले जिनमें केंद्र या राज्य के कानून को चुनौती दी गई हो उस पर खंडपीठ में ही सुनवाई हो सकती है। एकल न्याय पीठ को इस पर सुनवाई का अधिकार नहीं है।

सरकार पक्ष ने कहा कि इस संबंध में एक अगस्त २०१६ को चीफ जस्टिस की ओर से कार्यालय आदेश पारित किया था। याचिकाकर्ता का पक्ष रखने के लिए नियुक्त न्याय मित्र का कहना था कि एकल न्यायपीठ ने नाम परिवर्तन का आदेश पारित कर कोई गलती नहीं की है।

कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि एकल न्याय पीठ ने रेगुलेशन ४०(सी) को मनमाना असंवैधानिक और मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने वाला घोषित किया है। राज्य और केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को उचित वैधानिक एवं प्रशासनिक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। एकल पीठ ने यूपी बोर्ड के इस नियम को असंवैधानिक कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि एकल पीठ को ऐसा आदेश पारित करने का अधिकार नहीं है। यह राज्य का नीतिगत मामला है। केंद्र और राज्य सरकार को ऐसे मामलों में नियम बनाने की शक्ति प्राप्त है। इसके बाद कोर्ट ने एकल न्यायपीठ के आदेश को रद्द कर दिया।

हादसे पर पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया

नई दिल्ली(ईएमएस): बीती रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में करीब १८ लोगों की जान चली गई। इस हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित कई दिग्गजों दुख व्यक्त किया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की और कहा कि अधिकारी इससे प्रभावित सभी लोगों की सहायता में जुटे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ (जैसी स्थिति) से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है।

मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्दी ठीक हो जाएं।उन्होंने कहा कि अधिकारी इस स्थिति से प्रभावित सभी लोगों की सहायता कर रहे हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ जैसी स्थिति बनने से प्लेटफॉर्म संख्या १४ और १५ पर अफरा-तफरी मच गई, जिसमें कम से कम १८ लोगों के कथित तौर पर घायल होने तथा कुछ लोगों की मौत होने की आशंका है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

घटना पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण भगदड़ से मैं बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। पूरी टीम इस दुखद घटना से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रही है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

एलजी वीके सक्सेना

इस मामले में एलजी वीके सक्सेना ने कहा कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था और भगदड़ के कारण जान-माल के नुकसान और घायल होने की दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद घटना हुई है। इस त्रासदी के पीड़ितों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। एलजी ने कहा कि मैंने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त से बात की है और उन्हें स्थिति को संभालने के लिए कहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में लोगों की मौत होने पर रविवार को गहरा दुख प्रकट किया। सीएम योगी ने हादसे में हुई जनहानि को अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक बताया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हादसे में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद एवं हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने कहा, प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

प्रियंका गांधी

प्रियंका गांधी वाड्रा ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ की वजह से मची भगदड़ में महिलाओं और बच्चों समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक-संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

अगले माह भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष

नई दिल्ली(ईएमएस) : भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। यह दायित्व संभाले हुए उन्हे करीब ६ साल हो गए हैं। कई बार नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा चली लेकिन कुछ न कुछ अड़चन आने के कारण नड्डा का कार्यकाल बढ़ता रहा है। इस बार भी कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए। अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन अटका है।

इससे पहले नड्डा लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा, लेकिन यह फिर से टल गया है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है।

इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक ३६ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से ११ में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है।

अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फरवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह य़ह भी रही कि लोकसभा चुनाव के बाद भी लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे।

फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव आ गया। अब बिहार विधानसभा इलेक्शन में करीब ६ महीने का वक्त है। ऐसे में बीच के इस समय का इस्तेमाल भाजपा संगठन में बदलाव के लिए करना चाहेगी। इससे संगठन की कमान संभालने वाले नए अध्यक्ष को भी तैयारी का मौका मिल जाएगा। भाजपा के अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता है, लेकिन जेपी नड्डा को इस बार विस्तार मिला। जेपी नड्डा भले ही पीएम नरेंद्र मोदी की छाया में रहे हैं, लेकिन उनके कार्यकाल को कई राज्यों में शानदार जीत और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने के लिए याद किया जाएगा।

तेलंगाना में पूरे गांव ने ली नेत्रदान करने की शपथ

हैदराबाद,(ईएमएस): जहां एक और लोग अपने परिजन की मृत्यु के बाद अंग दान करते हैं तो वहीं कुछ इंसानियत के नाते मृत्यु से पहले अंगदान कर देते हैं इस एक अच्छी पहल इससे कई लोगों को नया जीवन मिल जाता है। वहीं कई लोग अंगदान करने से डरते भी हैं ऐसे लोगों के लिए तेलंगाना एक गांव मिसाल बन गया है जिसकी आजकल खूब चर्चा हो रही है।

तेलंगाना के हनुमानकोंडा जिले के मुछेरला गांव में करीब ५०० लोग रहते हैं। इन सभी लोगों ने मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करने की शपथ ली है। पिछले कुछ साल में करीब ७० ग्रामीण अपनी आंखें दान भी कर चुके हैं। हाल ही में राज्यपाल ने इस गांव को 'एक्सीलेंस इन आई डोनेशन' अवॉर्ड दिया, इसके बाद यह गांव चर्चा में आ गया। इसी गांव के रहने वाले मंडाला रविंदर सिंचाई विभाग में डिविजनल इंजीनियर हैं। उन्होंने बताया कि एक दशक पहले उन्होंने अपनी मां की आंखें दान करने का फैसला लिया था।

मीडिया रिपोर्ट में रविंदर ने बताया कि उनका मानना है कि मौत के बाद अंग खराब नहीं होने चाहिए। २०१९ में उनके पिता के अंग दान किए थे। रविंदर ने भी अंगदान करने की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि वह दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करते हैं। उन्हें आशा है कि इससे बहुत से लोगों को मदद मिलेगी और एक सकारात्मक बदलाव आएगा। रविंदर को गांववालों का भी सहयोग मिल रहा है।

वहीं गांव के ही मल्ला रेड्डी ने बताया कि अगर परिवार में किसी की मौत हो जाती है तो वह रविंदर को जानकारी देते हैं। इसके बाद वह डॉक्टर से संपर्क करते हैं और डॉक्टर इसके बाद की प्रक्रिया पूरी करते हैं। परिवार वाले इस मामले में पूरी सक्रियता से हिस्सा लेते हैं। यह पहल उन्हें एकजुट भी बना रही है। उन्हें पता है कि मरने के बाद वह किसी को जिंदगी दे रहे हैं। तेलंगाना के इस गांव में नेत्रदान की शुरुआत कई साल पहले हुई थी। तब कुछ गांववालों ने नेत्रदान का संकल्प लिया था। देखते ही देखते यह एक अभियान में तब्दील हो गया।

मुछेरला गांव में इस अभियान का असर दूसरे गांवों में भी देखने को मिल रहा है। एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट में २० लोगों ने नेत्रदान करने की इच्छा जताई है। मेडिकल प्रोफेशनल गांवों में जा रहे हैं और लोगों को नेत्रदान के लिए जागरूक कर रहे हैं। मुछेरला में बाकायदा एक सिस्टम तैयार किया गया है। इसमें नेत्रदान की शपथ लेने वालों की पूरी जानकारी रखी जाती है। साथ ही हनुमानकोंडा जिले के अस्पतालों से तालमेल भी बनाया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर रिस्पांस मिले। गांव की महिला बी सुजाता ने कहा कि वह अपनी मां की आंखें दान की हैं और मुझे इस पर गर्व है। उन्होंने कहा कि हमारे समुदाय ने अंगदान का एक मॉडल स्थापित करने की शपथ ली है।

भारत में पहली बार कैथोलिक नन बनी अस्पताल की मेडिकल ऑफिसर

तिरुवनंतपुरम,(ईएमएस): भारत में सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर के तौर पर काम करने वाली कैथोलिक नन दुर्लभ हैं। वरिष्ठ चिकित्सक जीन रोज एक अपवाद हैं। वह दो साल पहले इडुक्की में सरकारी सेवा में आईं और वर्तमान में मरयूर के पारिवारिक स्वास्थ्य केंद्र में मेडिकल अफसर हैं। भारत में यह पहली बार है जब किसी कैथोलिक नन को मेडिकल ऑफिसर बनाया गया है। मरयूर एक सुदूर गांव है, जहां कई आदिवासी समुदाय रहते हैं।

सिस्टर्स ऑफ द डेस्टिट्यूट की सदस्य डॉ. जीन रोज को रोसम्मा थॉमस के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने सेंट जॉन्स मेडिकल कॉलेज, बेंगलुरु से एमबीबीएस और एनेस्थीसिया में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की थी। चिकित्सा सेवा के लिए केरल पीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद उन्हें २०२३ में कट्टप्पना तालुक अस्पताल में नियुक्ति मिली। बाद में उन्होंने मरयूर पारिवारिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरण की मांग की थी। डॉ. रोज ने वापस लौटने के अपने फैसले के बारे में कहा कि एमबीबीएस और पीजी की पढ़ाई के दौरान और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने मरयूर में काम किया। वह आदिवासियों की सेवा करना चाहती थीं इसलिए वहां फिर से वहां जाना चाहती हैं। मीडिया रिपोर्ट में वॉयस ऑफ नन्स के मुताबिक डॉ. रोज सरकारी अस्पताल में मेडिकल अफिसर के रूप में सेवा करने वाली पहली नन हैं।

उन्होंने कहा कि बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाले समुदाय का हिस्सा होने के नाते वह गरीबों और वंचितों की सेवा करना पसंद करती हैं। कोट्टायम जिले में पाला के पास चेट्टुथोड़ु में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने धर्मार्थ सेवाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. रोज पाला के मुकेलेल थॉमस और रोसम्मा की बेटी हैं, जो अब राजकुमारी, इडुक्की में बस गए हैं।

भारत वैश्विक मछली उत्पादन में दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली (ईएमएस): मोदी सरकार ने बताया कि भारत वैश्विक मछली उत्पादन में करीब ८ प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है और देश ने वित्त वर्ष २०२३-२४ के दौरान ६०,५२३.८९ करोड़ रुपये मूल्य के १७,८१,६०२ मीट्रिक टन (एमटी) समुद्री खाद्य पदार्थों का निर्यात किया है। समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के मुताबिक निर्यात मूल्य में २००३-०४ के ६०९.९५ करोड़ रुपये की शानदार वृद्धि देखी गई है। २००४ से २०२४ की अवधि में इसतरह मील के पत्थर रहे हैं, जिन्होंने वैश्विक मत्स्य पालन और जलीय कृषि में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। केंद्रीय बजट २०२५-२६ में मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए २,७०३.६७ करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कुल वार्षिक बजटीय समर्थन प्रस्तावित किया है।

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने कहा कि यह जलीय कृषि और समुद्री खाद्य निर्यात में भारत की उपलब्धि को दिखाता है। देश में मछली उत्पादन २००३-०४ में ६३.९९ लाख टन और २०१३-१४ में ९५.७९ से बढ़कर २०२३-२४ में १८४.०२ लाख टन हो गया, जो १० वर्षों (२०१४-२४) में ८८.२३ लाख टन की वृद्धि दर्ज करता है, जबकि २००४-१४ में ३१.८० लाख टन की वृद्धि हुई थी। अंतरदेशीय और जलीय कृषि मछली उत्पादन में २००४-१४ में २६.७८ लाख टन की तुलना में २०१४-२४ में ७७.७१ लाख टन की जबरदस्त वृद्धि हासिल की गई। समुद्री मछली उत्पादन २००४-१४ में ५.०२ लाख टन से दोगुना होकर २०१४-२४ में १०.५२ लाख टन हो गया। ब्लू रिवॉल्यूशन स्कीम मत्स्य पालन क्षेत्र को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में पहला कदम था। ब्लू रिवॉल्यूशन स्कीम को वित्त वर्ष २०१५-१६ में ५ वर्षों के लिए ३,००० करोड़ रुपये के केंद्रीय परिव्यय के साथ शुरू हुआ था।

हालांकि, क्योंकि इस क्षेत्र को वैल्यू चेन में बड़े अंतराल को दूर करने के लिए सुधारों की आवश्यकता थी, इसलिए मत्स्य पालन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए २०२० में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) योजना की कल्पना की गई थी। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) को २०,०५० करोड़ रुपये के निवेश के साथ पांच साल (२०२०-२१ से २०२४-२५) की अवधि के लिए क्रियान्वित किया जा रहा है।

न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में हुए घोटाले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

मुंबई (ईएमएस): नौकरी के दौरान एक विशेष प्लान बनाने वाले लोगों में अकसर जाने माने होते हैं, लेकिन न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक में हुए १२२ करोड़ रुपए के घोटाले का मास्टरमाइंड होने के मामले में एक ताज़ा घटना सामने आई है। बैंक के तत्कालीन जनरल मैनेजर हितेश मेहता को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हितेश मेहता ने अपने सेवानिवृत्ति के बाद बैंक के लॉकर से साल २०२० से लेकर २०२४ तक लगातार पैसे निकालते रहने की बड़ी योजना बनाई थी।

बैंक के फिजिकल वैरिफिकेशन को उसने चकनाचूर कर दिया था जिससे इस घोटाले का पता नहीं चल पाया। हितेश मेहता का करियर संकट से क्लर्क के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन उनके प्रमोशन के बाद उन्हें जनरल मैनेजर कि उच्च पद पर पहुँचा दिया गया था। इनके पास दादर और गोरेगांव ब्रांच की जिम्मेदारी थी जिसके कारण बैंक का सारा कैश उन्हीं द्वारा संभाला जाता था। हितेश मेहता ने बैंक के पैसे अपने रिश्तेदारों और जानकारों को देने का दावा किया है। उन्होंने पुलिस के सामने यह स्वीकार किया है कि बैंक के पैसों की एंट्री तो कर रहे थे, लेकिन यह नहीं रख रहे थे। मुंबई की पुलिस ने हितेश मेहता को बैंक से कई करोड़ रुपए गायब करने के आरोप में हिरासत में लिया है और इस मामले की जांच जारी है। इस घोटाले के पीछे उनके किसी साझेदारी की भी व्यापक जांच की जा रही है।

अगर कोई बैंक बंद हो जाए तो आपको कितना पैसा मिलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस): हाल ही में मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस प्रतिबंध के तहत बैंक के ग्राहक अगले छह महीनों तक अपनी जमा राशि नहीं निकाल सकेंगे और न ही कोई अन्य लेन-देन कर पाएंगे। यह फैसला बैंक में वित्तीय अनियमितताओं और खराब प्रबंधन को देखते हुए लिया गया है। इस घोषणा के बाद बैंक की शाखाओं के बाहर परेशान ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जो अपनी मेहनत की कमाई को लेकर चिंतित हैं। आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार होने के बाद ही प्रतिबंध हटाए जाएंगे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब किसी बैंक पर इस तरह की पाबंदी लगी हो। इससे पहले पीएमसी बैंक, यस बैंक और शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। बैंक में अपना पैसा जमा करने वाले ग्राहकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर बैंक दिवालिया हो जाता है तो उनकी जमा राशि का क्या होगा।

भारतीय बैंकिंग नियमों के अनुसार, यदि कोई बैंक डूब जाता है या उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है, तो ग्राहकों को अधिकतम ५ लाख रुपए तक की राशि वापस मिल सकती है। यह सुरक्षा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत आती है, जो बचत खाता, चालू खाता और एफडी जैसी सभी जमाओं को मिलाकर अधिकतम ५ लाख रुपए की गारंटी देती है। यदि किसी ग्राहक के एक ही बैंक में ७ लाख रुपए जमा हैं, तो भी उसे अधिकतम ५ लाख रुपए ही वापस मिलेंगे। लेकिन अगर उसने अपनी जमा राशि को अलग-अलग बैंकों में वितरित कर रखा है, तो प्रत्येक बैंक से उसे ५ लाख तक की राशि प्राप्त हो सकती है।

बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार, ग्राहकों को अपनी पूरी जमा राशि एक ही बैंक में रखने के बजाय अलग-अलग बैंकों में वितरित करनी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और बड़े निजी बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा में धन जमा करना अधिक सुरक्षित माना जाता है। सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति कई बार अस्थिर हो सकती है, इसलिए उनमें बड़ी मात्रा में धन रखने से बचना चाहिए। आरबीआई ने साफ किया है कि न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की स्थिति सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि बैंक की हालत बेहतर होती है, तो प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। लेकिन फिलहाल ग्राहकों को धैर्य बनाए रखने और अपने निवेश को सोच-समझकर करने की सलाह दी गई है।

दुनिया के कुछ मुल्क, जहां एक भी भारतीय निवास नहीं करते

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय प्रवासी दुनिया में सबसे बड़े और व्यापक समुदायों में से एक है। भारत के लोग दुनिया के करीब हर कोने में पहुंच चुके हैं,लेकिन कुछ देश हैं जहां भारतीय नहीं हैं। इसी कड़ी में पहले देश का नाम वेटिकन सिटी हैं, जो कि रोम के बीचोंबीच स्थित है। यह दुनिया का सबसे छोटा स्वतंत्र देश है। यह कैथोलिकों के लिए धार्मिक केंद्र है और यहां सेंट पीटर्स बेसिलिका और वेटिकन संग्रहालय जैसे ऐतिहासिक प्रतीक स्थित हैं। भारतीय यहां पर्यटन के लिए आते हैं, लेकिन निवासी भारतीयों की संख्या शून्य के बराबर है। दूसरे देश में बुल्गारिया अपनी सुंदर रेतीली समुद्रतटों और काले सागर के लिए प्रसिद्ध है। अपनी सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद यहां भारतीयों की संख्या अन्य यूरोपीय देशों की तुलना में शून्य है।

तीसरे देश के तौर पर तुवालू, यह देश प्रशांत महासागर में ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्व में स्थित है और पहले एलिस द्वीप के नाम से प्रचालित था। तुवालू की जनसंख्या करीब १०,००० है। दरअसल तुवालू ने १९७८ में स्वतंत्रता प्राप्त की थी। तुवालू के समुद्र तट विश्वभर में प्रसिद्ध हैं और यह स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग के लिए पर्यटकों के लिए एक लोकप्रिय स्थल है। तुवालू में कोई भारतीय निवासी नहीं है।

वेटिकन सिटी के अलावा सैन मारिनो भी दुनिया के सबसे छोटे देशों में शुमार है।

उपासना स्थल अधिनियम से संबंधित याचिकाओं पर 17 को सुनवाई

नई दिल्ली (ईएमएस): उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, १९९१ से संबंधित याचिकाओं पर १७ फरवरी को उच्चतम न्यायालय में प्रदर्शनकारी सुनवाई होगी। न्यायालय की वेबसाइट पर जारी कार्यसूची के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करेगी। इस अधिनियम ने किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक स्वरूप में परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाया है और कानून में इसके सख्तीकरण की धारा १५ अगस्त १९४७ से चलने का आदेश दिया गया है। अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मुद्दे से संबंधित उलझन को इस अधिनियम के तहत सामने नहीं लिया गया है। जनवरी के दूसरे दिन, उच्चतम न्यायालय ने एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर विचार करने की मंजूरी दी थी। पीठ ने देश की अदालतों को धार्मिक स्थलों पर दावा करने संबंधी मामलों पर अगले आदेश तक रोक लगाई थी।

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

खुली ई-निविदा

सं. सीओएस/सीआरजे/पीयूबी/ई-निविदा/19/0162 दिनांक: 13/02/2025। निम्नलिखित ई-निविदाएं **www.ireps.gov.in** लिंक के अंतर्गत देखी जा सकती हैं। ऐसी ई-निविदा के लिए प्रस्ताव केवल इस लिंक **www.ireps.gov.in → लॉगिन → ई-टेंडर स्टोर्स/सप्लाई** पर जाकर इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रस्तुत किए जा सकते हैं। विक्रेता किसी विशेष निविदा या आईआरईपीएस से संबंधित जानकारी, यदि कोई हो, के बारे में स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित अधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं, उप सीएमएम/मुख्यालय/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन, 0341-2525594 या एसएमएम/कॉन/मुख्यालय, 0341-2535631. **कार्यालय का पता:** पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन का कार्यालय. **क्र. सं.: [1]। निविदा सं.: 81240179बी।** **आइटम का संक्षिप्त विवरण:** स्टेटर स्लॉट वेज, सीएलडब्ल्यू ड्राइंग संख्या 4टीडब्ल्यूडी.096.050 अल्ट-3, विनिर्देश संख्या 4टीएमएस.096.103, एसटीआर संख्या सीएलडब्ल्यू/टीएम/एसटीआर/12060 रेव-1। [**वारंटी अवधि:** डिलीवरी की तिथि के बाद 30 महीने]। **मात्रा:** 293007.00 नग। **बयाना राशि (रुपये):** ₹ 124470.00। **निविदा बंद होने की तिथि और समय (भारतीय मानक समयानुसार):** 10/03/2025 सुबह 11:00 बजे।

PR6/806 पीसीएमएम/सीएलडब्ल्यू/चित्तरंजन

Like us on : www.facebook.com/clwrailways

तेली जाति के मुस्लिम व्यक्ति को ओबीसी आरक्षण से वंचित नहीं कर सकते : हाईकोर्ट

जयपुर,(ईएमएस): हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य की ओबीसी जातियों की सूची में शामिल तेली जाति को धर्म के आधार पर ओबीसी आरक्षण लाभ से वंचित नहीं कर करते हैं फिर चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम। क्योंकि जाति का नाम उसके वंशानुगत व्यवसाय के आधार पर होता है और यह लोग अलग-अलग धर्म को मानते हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंढ ने यह आदेश सत्तार खान की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया।

हाईकोर्ट ने राजस्थान के सभी सरकारी विभाग को राज्य सरकार की ओबीसी सूची में शामिल मुस्लिमों को ओबीसी आरक्षण के लाभ से वंचित नहीं करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने आदेश की कॉपी मुख्य सचिव समेत सभी प्रमुख सचिव और सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग को भेजकर उचित कार्यवाही करने को कहा है।

याचिकाकर्ता मनरेगा के तहत रोजगार सहायक के पद पर कार्यरत था। २० जनवरी, २००९ को उसे ओबीसी नहीं होने के आधार पर नौकरी से निकाल दिया था। उसे कहा गया था कि वह मुस्लिम है और मुस्लिम तेली को ओबीसी आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता जाति से तेली है जो कि राजस्थान सरकार की ओबीसी सूची में शामिल है और उसके पास तहसीलदार महुआ का जाति प्रमाण-पत्र भी है। उसकी नियुक्ति ही ओबीसी श्रेणी में हुई थी। सरकार का ८ नवंबर, १९९४ के सर्कुलर के मुताबिक तेली जाति ओबीसी है चाहे उनका धर्म हिंदू हो या मुस्लिम। राज्य सरकार का कहना था कि हाल ही केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय ने ओबीसी जातियों की सूची जारी की है उसमें तेली जाति शामिल नहीं है। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा है कि राजस्थान सरकार की अधिसूचना ६ अगस्त, १९९४ के मुताबिक तेली जाति ओबीसी में शामिल है। इसके बाद सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग का ८ नवंबर, १९९४ का सकुर्लर के मुताबिक भी तेली जाति ओबीसी है। सकुर्लर में स्पष्ट है कि उनके हिंदू या मुस्लिम होने से कोई फर्क नहीं पडता है।

इसके बाद विभाग की तेली जाति को ओबीसी सूची में शामिल करने वाली २० अगस्त, २००९ की अधिसूचना के साथ एक स्पष्टीकरण भी है कि वंशानुगत व्यवसाय के नाम से जानी जाने वाली जातियां ओबीसी होगी फिर चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम। इसलिए याचिकाकर्ता को सिर्फ मुस्लिम होने के आधार पर ओबीसी नहीं मानना सरकार की २० अगस्त, २००९ की अधिसूचना के विपरीत है। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता की नौकरी खत्म करने के आदेश को रद्द कर दिया है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता को आदेश की प्रमाणिम प्रति व दस्तावेजों के साथ दौसा जिला परिषद के सीईओ के समक्ष पेश होने व सीईओ को दो महीने में मामले में फैसला करने और यदि याचिकाकर्ता ओबीसी पाया जाए तो उसे नौकरी पर सभी परिलाभों सहित बहाल करने के आदेश दिए हैं।

उर्दू किसी खास धर्म की जुबान नहीं, भारतीय तहजीब का प्रतीक है:इरफान अंसारी

रांची (एजेंसी): अंजुमन तरक्की उर्दू हिन्द, झारखंड का पहला राज्य सम्मेलन पुरानी विधान सभा, रांची में आयोजित किया गया। सम्मेलन के पहले सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय सचिव अतहर फारूकी ने की, जिसमें सम्मेलन के कंवेनर एम. जेड. खान ने कंवेनर रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में अंजुमन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र के विशिष्ट अतिथि झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी थे।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि उर्दू किसी विशेष धर्म से नहीं जुड़ी, बल्कि यह एक भारतीय भाषा और तहजीब का प्रतीक है। उन्होंने उर्दू को उसका उचित सम्मान न मिलने पर चिंता जताई और कहा कि इस भाषा से प्रेम करने वालों की संख्या कम नहीं है। उन्होंने उर्दू शिक्षा को बढ़ावा देने पर भी बल दिया। इस सत्र में जालिब वतनी की पुस्तक उड़ान का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर सुशील साहिल (गोड्डा), मुफ्ती सईद आलम (गिरिडीह), हसन निज़ामी (धनबाद), जफरुल्लाह सादिक (हजारीबाग), जमशेद कमर (रांची) आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। भारतीय संविधान की प्रस्तावना उर्दू भाषा में डॉ. मोहम्मद रेहाना अली ने प्रस्तुत की।

उर्दू के विकास पर जोर

सभा को संबोधित करते हुए सुभाषिनी अली ने कहा कि उर्दू को उसकी सही पहचान तक पहुंचाने के लिए ठोस प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उर्दू को केवल मुसलमानों की भाषा समझना एक बड़ी गलतफहमी है। इस भाषा की तरक्की के लिए इसे आर्थिक व्यवस्था से जोड़ने की जरूरत है और इसे जनप्रिय बनाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने उर्दू साहित्य को अन्य भाषाओं में अनुवादित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. यासीन अंसारी ने की, जबकि संचालन एम. जेड. खान ने किया। इस सत्र में सांसद महुआ माजी ने कहा कि हिन्दी और उर्दू का संबंध मां और मौसी की तरह है। सम्मेलन में झारखंड के २२ जिलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस सत्र में उर्दू से संबंधित १३ प्रस्ताव पारित किए गए-

साहित्य एवं उर्दू अकादमी का गठन

उर्दू सेल और उर्दू निदेशालय की स्थापना

उर्दू शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल थे।

साहित्यकारों की भागीदारी

इस कॉन्फ्रेंस में उर्दू और हिंदी के कई प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख नाम शामिल हैं:- वीना श्रीवास्तव, अपराजिता, एम. एल. सिंह, के. के. सिंह, सुशील साहिल, रेहाना, नजमा नाहिद, आलम आरा, फरहत जहां, शाजिया शबनम, डॉ. अंजार, मो. शकील, शोएब, कनक चौधरी आदि। यह सम्मेलन झारखंड में उर्दू भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। वक्ताओं ने उर्दू को नई पीढ़ी तक पहुंचाने, इसे शिक्षा प्रणाली में मजबूत करने और सामाजिक-आर्थिक विकास से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन के दौरान उर्दू भाषा को अधिक मान्यता दिलाने के लिए विभिन्न सुझाव और संकल्प पारित किए गए। उल्लेखनीय है कि अंजुमन की स्थापना १८८२ में हुई थी, और इससे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, शिबली नोमानी जैसे महान विभूतियों का संबंध रहा है।

पुलवामा शहीद के बेटे का अंडर-19 क्रिकेट टीम में हुआ चयन, गुमला का रहने वाला है राहुल सोरेंग

रांची (एजेंसी): १४ फरवरी २०१९ को पुलवामा हमले में शहीद हुए गुमला के बसिया प्रखंड के फरसामा गांव के रहने वाले हेड कांस्टेबल विजय सोरेंगे शहीद हो गए थे। उनके बेटे राहुल सोरेंग ने पिता की छठी बरसी पर अपनी मां और परिवार को बड़ी सौगात दी है। राहुल का हरियाणा की अंडर-१९ क्रिकेट टीम में चयन हुआ है।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान वीरेंद्र सहवाग ने खुद पोस्ट कर ये जानकारी आम लोगों से साझा किया।

वीरेंद्र सहवाग ने पुलवामा में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के बच्चों की पढ़ाई का खर्चा खुद उठाने का फैसला किया था। सहवाग ने अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाया भी।

राहुल सोरेंग और अर्पित सिंह सहवाग के झज्जर स्थित सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई करते है।

पढ़ाई के बीच वह क्रिकेट के गुर भी सुख रहे है। राहुल के पिता विजय सोरेंग और अर्पित के पिता राम वकील सिंह पुलवामा हमले में शहीद हो गए थे।

वीरेंद्र सहवाग ने पुलवामा अटैक की छठी बरसी पर एक मार्मिक पोस्ट शेयर किया. सहवाग ने लिखा, 'इस दुखद दिन को ६ साल हो गए है. हमारे बहादुर जवानों के शहादत की भरपाई नहीं हो सकती है, लेकिन राहुल सोरेंग पिता शहीद विजय सोरेंग और अर्पित सिंह पिता शहीद राम वकील पिछले ५ सालों से सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में हैं, जो सबसे संतोषजनक अहसासों में से एक है. राहुल को हाल ही में हरियाणा अंडर-१९ टीम में चुना गया है. सभी बहादुरों को नमन.'

राहुल का अंडर-१९ क्रिकेट टीम में चयन होने से परिवार में हर्ष का माहौल है। परिजनों को उम्मीद है कि राहुल अच्छा प्रदर्शन करते हुए जल्द ही भारतीय क्रिकेट टीम में अपनी जगह बना लेंगे और घर के लोग उसे टीवी स्क्रीन पर क्रिकेट खेलते देख सकेंगे।

संजय दास हत्याकांड में आतंकवाद का कनेक्शन एनआईए जांच की जरूरत : निशिकांत दुबे

रांची (एजेंसी): गोड्डा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे रविवार को मधुपुर पहुंचे और मृत प्रधानाध्यापक संजय दास के परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। इस दौरान सांसद ने कहा कि यह घटना साधारण नहीं है, बल्कि इसमें आतंकवादी गतिविधि का संकेत मिल रहा है। उन्होंने इस हत्याकांड की जांच के लिए एनआईए- को पत्र लिखा है।

सांसद निशिकांत ने कहा कि मामले में किसी प्रकार की लीपापोती नहीं होनी चाहिए। सरकार के मंत्री ने ४८ घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई अपराधी नहीं पकड़ा जा सका, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद ने यह भी उल्लेख किया कि देवघर जिले में एसपी रैंक के अधिकारी होते हुए भी इस महत्वपूर्ण जिले में मामले का पर्दाफाश नहीं हो पा रहा है। इसके बादन सांसद ने राज्य सरकार से मांग की कि इस मामले में जांच के लिए आईजी रैंक के अधिकारी को एसपी के पद पर नियुक्त किया जाए। सांसद ने पुलिस प्रशासन से ७२ घंटे के भीतर इस हत्याकांड का पर्दाफाश करने की अपील की। यदि मामले का समाधान नहीं होता है और अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता चरणबद्ध आंदोलन करेंगे यह चेतावनी भी सांसद ने दी।

झारखंड हाईकोर्ट के पहले चीफ जस्टिस वीके गुप्ता का निधन

रांची (एजेंसी): झारखंड उच्च न्यायालय के पहले मुख्य न्यायाधीश, न्यायमूर्ति विनोद कुमार गुप्ता, का १५ फरवरी २०२५ को निधन हो गया। उनका जन्म १० सितंबर १९४७ को हुआ था।

न्यायमूर्ति गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री प्राप्त की और १९७० में दिल्ली उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की। अपने करियर के दौरान, उन्होंने जम्मू और कश्मीर के महाधिवक्ता और केंद्रीय सरकार के वरिष्ठ स्थायी अधिवक्ता के रूप में भी सेवाएं दीं।

१९९० में, उन्हें जम्मू और कश्मीर उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया, और १९९६ में उनका स्थानांतरण कलकत्ता उच्च न्यायालय में हुआ। १५ नवंबर २००० को, झारखंड उच्च न्यायालय की स्थापना के साथ, वे इसके पहले कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने, और ५ दिसंबर २००० को स्थायी मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली।

बाद में, उन्होंने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय और उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में भी कार्य किया। न्यायमूर्ति गुप्ता के निधन से न्यायिक समुदाय में शोक की लहर है, और उनके योगदान को हमेशा स्मरण किया जाएगा।

राज्य में सशक्त वैचारिक और राजनीतिक माहौल तैयार करना लक्ष्य : सुदेश महतो

रांची (एजेंसी): आज केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो की उपस्थिति में सैकड़ों युवाओं और समाजसेवियों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर समाजसेवी आनंद राज, रोशन कुमार, गौतम सिंह, मुहर्रम सेंट्रल कमिटी के अध्यक्ष शफीकुल खान, संगठन मंत्री दानिश खान, डॉ. अखिलेश कुमार, अभय कुमार, रोहित गुप्ता समेत कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

सुदेश महतो ने इस अवसर पर कहा कि पार्टी का उद्देश्य राज्य में एक सशक्त वैचारिक और राजनीतिक माहौल तैयार करना है, जिससे संगठन की विचारधारा जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। उन्होंने यह भी कहा कि समाज के हर वर्ग के लोगों का पार्टी से जुड़ना इस बात का संकेत है कि नए नेतृत्व को व्यापक स्वीकार्यता मिल रही है, जो चुनावी सीमाओं से परे है।

मिलन समारोह में नगर केंद्रीय महासचिव डा. मुकुंद मेहता, संजय मेहता अध्यक्ष ज्ञान सिंहा, जिला उपाध्यक्ष डा. पार्थ परितोष, जिला सचिव दयाशंकर, मीडिया आयोजक अरबाज़ ख़ान समेत कई अन्य नेताओं ने भी भाग लिया। समारोह में एम.डी. शफीक खान (मुहर्रम सेंट्रल कमिटी अध्यक्ष), मोहम्मद नईम संगठन मंत्री समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पार्टी की सदस्यता ली।

रांची में बेलगाम चोर, फ्लैट का ताला तोड़कर उड़ाए गहने और 5 लाख से अधिक कैश

रांची (एजेंसी): राजधानी रांची में बढ़ती चोरी की घटनाएं प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रही है। अब पुलिस चोरों के आगे बेबस होती नजर आ रही है। पिछले एक सप्ताह में एक दर्जन से ज्यादा घरों में चोरी हो चुकी है, लेकिन फिर भी पुलिस अपराधियों तक नहीं पहुंच पाई है। अब ताजा मामला बरियातू थाना क्षेत्र के प्रह्लाद एन्क्लेव अपार्टमेंट का है, जहां चोरों ने दिन दहाड़े एक बड़ी चोरी को अंजाम दिया।

कुंभ स्नान के लिए गया था परिवार

बता दें कि प्रह्लाद एन्क्लेव में रहने वाले दो परिवार कुंभ स्नान के लिए प्रयागराज गए हुए थे। इसी मौके का फायदा उठाते हुए चोरों ने दोनों फ्लैटों का दरवाजा तोड़कर लाखों के गहने और ५ लाख से ज्यादा नकद पर हाथ साफ कर लिया। फ्लैट के मालिक संतोष कुमार मलिक और वीरेंद्र कुमार के घरों से चोरों ने सब कुछ लूट लिया। गहने, पैसे, और कीमती सामान-सब कुछ चोर लेकर फरार हो गए। वहीं, मामले की जानकारी मिलते ही बरियातू थाने के थानेदार मनोज कुमार और उनकी टीम तुरंत प्रह्लाद एन्क्लेव पहुंची, लेकिन चोरों का कोई सुराग नहीं मिला। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, लेकिन पुलिस के हाथ अभी तक कुछ खास नहीं लगा है। राजधानी रांची में चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। हर दिन दो से तीन घरों को चोर अपना निशाना बना रहे हैं, खासकर उन घरों को जो बंद होते हैं।

शिक्षा विभाग ने डाटा अपलोड न होने पर जताई नाराजगी 952 स्कूलों के वेतन निकासी पर लगाई रोक

रांची (एजेंसी): रांची जिला शिक्षा विभाग ने यू डायस प्लस पोर्टल पर छात्रों का डाटा अपलोड न होने पर स्कूलों के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की है। विभाग ने शनिवार को स्कूलों को एक पत्र जारी किया, जिसमें कहा गया कि पिछले ६ महीनों के दौरान कई बार कायदिश दिए गए थे। लेकिन इसके बावजूद डाटा अपलोड नहीं किया गया। इसके परिणामस्वरूप अब ९५२ स्कूलों के फरवरी माह के वेतन निकासी पर रोक लगा दी गई है। इनमें ८६५ शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्कूल और ८७ गैर मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक स्कूल शामिल हैं।वेतन निकासी पर जारी रह सकती है रोक

मिली जानकारी के अनुसार, विभाग ने स्कूलों को १८ फरवरी तक कार्य पूरा करने का निर्देश दिया है। इसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अगर यह कार्य पूरा नहीं किया जाता है, तो फरवरी के वेतन निकासी पर रोक जारी रहेगी। झारखंड शिक्षा परियोजना रांची ने पत्र में यह भी कहा कि यदि बिना कार्य पूरा किए फरवरी का वेतन निकासी किया गया, तो यह विभागीय आदेश की अवहेलना मानी जाएगी। इसके लिए संबंधित प्राचार्य और व्यय पदाधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों और निजी स्कूलों की मान्यता रद्द करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। विभाग ने यह भी बताया कि गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के ३२,११४ विद्यार्थियों का डाटा अपडेट नहीं हुआ है, जिसके कारण उन छात्रों को ८वीं की बोर्ड परीक्षा में बैठने की अनुमति रद्द की जा सकती है। विभाग ने चेतावनी दी कि २०२४-२५ वेबसाइट कभी भी बंद हो सकती है।

विभावि में 44 लाख के घोटाले का पर्दाफाश अधिकारियों ने खा लिये 8 लाख रुपये के काजू

रांची (एजेंसी): हजारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय (विभावि) में वित्तीय गड़बड़ी का मामला सामने आया है। राज्य के वित्त विभाग की जांच में यह खुलासा हुआ है कि विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने छात्रहित के लिए रखे गए लाखों रुपये अपनी विलासिता पर खर्च कर दिए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, विवि अधिकारियों ने ८ लाख रुपये का काजू और किसमिस खा डाला। जबकि इस मद में सालाना खर्च महज १५ हजार रुपये था। इसके अलावा २ लाख रुपये चाय, पानी और नाश्ते पर भी खर्च कर दिए गए। यह वित्तीय गड़बड़ी जून २०२० से मई २०२३ के बीच की बताई जा रही है, जब विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ मुकुल नारायण देव थे। उनके कार्यकाल के दौरान कार्यालय, तउ आवास और उनके निजी वाहन पर बेहिसाब खर्च किए गए थे। इसकी शिकायत छात्रों ने राजभवन में की थी। इसके बाद राजभवन ने इस मामले की जांच के लिए वित्त विभाग को आदेश दिया था।

पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने स्काई डाइविंग फेस्टिवल का किया उद्घाटन

जमशेदपुर (एजेंसी): झारखंड के पर्यटन मंत्री संदीप कुमार सोनू ने जमशेदपुर में स्काई डाइविंग फेस्टिवल का रविवार को उद्घाटन किया। यह उद्घाटन समारोह सोनारी एयरपोर्ट पर आयोजित किया गया। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए पर्यटन मंत्री ने कहा कि स्काई डाइविंग फेस्टिवल में लगभग १०००० फीट ऊंचाई से छलांग लगाने के ५० शौकीन लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। जमशेदपुर में यह भव्य आयोजन होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पर्यटन की चार बड़ी योजनाओं का डीपीआर तैयार हो गया है। जल्द ही यह योजनाएं शुरू की जाएंगी।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि किरीबुरु में पर्यटन की एक बड़ी योजना शुरू होगी। इसके तहत सेल की खदानों को पर्यटकों के लिए खोला जाएगा। सैलानी खदान का नजारा देख सकेंगे और जान सकेंगे कि किस तरह माइनिंग होती है। इसके अलावा, खदान का खूबसूरत मंजर भी उनके सामने होगा। पर्यटन मंत्री ने कहा कि इसके लिए सेल के अधिकारियों से वार्ता अंतिम चरण में है। जल्द ही यह योजना किरीबुरु के खदान धरातल पर उतरेगी। पर्यटन मंत्री ने कहा कि स्काई डाइविंग फेस्टिवल के लिए झारखंड सरकार ने खास तौर से जमशेदपुर को चुना है। क्योंकि, जमशेदपुर में एक मिनी इंडिया बसता है। यहां हर प्रदेश, हर धर्म व समुदाय के लोग रहते हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड में पर्यटन की व्यापक संभावनाएं हैं। उनकी कोशिश है कि पर्यटन से सरकार को काफी राजस्व मिले। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है। पर्यटन उद्योग को बुलंदियों पर ले जाने का खाका तैयार है।

सोनारी एयरपोर्ट पर स्काई डाइविंग पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के आने से पहले ही शुरू कर दी गई थी। पहली बार जमशेदपुर की रहने वाली मुनमुन दास और सौरभ पाल को प्लेन से १०००० फीट की ऊंचाई पर ले जाया गया। इन दोनों ने एक साथ वहां से स्काई डाइविंग की मुनमुन दास बंगाल पुलिस में है। जबकि, सौरभ पाल लोको पायलट है। यह दोनों पश्चिम बंगाल से स्काई डाइविंग के लिए जमशेदपुर आए थे। एक बार दो लोगों को स्काई डाइविंग के लिए ले जाया जा रहा था।

50 लोगों ने की स्काई डाइविंग

तकरीबन ५० लोगों ने पहले दिन स्काईडाइविंग की है। स्काई डाइविंग के लिए रजिस्ट्रेशन का सिलसिला चल रहा है। जीएसटी मिलाकर कुल ३३००० रुपए स्काई डाइविंग के लिए दिए जा रहे हैं। अगर किसी को अपने साथ कैमरा भी ले जाना है। तो उसके लिए ₹८००० अलग से देना होगा। स्काईडाइविंग कराने वाली कंपनी का कहना है कि जल्द ही जमशेदपुर में लोग एयर बैलून का लुत्फ उठा सकेंगे।

पृष्ठ एक का शेषांश

दिल्ली का नया सीएम---

बहरहाल दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम पर सभी की निगाहें टिकी हैं। भाजपा की बैठक के बाद यह साफ हो पाएगा कि दिल्ली की सत्ता की कमान किसे सौंपी जाएगी।

हादसे पर रेल मंत्री ने---

बता दें, भगदड़ की घटना के बाद प्रभावितों के लिए मुआवजे का ऐलान भी किया गया है। रेलवे ने मृतकों के परिजनों को १० लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को २.५ लाख रुपए और मामूली रूप से घायल यात्रियों को एक लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

स्पीड में चीन के---

अमेरिका का एफ-३५ फाइटर जेट भी पांचवीं पीढ़ी का विमान है। यह एयरक्राफ्ट मैक-१.६ की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम है। फिफ्थ जेनरेशन का विमान होने की वजह से यह रडार की पकड़ से दूर है। मतलब इसे रडार नहीं पकड़ सकता है। इसमें एडवांस्ड सेंसर लगे हुए हैं, ताकि टारगेट को हासिल करने में आसानी रहे। इसके अलावा इस विमान में रडार को जाम करने की भी क्षमता है। साथी मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से भी यह फाइटर जेट लैस है।

तेलंगाना सीएम का आरोप--

उन्होंने कहा कि यह बयान कांग्रेस सरकार के जाति सर्वे की विफलता से ध्यान हटाने के लिए जानबूझकर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस के मंत्रियों ने खुद कहा कि पूरे जनगणना को फिर से देखा जाना चाहिए क्योंकि कुछ लोग बाहर रह गए हैं। बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के लक्ष्मण ने सीएम रेड्डी के बयान को गलत बताया और याद दिलाया कि पीएम मोदी की जाति को १९९४ में कांग्रेस सरकार के दौरान ओबीसी सूची में शामिल किया गया था। लक्ष्मण ने कहा कि रेवंत रेड्डी का पीएम नरेंद्र मोदी की जाति पर दिया गया बयान गलत है। वहीं केंद्रीय मंत्री बंदी संजय ने भी रेवंत रेड्डी को घेरते हुए कहा कि आपका शोध इतना विफल हुआ कि आप एक तथ्य भूल गए। पीएम नरेंद्र मोदी को १९९४ में कांग्रेस के शासन में ओबीसी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। बांदी संजय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और सवाल किया कि अब बताएं कि राहुल गांधी किस जाति के हैं? उनका धर्म क्या है? क्या उन्हें पता है या आपको पता है? उनके दादा फिरोज जहांगीर गांधी थे। हिंदू परंपरा में जाति पिता की वंशावली से जुड़ी होती है। उन्होंने चुनौती दी कि अगर कोई बहस करना चाहता है कि कौन कानूनी रूप से धर्म परिवर्तन किया है तो सीएम को १० जनपथ से शुरुआत करनी चाहिए।

14 मार्च को चांद हो---

तरह से सुरक्षित है। इसे आसानी से देखा जा सकेगा। लेकिन अगर आप अच्छे से अनुभव करना चाहते हैं, तो आप पॉवरफुल टेलीस्कोप से देख सकते हैं। बता दें इस बार होलिका दहन के दिन भद्रा का साया रहेगा। इसलिए भद्रा खत्म होने के बाद होलिका दहन होगा। २४ मार्च को सुबह ९.५४ मिनट से भद्रा की शुरुआत होगी। इसका समापन रात ११.१३ मिनट पर होगा। होलिका दहन का शुभ मुहूर्त २४ मार्च को रात ११.१४ मिनट से लेकर देर रात्रि को १२.२० मिनट तक रहेगा। इन जानकारियों का हम दावा नहीं हैं।

वित्त मंत्री ने किया राजहरा नॉर्थ कोयला खदान का उद्घाटन, आर्थिक प्रगति की दिशा में है महत्वपूर्ण कदम

पलामू (एजेंसी): झारखंड के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने पलामू जिले के पण्डवा गांव में स्थित राजहरा नॉर्थ कोयला खदान का उद्घाटन किया। यह खदान २०२१ में नीलामी के बाद फेयरमाइन कार्बन्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित की गई है, और अब यह समय से पहले अपने संचालन की शुरुआत कर रही है। इस परियोजना से राज्य सरकार को २१२८.५६ करोड़ रुपये की कुल राजस्व प्राप्ति होगी, जिसमें हर साल १०२.२७६ करोड़ रुपये का राजस्व शामिल है, जो राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान करेगा। इस खदान से ५५० से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा। साथ ही, कंपनी ने क्षेत्र में सड़क निर्माण, शिक्षा सुविधाओं का विस्तार करने का स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और संकल्प लिया है। इससे पलामू और आसपास के इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि होगी, जो आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करेगा।

इस मौके पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा, राजहरा नॉर्थ कोयला खदान झारखंड के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना न केवल राजस्व में वृद्धि करेगी, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान करेगी और क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा।

इस कार्यक्रम में पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम और फेयरमाइन कार्बन्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर समीर लोहिया समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

इन 6 लोगों को नहीं खाना चाहिए मखाना, सेहत को फायदे नहीं मिलेंगे सिर्फ नुकसान

मखाना, जिसे हम अक्सर चाय के साथ या हलके स्नैक्स के तौर पर खाते हैं, सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं, जैसे प्रोटीन, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट्स, जो हमारे शरीर को मजबूती देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मखाना सभी के लिए सही नहीं होता? कुछ लोगों के लिए यह हानिकारक भी हो सकता है। अगर आप इनमें से किसी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, तो मखाना खाने से पहले एक बार सोच लीजिए। आइए जानते हैं किन 5 लोगों को मखाना खाने से परहेज करना चाहिए।

डायबिटीज के रोगी

मखाना में उच्च मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो ब्लड शुगर को बढ़ा सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को डायबिटीज है, तो उसे मखाना का सेवन सीमित मात्रा में और डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए। इसके अलावा, मखाना का सेवन ज्यादा करने से शरीर में ग्लूकोज का स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे डायबिटीज की स्थिति खराब हो सकती है।

गैस्ट्राइटिस और पाचन समस्याओं वाले लोग

मखाना के सेवन से कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो कभी-कभी पेट में गैस, सूजन, और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। यदि किसी व्यक्ति को गैस्ट्राइटिस, पेट की जलन, या अन्य पाचन समस्याएं हैं, तो उसे मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे सीमित मात्रा में खानी चाहिए।

किडनी रोगी

मखाना में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो किडनी के रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है। किडनी की बीमारी होने पर, शरीर से पोटेशियम की सही मात्रा बाहर नहीं निकल पाती, जिससे पोटेशियम का स्तर बढ़ सकता है और यह हृदय की समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, किडनी रोगी को मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए।

एलर्जी से प्रभावित लोग

कुछ लोगों को मखाना से एलर्जी हो सकती है, जिससे उन्हें त्वचा पर दाने, खुजली, या अन्य एलर्जी के लक्षण हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को मखाना खाने के बाद कोई एलर्जी के लक्षण दिखते हैं, तो उसे मखाना से बचना चाहिए। ऐसे लोग मखाना के सेवन से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत से दो चार हो रहे लोगों को मखाना ना खाने के लिए कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मखाना में सोडियम होता है और इससे हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसीलिए हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों को मखाना ना खाने या कम खाने की कोशिश करनी चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को मखाना का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। मखाना में कुछ प्रकार के तत्व होते हैं जो शरीर में गर्मी पैदा कर सकते हैं, और ज्यादा सेवन से यह गर्भावस्था में असहज महसूस करवा सकता है। गर्भवती महिलाएं पहले डॉक्टर से सलाह लें कि मखाना उनका सेवन कर सकती हैं या नहीं, और यदि कर सकती हैं, तो कितनी मात्रा में करें।

मखाना खाने के फायदे : हालांकि, मखाना का सेवन बहुत से लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स, और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य, पाचन, वजन घटाने, और त्वचा की सेहत के लिए भी लाभकारी है।

सुबह उठते ही पिएं लौंग का पानी, ब्लड शुगर से लेकर बॉडी डिटॉक्स तक मिलेंगे ये बेहतरीन फायदे

एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर लौंग का पानी आपके स्वास्थ्य, त्वचा और बालों के ग्रोथ के लिए बेहद फायदेमंद है. यह नेचुरल तरीके से आपको इस तरह के लाभ पहुंचाता है. आहार विशेषज्ञ और वेट मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. प्रत्यक्ष भारद्वाज इसे ‘एंटीऑक्सीडेंट का एक पावरहाउस’ कहते हैं जो पाचन, प्रतिरक्षा और यहां तक ??कि वेट मैनेजमेंट में भी मदद करता है.

स्वास्थ्य लाभ

पाचन को बढ़ावा देता है और सूजन से लड़ता है : लौंग का पानी आपके पाचन तंत्र के लिए अद्भुत काम करता है।यह सूजन, गैस्ट्रिक समस्याओं और अपच को कम करने में मदद करता है. डॉ. भारद्वाज कहते हैं, ‘लौंग का पानी सूजन और गैस्ट्रिक समस्याओं के लिए एक प्राकृतिक उपाय है. यह डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया का भी समर्थन करता है.

वजन घटाने में मदद करता है : लौंग का पानी आपके मेटाबॉलिज्म को बहुत जरूरी बढ़ावा दे सकता है. इसका एक्टिव कंपाउंड , यूजेनॉल, फैट मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे यह वेट मैनेजमेंट डेली रूटीन में सहायक होता है. ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है : यदि आप अपने ब्लड शुगर को नेचुरल तरीके से मैनेज करना चाहते हैं, तो लौंग का पानी आजमा कर देख सकते है. लौंग में मौजूद यूजेनॉल ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है और ओवरऑल मेटाबॉलिक हेल्थ का समर्थन करता है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है : लौंग के पानी में एंटीऑक्सीडेंट की हाई अमाउंट होने के कारण यह आपके रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे आप आम संक्रमणों और बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं.

आपके दांतों के लिए अच्छा : लौंग के पानी के एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टी मुंह में सूजन को कम करके मौखिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं. लौंग के पानी से कुल्ला करने से आपकी सांसों को भी तरोताजा करने में मदद मिल सकती है.

सौंदर्य लाभ

मुंहासे और दाग-धब्बों से लड़ता है : लौंग के पानी के सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने, लालिमा को कम करने और साफ त्वचा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं.

आपकी त्वचा को चमकदार बनाता है : लौंग के पानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो सुस्ती और समय से पहले बुढ़ापे का कारण बन सकते हैं. नियमित उपयोग से आपकी त्वचा चमकदार और स्वस्थ दिख सकती है.

चिड़चिड़ी त्वचा को आराम देता है : अगर आपकी त्वचा में खुजली या जलन है, तो लौंग के पानी के शांत करने वाले गुण राहत दे सकते हैं.

बालों के लिए लाभकारी

बालों के रोम को मजबूत बनाता है : लौंग का पानी स्कैल्प को पोषण देता है और बालों के रोम को मजबूत बनाता है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है और विकास को बढ़ावा मिलता है.

रूसी से लड़ता है : लौंग के पानी के रोगाणुरोधी गुण रूसी और खुजली को कम करने में मदद करते हैं, जिससे आपकी स्कैल्प स्वस्थ रहती है.

बालों में चमक लाता है : लौंग के पानी से अपने बालों को धोने से उनमें प्राकृतिक चमक और कोमलता आ सकती है, जिससे आपके बाल ज्यादा जीवंत दिखते और महसूस होते हैं.

सावधानी बेहद जरूरी

माना कि लौंग के पानी के कई लाभ हैं, लेकिन नियंत्रित मात्रा में इसका सेवन करना बेहद जरूरी है, इसके अधिक इस्तेमाल से जलन या संवेदनशीलता हो सकती है. डॉ. भारद्वाज सलाह देते हैं कि अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप पेशेवर मार्गदर्शन के साथ लौंग के पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें.

लौंग का पानी कैसे बनाएं

लौंग का पानी बनाना आसान और किफायती है. जानें बनाने की विधि

सामग्री

1 चम्मच साबुत लौंग

1 कप पानी

बनाने की विधि

सबसे पहले एक कप पानी उबालें और इसमें लौंग डालें और उन्हें 10-15 मिनट तक भीगने दें. लौंग निकालने के लिए पानी को छान लें। पीने या अपनी त्वचा या बालों पर इस्तेमाल करने से पहले इसे आरामदायक तापमान पर ठंडा होने दें. अतिरिक्त स्वाद और लाभों के लिए, आप इसमें नींबू का एक टुकड़ा या एक चम्मच शहद मिला सकते हैं. सुबह खाली पेट एक कप लौंग का पानी रोजाना पिने से बहुत लाभ मिलता है.

डायबिटीज के मरीज

भूलकर भी न करें इन फलों का सेवन, बढ़ सकता है ब्लड शुगर का लेवल

डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है. आज के समय में इस बीमारी से करोड़ों लोग पीड़ित है. इस रोग से पीड़ितो को अपने खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है. इसके साथ ही जीवनशैली में भी बदलाव की जरूरत होती है. यह एक ऐसी बीमारी जिसमें डायबिटीज से पीड़ितों का ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता हैं, जिसके चलते उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्या हो सकती है. यहां तक की हाई ब्लड शुगर के चलते कभी-कभी पीड़ितों की जान भी जा सकती है. इसलिए इसको कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी होता है. आज हम इस खबर में बताने जा रहे हैं कि डायबिटीज मरीजों को डॉक्टरों के द्वारा चीकू फल खाने से बचने को क्यों कहा जाता है..

डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

हम सबको पता है कि चीकू एक ऐसा फल है, जो न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी होता है. खास बात यह है कि इस फल के अलावा बीज और पत्तियां भी काफी गुणकारी है. फिर भी डॉक्टरों के मुताबिक, डायबिटीज पेशेंट को चीकू फल खाने से बचना चाहिए, ऐसा इसलिए क्योंकि चीकू में कार्बोहाइड्रेट बहुत हाई अमाउंट में होता है और इस फल में शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है. बता दें, चीकू में मौजूद ज्यादातर कार्बोहाइड्रेट नेचुरल शुगर के रूप में होता है. इसलिए डॉक्टरों के द्वारा हाई ब्लड शुगर से पीड़ित लोगों को चीकू फल नहीं खाने की सलाह दी जाती है. इसके साथ ही डायबिटीज के मरीजों को इन फलों से भी बचना चाहिए. इसमें अनानास, लीची, केला, आम, तरबूज शामिल है.

प्री-डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

प्री-डायबिटीज पेशेंट को भी म चीकू नहीं खाने की सलाह दी जाती है. बता दें, चीकू में शुगर की मात्रा अधिक होती है, जिससे मरीज का ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. चीकू में कैलोरीज भी अधिक होती हैं. बता दें, चीकू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होने की वजह से इसका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल तुरंत बढ़ने लगता है

ध्यान देनें वाली बात

यदि आपको हाई ब्लड शुगर (हाइपरग्लाइसेमिया) है तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 130 एमजी/डीएल से ऊपर रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 180 एमजी/डीएल से अधिक रहेगा. यदि आपका ब्लड शुगर लेवल लगातार इन सीमाओं से ऊपर है, तो आपको प्री-डायबिटीज या डायबिटीज हो सकता है. अगर इसे कंट्रोल नहीं किया गया, तो यह हार्ट डिजीज, तंत्रिका समस्याओं और किडनी की बीमारियों जैसी गंभीर चिकित्सा समस्याओं का कारण बन सकता है.

अगर आपको लो ब्लड शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) की समस्या है, तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 70 एमजी/डीएल से कम रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 60 एमजी/डीएल से कम रहेगा. आपको लो ब्लड शुगर के कारण चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी और दुर्लभ मामलों में दौरे पड़ सकते हैं. यह आमतौर पर इंसुलिन या एंटीडायबिटिक दवा लेने वाले मरीजों में पाया जाता है, या जो बहुत लंबे समय तक फास्टिंग करते हैं या बहुत लंबे समय तक एक्सरसाइज करते हैं.

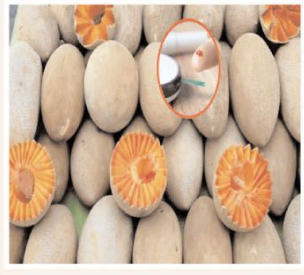

पैरों से पहचानें ब्लड शुगर बढ़ने के संकेत, दिखें तो तुरंत एक्शन की जरूरत

बीमारियों की बात करें तो डायबिटीज का नाम शायद सबसे पहले लिया जाएगा। बिजी और बिगड़ते लाइफस्टाइल, गलत खानपान के चलते शुगर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती ही जा रही है। डायबिटीज यानि कि मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जो मरीज के शरीर को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। यह शरीर के बाकी अंगों को प्रभावित करती है। जब बॉडी में शुगर की मात्रा बढ़ती है तो शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है। डायबिटीज के कुछ खास लक्षण पैरों में भी दिखने लगते हैं। चलिए आपको उन्हीं लक्षणों के बारे में बताते हैं जिन्हें पहचान कर आपको फौरन अलर्ट हो जाना चाहिए

डायबिटीज के कारण पैरों में दिखने वाले संकेत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है जिसके लक्षण खासतौर पर पैरों में दिख सकते हैं जो हाई ब्लड शुगर के कारण उत्पन्न होते हैं। अगर डायबिटीज को समय रहते नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह पैरों की नसों और रक्त संचार को प्रभावित कर सकता है।

पैरों में सूजन : हाई ब्लड शुगर के कारण शरीर में लिक्विड संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यह आमतौर पर खराब ब्लड सर्कुलेशन और किडनी की समस्याओं के कारण होता है।

नसों का नुकसान : डायबिटीज के कारण डायबिटिक न्यूरोपैथी हो सकती है, जिससे पैरों में झुनझुनी, जलन या सुन्न होने की समस्या होती है। यह समस्या पैरों में घावों को महसूस करने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे चोट लगने पर देर से पता चलता है। पैरों की त्वचा शुष्क और फटी हुई दिख सकती है क्योंकि हाई ब्लड शुगर के चलते त्वचा की नमी कम हो सकती है। त्वचा में दरारें आने से बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

नाखूनों में फंगल संक्रमण : डायबिटीज के मरीजों में नाखूनों पर फंगल संक्रमण आम होता है, जिससे वे मोटे, पीले और कमजोर हो सकते हैं। इंफेक्शन बढ़ने पर नाखूनों में दर्द और असहजता हो सकती है।

पैरों में घाव या अल्सर : शुगर मरीज के पैर में चोट या कट लगने के बाद घाव जल्दी नहीं भरता, जिससे अल्सर बनने का खतरा रहता है क्योंकि पैरों में रक्त संचार की कमी होने लगती है और अगर ध्यान न दिया जाए तो यह गैंग्रीन जैसी गंभीर समस्या में बदल सकता है।

पैरों में बहुत ज्यादा दर्द और ऐंठन : ब्लड सर्कुलेशन खराब होने से पैरों में तेज दर्द, ऐंठन या भारीपन महसूस हो सकता है। यह संकेत रक्त वाहिकाओं में रुकावट की ओर भी इशारा कर सकते हैं।

डायबिटीज के मरीजों को पैरों की देखभाल कैसे करनी चाहिए?

पैरों की नियमित जांच करें, किसी भी कट, सूजन, लाल धब्बे या संक्रमण के संकेतों पर नजर रखें।

पैरों को मॉइश्चराइज करें। फटी त्वचा और रूखेपन से बचने के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

आरामदायक जूते पहनें। टाइट या अनफिटेड जूतों से बचें, जो पैरों में चोट पहुंचा सकते हैं।

नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें। नियमित रूप से नाखून काटें और संक्रमण से बचने के लिए साफ-सफाई रखें।

ब्लड शुगर कंट्रोल करें। नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लें।

सिर्फ फैशन नहीं पैशन बनकर भी उभर रहा टैटू आर्टिस्ट कॅरियर

कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी इसे अपने शरीर पर बनवा चुके है। हां ये बात जरुर ध्यान रखने लायक है कि इन्हें काफी सोच- समझकर ही बनवाना चाहिए क्योंकि इसे आसानी से नहीं मिटाया जा सकता है। इसको बनाने के लिए मशीन का उपयोग किया जाता है। टैंपररी टैटू इस तरह के टैटू काफी पापुलर है क्योंकि इन्है आसानी से रिमूव किया जा सकता हैं।

योग्यता

टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए इसके लिए क्रिएटिव होना बेहद जरुरी है। टैटू शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे बांह, कलाई, पीठ, पेट पैरों जैसे बॉडी पार्ट पर बनाए जाते है। अब ये आप पर है कि आप कैसे अपनी क्रिएटिविटी दिखाते है। विविध कलर कॉम्बीनेशन, केमिकल्स जिसका उपयोग टैटू बनाने के लिए किया जाता है उनकी जानकारी होना बेहद जरुरी है।

कैसे और कहां से ले ट्रेनिंग

इसके लिए किसी कॉलेज या युनिवर्सिटी से डिग्री या डिप्लोमा लेने की जरुरत नहीं है। इसके लिए कई संस्थान सामान्य ट्रेनिंग के जरिये टैटू मेकिंग सिखा कर लाइसेंस देते है। इसका लाइसेंस पाने के लिए एलायंस ऑफ प्रोफेशनल टैटूइस्ट्स (एपीटी) ने कुछ बेसिक स्टैंडर्ड तय किए है। भारत की लगभग सभी बड़ी मेट्रो सिटीज में इस कला की ट्रेनिंग देने के लिए स्टूडियोज बनाए गए है। इस कोर्स की अवधि लगभग 4 से 5 सप्ताह हो सकती है और खर्चा 75 हजार से लेकर 1 लाख तक हो सकता है।

कितनी होती है कमाई

शुरुआत में आपको इसके लिए 15 से 20 हजार रुपए मिल सकते है लेकिन अगर आपका काम अच्छा है तो आप नाम के साथ दाम भी कमा सकते है। एक टैटू आर्टिस्ट के तौर पर आप लाखों रुपए भी कमा सकते है। एक सफल टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए जरुरी है कि आपको नए ट्रेंड की जानकारी होनी चाहिए। क्योंकि टैटू से त्वचा में कई तरह के संक्रमण भी फैलते है ऐसे में इसके बारे में भी आपको जानकारी होना चाहिए। आपको अपना नॉलेज बढ़ाने के लिए सेमिनार्स और वर्कशॉप भी अटेंड करते रहना चाहिए।

कैसे करें जेईई परीक्षा की तैयारी

आईआईटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। हाल के सालों में कई आईआईटी के कई छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है।

आईआईटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। हाल के सालों में कई आईआईटी के कई छात्रों ने राष्टीय और अंतरराष्टीय स्तर पर भारत को गौरवान्वित किया है। छात्रों के लिए भारत के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश मिलना गर्व का क्षण होता है। इनमें प्रवेश के लिए ज्यादातर छात्र कोचिंग संस्थानों में कोचिंग करते हैं और इन संस्थानों के सुनियोजित और वैज्ञानिक ढंग से तैयार किए गए पाठ्यक्रम के कारण उन्हें सफलता भी मिलती है।

जेईई परीक्षा के बारे में कुछ रोचक तथ्य

जेईई एडवांस्ड की परीक्षा पास करने वले 56 प्रतिशत अभ्यर्थी किसी भी कोचिंग संस्थान में नहीं गए थे। इनमें से कुछ टॉप 50 या टॉप 100 की रैंक में शामिल अभ्यर्थी भी थे। जेईई एडवांस्ड परीक्षा पास करने वाले 87 प्रतिशत अभ्यर्थी मध्यम और निम्न मध्यम आय वर्ग के थे, जिनके परिवार की सालान औसत आय पांच लाख रुपए से कम थी। 50 प्रतिशत से ज्यादा अभ्यर्थी ग्रामीण और अर्ध ग्रामीण क्षेत्रों से थे जहां प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि जेईई परीक्षा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से कैसे उत्तीर्ण की जा सकती है और यह कैसे सहायक है? यहां हम बिना किसी कोचिंग जेईई मुख्य परीक्षा पास करने के लिए कुछ विशेषज्ञ टिप्स आपको बता रहे है-

प्रासंगिक स्टडी मैटिरियल प्राप्त करे

उपयुक्त दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम का चयन सफलता के लिए पहला कदम है। प्रासंगिक स्टडी मैटिरियल प्राप्त करना, विशेषज्ञ गाइड बुक हासिल करना, जेईई स्टडी पैकेज, पिछले सालों के हल किए हुए प्रश्न पत्र आदि इकट्ठा करना हर छात्र की प्राथमिकता होना चाहिए। एक अच्छा और आसानी से समझ में आना वाला स्टडी मैटिरियल छात्र को पढ़ाई में बहुत सहायता कर सकता है। कुछ बड़े संस्थान अभ्यर्थियों को न सिर्फ स्टडी मैटिरियल देते हैं, बल्कि टेस्ट सिरीज भी उपलब्ध कराते है। ऑनलाइन टेस्ट सिरीज, विषय अनुसार पढ़ाई, शंकाएं दूर करने में सहायता, शिक्षकों से समय-समय पर संवाद और कक्षाओं की व्यवस्था भी इनके कार्यक्रम में शामिल होती है।

अपने टाइमटेबल का सख्ती से पालन करें

तैयारी के लिए समय का प्रबांधन सबसे जरूरी बात है। अपने सपने पूरे करने के लिए आपको अनुशासित रहना होगा और टाइमटेबिल का सख्ती से पालन करना होगा। अभ्यर्थी को साप्ताहिक टाइम टेबिल बनाना चाहिए और अपनी नियमित पढ़ाई के अलावा हर सप्ताह करीब 30 घंटे जेईई के गम्भीर अध्ययन के लिए देने चाहिए।

हर टॉपिक का सारांश खुद लिख कर तैयार करें

जेईई की तैयारी में खुद के लिखे हुए नोट्स फार्मूले, टिप्स आदि याद रखने में बहुत सहायता करते है। छात्रों को टॉपिक को याद करने और समझने के लिए जरूरी चित्र, कैरीकैचर, फिगर्स आदि भी बनाने चाहिए।

खुद की कमियां दूर करने के लिए करते रहें खुद का आकलन

एक अच्छे दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के तहत छात्रों को ऐसी टेस्ट सिरीज दी जाती है, जिससे छात्र जेईई का वास्तविक अनुभव ले सकें। इसके अलावा ये संस्थान विषय, टॉपिक और प्रश्नपत्र के आधार पर गम्भीर विश्लेषण भी कराते है जो काफी उपयोगी साबित होता है। खुद की कमियों को समझने के लिए प्रदर्शन आधारित विश्लेषण बहुत जरूरी है। इसकी उपेक्षा करना बहुत बड़ी भूल साबित हो सकता है। समस्याओं के रणनीतिक और मेथड आधारित समाधान के लिए मेहनत सबसे ज्यादा जरूरी है। कुछ बड़े संस्थान जैसे फिट जी और पीएटी आदि ऑनलाइन पोर्टल और मोबाइल एप्लीकेशन भी उपलब्ध कराते हैं, जिन पर छात्र अखिल भारतीय टेस्ट के माध्यम से अपनी तैयारी की जांच कर सकते है। प्रदर्शन विश्लेषण कई मापदण्डों जैसे पिछले प्रश्नपत्रों के तुलनात्मक विश्लेषण, प्रोग्रेसिव विश्लेषण आदि पर आधरित होता है। इससे छात्रों को अपनी तैयारी सही ढंग से करने में सहायता मिलती है।

जेईई विशेषज्ञों के सम्पर्क में रहें

कुछ संस्थान दूरस्थ शिक्षा के छात्रों के लिए प्रतिमाह परिणाम विश्लेषण और शंका समाधान के सत्र आयोजित करते है। ये सत्र उनके अध्ययन केन्द्रों पर एक-दो दिन के लिए आयोजित किए जाते है। इससे छात्र शिक्षकों से व्यक्तिगत रूप से मिल पाते हैं और उनकी समस्याओं का वहीं समाधान हो जाता है। उन्हें कक्षा का नियमित छात्र होने का अनुभव भी मिल जाता है।

सकारात्मकता रखें

आपका व्यवहार हमेशा सकारात्मक रहना चाहिए। खुद को सकारात्मक उर्जा से भरते रहें। खुद में विश्वास रखें, मेहनत करें और लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित रखें।

अच्छा खाएं, पूरा सोएं और तनावमुक्त रहें-तैयारी के दौरान कुछ समय आराम करने से चीजें बेहतर ढंग से याद रहती है। खुद पर ज्यादा भार न डाले और दिमाग को ट्रेक पर लाने के लिए कुछ समय दें। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने से आपका तनाव दूर होगा। संतुलित भोजन, प्रोटीन और पेय पदार्थ लें। जेईई की गम्भीर तैयारी करने वाले के लिए आठ घंटे की नींद बहुत जरूरी है। इसके साथ ही दो घंटे रोज मनोरंजक गतिविधियों के लिए भी रखें। इससे आपका दिमाग तनावमुक्त बनेगा। इसके अलावा ध्यान लगाना भी बहुत अच्छा उपाय है।

क्या है बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर कोर्स

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर(बी. आर्च) को हम वास्तुकला के नाम से भी जानते है। बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर पांच साल का स्नातक कोर्स या कार्यक्रम है। बी.आर्च एक तकनीकी पाठ्यक्रम अध्ययन है। जो विशेषकर एक वास्तुकार बनने के लिए आवश्यक है।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छात्रों को उनके नए विचारों और विश्लेषणात्मक योग्यता को और विकसित कर व्यावसायिक इमारतों, मॉल, परिसरों, राजमार्गों के निर्माण का अध्ययन कराया जाता है।

शैक्षिक योग्यता

बैचलर ऑफ़ आर्किटेक्चर कोर्स करने के लिए 10 + 2 की परीक्षा कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होनी चाहिए। बी.आर्च कोर्स की अवधि पांच साल की होती है।

इसे करने के फायदे

एक वास्तुकार का हर प्रोजेक्ट में काम अलग-अलग होता है। बी आर्च के कोर्स में ड्राइंग कौशल का विकास किया जाता है। अगर आप कुछ अलग करना चाहते है। तो आप बी.आर्च का कोर्स कर सकते हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण काम है। आप एक सफल आर्किटेक्चर के रूप में अपने करियर को संवार सकते हैं।

जॉब स्कोप

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर का कोर्स सफल रूप से करने के बाद छात्रों के पास वास्तुकला के क्षेत्र में अपने करियर को बेहतरीन बनाने के सुनहरे अवसर होते हैं। जैसे- आर्किटेक्चरल इंजीनियर, आर्ट डायरेक्टर,बिल्डिंग कांट्रेक्टर एंड रेसेअर्चेर, इंटीरियर डिज़ाइनर,लैंडस्केप आर्किटेक्ट, डिजाईन इंजीनियर, ट्रांसपोर्ट प्लानर, प्लानिंग इंजीनियर, अर्बन प्लानर बन सकते हैं।

टॉप कॉलेज

बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर से सम्बंधित बहुत से कॉलेज है। जो बी. आर्च का कोर्स करवाते है। जो स्टुडेंट आर्किटेक्चर के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे ये कोर्स कर सकते हैं। आर्किटेक्चर का कोर्स करने के लिए छात्र इन कॉलेज में से अपना बेस्ट कॉलेज का चयन कर सकते हैं।

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी खडगपुर
- स्कूल ऑफ़ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर नई दिल्ली
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रूडकी
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी तिरुचिरापल्ली
- सर जे जे कॉलेज ऑफ़ आर्किटेक्चर मुम्बई
- विस्वेसराय नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी नागपुर
- सेंटर फॉर एनवायर्नमेंटल प्लानिंग एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी अहमदाबाद
- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटीजालंधर
- सुशांत स्कूल ऑफ़ आर्ट एंड आर्किटेक्चर गुडगाँव
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी नई दिल्ली

वित्तीय व फाइनेंस में करें पीजी डिप्लोमा

बैंकिंग और फाइनेंस एक बेहद आकर्षक क्षेत्र है। इस कोर्स के पूरा होने के बाद न्यूनतम सैलरी के रूप में 35 हजार रुपए तक मिलता है। तजुर्बे के साथ साथ सैलरी में इजाफा होता चला जाता है। डिपार्टमेंटल एग्जाम में उत्तीर्ण होकर या फिर अनुभव के आधार पर भी उन्नति होती रहती है तो जाहिर है सैलरी में भी इजाफा होना लाजिमी है। बैंकिंग में रूचि रखने वाले लोगों के लिए यह कोर्स एक बेहतर विकल्प साबित होगा।

हर किसी के लिए बैंक में नौकरी पाना सर्वोपरि होता है इसके बाद लोग अन्य क्षेत्र में भाग्य आजमाते हैं। हर गांव को बैंक से जोडने की पहल में बैंकिंग सेक्टर तेजी के साथ कदम बढ़ा रहा है और इसमें अवसर भी उसी तेजी के साथ पैदा हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप बैंकिंग एवं फाइनेंस में पीजी डिप्लोमा करना चाहते हैं तो पहले वित्तीय जानकारी एवं बाजार की परिस्थितियों की अच्छी समझ हो। चूंकि बैंकों व वित्तीय संस्थानों में पैसों का लेन देन होता है ऐसे में पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की क्षमता होनी चाहिए। साथ उनमें मजबूत विश्लेषणात्मक कौशल होना जरूरी है।

क्या क्या पढ़ें

पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एवं फाइनेंस के तहत मूलभूत बैंकिंग नौकरी संबंधी प्रोफाइल जैसे धन जमा करना, डिमांड ड्राफ्ट बनाना और अन्य बैंकिंग कार्यो को संभालना आदि सिखाया जाता है। विभिन्न बैंकों के बीच में बैंकिंग कार्य, आसान खाता बही, कॉरपोरेट क्रेडिट, परियोजना क्रेडिट वित्तीय क्रेडिट और उपभोक्ता क्रेडिट आदि कार्यों को भी इसके तहत सिखाया जाता है। पाठ्यक्रम के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के तीस और 50 निजी क्षेत्र के बैंक और फाइनेंशियल सेक्टर में काम करने की उम्मीदें बंधती हैं। इनमें ट्रेनिंग के बाद कई तरह के पदों की उम्मीद बंधती हैं जैसे वित्तीय प्रबंधक, बैंक टेलर, बिल और लेखा समाहर्ता। सभी योग्य छात्रों को इन संस्थानों में प्रबंधकीय नौकरी मिलती है।

योग्यता

बैंकिंग और फाइनेंस में पीजी डिप्लोमा करने के लिए छात्र को स्नातक में किसी भी विषय के तहत 50 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण होना चाहिए। कई संस्थान एससी/एसटी और ओबीसी को 5 फीसदी तक की छूट भी प्रदान करते हैं। इसमें भले ही कोई इस मानक को पूरा करने वाला पढ़ाई कर सकता है लेकिन संस्थान छात्रों को सलाह देते हैं कि वही इस तरफ का रूझान करे जिसकी दिलचस्पी फाइनेंस में हो। आजकल इस विशय में दो साल एमबीए करने के बजाए लोग पीजी डिप्लोमा को तरजीह देते हैं क्योंकि एक साल के कोर्स के बाद ही उन्हें बैंकों में अच्छी नौकरी मिल जाती है।

कैसे मिलता है दाखिला

यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां काम समाप्त करने की कोई समय सीमा नहीं है। यहां जरूरत है इस बात कि है कि संबंधित व्यक्ति तुरंत चीजों को समझे और उसमें इस बात की योग्यता हो कि वह तर्क को समझने की क्षमता रखता हो। बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में पीजी डिप्लोमा करने के लिए पहले तो एप्टीट्यूड टेस्ट में पास होना जरूरी है और इसमें निजी रूप से साक्षात्कार भी देना होगा। इसमें मूलत- अंग्रेजी, गणितीय योग्यता, लिखित परीक्षा में रीजनिंग आदि की जांच की जाती है। असल में यह जानने की कोशिश की जाती है कि छात्र को मूल ज्ञान है कि नहीं। परीक्षा पूर्ण होने के बाद उन्हें इंटर्नशिप, शिक्षा लोन आदि कोर्स के बारे में बताया जाता है।

कॅरियर और प्लेसमेंट

इस क्षेत्र में करियर के बेशुमार अवसर उपलब्ध हैं। कोर्स के खत्म होने के बाद इंटरनेशनल बैंकिंग, फोरेक्स और ट्रेजरी, कॉर्पोरेट लोन्स, फाइनेंशियल रिसर्च से सम्बंधित संस्थानों में नौकरी के विकल्प खुल जाते हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय बैंक्स अलग अलग स्किल्स के अभ्यार्थियों को अच्छी सैलरी में प्लेसमेंट देते हैं। सार्वजनिक बैंक ज्यादातर अखिल भारतीय स्तर की परीक्षा के आधार पर क्लर्क और प्रोबेशनरी ऑफिसर्स के पदों के लिए वैकेंसी निकालते हैं।

आमदनी का जरिया

बैंकिंग और फाइनेंस एक बेहद आकर्षक क्षेत्र है। इस कोर्स के पूरा होने के बाद न्यूनतम सैलरी के रूप में 50 हज़ार रुपए तक मिलता है। तजुर्बे के साथ साथ सैलरी में इजाफा होता चला जाता है। डिपार्टमेंटल एग्जाम में उत्तीर्ण होकर या फिर अनुभव के आधार पर भी उन्नति होती रहती है तो जाहिर है सैलरी में भी इजाफा होना लाजिमी है। बैंकिंग में रूचि रखने वाले लोगों के लिए यह कोर्स एक बेहतर विकल्प साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिणी साइबेरिया में 6.4 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

इस्कर, एजेंसी। दक्षिणी साइबेरिया के अल्ताई गणराज्य में शनिवार सुबह 6.4 तीव्रता का भूकंप आया। रूसी भूकंप वैज्ञानिकों ने यह जानकारी दी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'इंटरफैक्स' ने रूसी विज्ञान अकादमी की एकीकृत भूभौतिकीय सेवा के हवाले से बताया कि स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 48 मिनट पर भूकंप आया और आस-पड़ोस के क्षेत्रों में भी इसके झटके महसूस किए गए।क्षेत्रीय प्रमुख एंड्रेई तुरचाक ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर लिखा कि भूंकप से कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन 'हाई-अलर्ट' लागू कर दिया गया है, सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिए गए हैं और भूकंप के केंद्र के निकटवर्ती क्षेत्रों में जलापूर्ति में समस्या आ सकती है। तुरचाक ने कहा कि प्रारंभिक आकलन से कुछ क्षेत्रों में मामूली क्षति का संकेत मिलता है। उन्होंने भूकंप से व्यापक स्तर पर नुकसान होने संबंधी दावों को खारिज कर दिया।

लंदन के मार्लेबोन में होटल में लगी भीषण आग

लंदन , एजेंसी। लंदन के मार्लेबोन स्थित एक लग्जरी होटल चिल्टर्न फायरहाउस में भीषण आग लग गई। होटल की इमारत ऐतिहासिक है और यह मशहूर हस्तियों की मेजबानी के लिए मशहूर है। इमारत में आग के बाद करीब 100 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। लंदन फायर ब्रिगेड के अनुसार, चिल्टर्न फायरहाउस में शुक्रवार को लगी आग को बुझाने के लिए 100 से अधिक अग्निशमन कर्मियों और 20 दमकल गाड़ियों को लगाया गया। चिल्टर्न फायरहाउस लंदन के सबसे प्रतिष्ठित स्थानों में से एक है और इस घटना ने शहर के लोगों को झकझोर दिया है। खबरों के मुताबिक, होटल में रविवार को बाफ्टा अवॉर्ड सम्मेलन के बाद नेटफ्लिक्स पार्टी होनी थी। आग लगने के बाद हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इमारत की ग्राउंड फ्लोर की डक्टिंग में शुरू हुई थी आग- फायर ब्रिगेड के अनुसार, आग दोपहर के बाद इमारत की ग्राउंड फ्लोर की डक्टिंग में शुरू हुई और चार मंजिला होटल की छत तक फैल गई। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

ब्राजील में विमान दुर्घटना, दो की मौत

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के साओ पाउलो राज्य में शनिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह निजी विमान क्राड्रा नगरपालिका में वनस्पति में गिरा, जो राज्य की राजधानी से करीब 160 किलोमीटर दूर है। स्थानीय अग्निशामकों ने दो जले हुए शव बरामद किए हैं, लेकिन अधिकारियों ने उनकी पहचान नहीं बताई है। इस दुर्घटना से पहले, ब्राजील की वायु सेना ने इस वर्ष 19 हवाई जहाज दुर्घटनाएं दर्ज की थीं, जिनमें से पांच घातक थीं। 7 फरवरी को, साओ पाउलो में एक और छोटा विमान उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और विमान के मालिक की मौत हो गई। अगस्त 2024 में, साओ पाउलो के पास विन्हेडो में एक विमान दुर्घटना में विमान में सवार सभी 72 लोग मारे गए थे।

पाकिस्तान के नागरिकों ने 12 देशों में तोड़ा कानून, 131 का निर्वासन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के नागरिकों की विदेशों में साख का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 12 देशों से अब तक 131 लोग विभिन्न कानूनी उल्लंघनों के कारण निष्कासित किए जा चुके हैं। इसमें नशीली दवाओं से संबंधित अपराध, अवैध प्रवेश और रोजगार नियमों का पालन न करना शामिल है। कई देशों के अधिकारियों ने स्थानीय कानूनों के उल्लंघन का हवाला देते हुए इन्हें निर्वासित किया। सऊदी अरब ने निर्वासन का नेतृत्व किया, जिसने नशीली दवाओं की तस्करी में कथित संलिप्तता और बिना पूर्व सूचना के नौकरी छोड़कर रोजगार समझौतों का उल्लंघन करने के आरोप में 74 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया। यूएई ने भी कई पाकिस्तानी नागरिकों को निर्वासित किया और उन पर अवैध प्रवेश, चोरी और नशीली दवाओं से संबंधित अपराधों का आरोप लगाया। एक व्यक्ति को आगमन पर प्रवेश से वंचित कर दिया गया अन्य को खुदकुशी के प्रयास के बाद यूएई से निर्वासित किया गया।

ट्रंप की नई नीतियों से यूरोप में मची खलबली, यूक्रेन और जर्मनी के उड़े होश ! जेलेंस्की ने लगाई मदद की गुहार

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तहत वाशिंगटन की नई नीतियों से मची खलबली को लेकर शनिवार को दो शीर्ष यूरोपीय नेताओं ने अपना रुख कड़ा करते हुए आलोचना की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने 'यूरोप की सशस्त्र सेना के गठन का आग्रह किया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के एक जर्मन दक्षिणपंथी नेता से मिलने के बाद जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने अपने चुनाव में दखल देने को लेकर उनकी निंदा की। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के दूसरे दिन जेलेंस्की और शोल्ज के तीखे भाषण ट्रंप के फैसलों के परिणाम के रूप में सामने आए। ट्रंप के फैसलों की गूंज अमेरिका के साथ-साथ यूरोप में भी सुनाई दे रही है विशेष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने से जुड़ी उनकी उम्मीद और महाद्वीप के कथित सहयोगियों की सहायता करने की चाहत। अधिक शक्तिशाली और ताकतवर यूरोप की अपनी इच्छा को आगे बढ़ाते हुए जेलेंस्की ने कहा कि हमलावर रूसी सेना के खिलाफ यूक्रेन की तीन साल की लड़ाई ने साबित कर दिया है कि यूरोपीय सेना के निर्माण के लिए एक आधार मौजूद है, जिस पर इस महाद्वीप के कुछ नेताओं के बीच लंबे समय से चर्चा हो रही है। जेलेंस्की ने कहा, ''मुझे वास्तव में लगता है कि समय आ गया है। यूरोप की सशस्त्र सेना का गठन किया जाना चाहिए। यह स्पष्ट नहीं है कि यह विचार यूरोपीय नेताओं को पसंद आएगा या नहीं। जेलेंस्की ने वर्षों से यूरोपीय संघ से अधिक सैन्य और आर्थिक सहायता मांगी है और बार-बार चेतावनी दी है कि यूरोप के अन्य हिस्से भी रूस की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के लिहाज से संवेदनशील हो सकते हैं। जेलेंस्की ने इस सप्ताह ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई फोन पर बातचीत का जिक्र किया, जिसके बाद ट्रंप ने कहा कि वह और पुतिन यूक्रेन पर शांति समझौते पर बातचीत करने के लिए जल्द ही मिलेंगे। ट्रंप ने बाद में जेंलेंस्की से कहा कि युद्ध को समाप्त करने के लिए उन्हें भी बातचीत में शामिल होना चाहिए, लेकिन यूक्रेनी नेता ने जोर देकर कहा कि यूरोप को भी बातचीत में शामिल किया जाना चाहिए। ज़ेलेंस्की ने कहा, ''यूक्रेन हमारी पीठ पीछे हमारी भागीदारी के बिना किए गए सौदों को कभी स्वीकार नहीं करेगा, और यही नियम पूरे यूरोप पर लागू होना चाहिए। जर्मन चांसलर ने वेंस को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इसके पहले जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने कहा कि वह 'यूक्रेन की संप्रभु स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिए अमेरिका के साथ साझा प्रतिबद्धता से 'प्रसन्न हैं और ट्रंप की इस बात से सहमत हैं कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होना चाहिए। लेकिन शोल्ज ने वाशिंगटन के नए राजनीतिक कदम पर भी निशाना साधा। उन्होंने धुर दक्षिणपंथ के खिलाफ अपने कड़े रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका देश ऐसे लोगों को स्वीकार नहीं करेगा जो 'हमारे लोकतंत्र में हस्तक्षेप करते हैं - उनका इशारा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की टिप्पणियों की ओर था, जिन्होंने यूरोपीय नेताओं को लोकतंत्र के प्रति उनके दृष्टिकोण को लेकर फटकार लगाई थी।

ट्रंप ने बांग्लादेश को दे दिया बड़ा झटका; 29 मिलियन डॉलर की मदद रोकी

वाशिंगटन/ढाका, एजेंसी। पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा के 48 घंटे के भीतर अमेरिका ने बांग्लादेश को बड़ा झटका दिया है। एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग ने कई विदेशी परियोजनाओं को रद करने का फैसला किया है। इनमें से एक परियोजना बांग्लादेश की भी है। अमेरिका की सरकार बांग्लादेश को 29 मिलियन अमेरिकी डॉलर की धनराशि देने वाली थी, ताकि बांग्लादेश में राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत बनाया जा सके। मगर अब एलन मस्क के विभाग ने फंडिंग को रद कर दिया है।

दक्षता विभाग ने जारी की सूची–अमेरिका के सरकारी दक्षता विभाग ने सोशल मीडिया वेबसाइट एक्स पर पूरी सूची जारी की गई। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश को दी जाने वाली 29 मिलियन डॉलर की फंडिंग को रोक दिया गया है। हाल ही में पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बांग्लादेश के मुद्दे पर चर्चा की थी। ट्रंप ने बांग्लादेश में अमेरिकी सरकार के शामिल होने से इनकार किया था। उन्होंने यह भी कहा था कि बांग्लादेश को पीएम मोदी पर छोड़ दिया है।

फंडिंग से क्या करता था अमेरिका? अमेरिका राजनीतिक परिदृश्य को मजबूत करने के तहत बांग्लादेश में राजनीतिक दलो में क्षमता का निर्माण, पर्टियों के बीच संबंधों को मजबूत करने और हिंसा को कम करने की फंडिंग करता है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्रों और राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया जाता था। कुल मिलाकर इनका राजनीतिक कौशल विकास किया जाता था।

इजराइल ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों को खास संदेश वाली टी-शर्ट पहना कर किया रिहा, पढ़ कर लगेगा हमास को झटका

येरूसलएम, एजेंसी।
इजराइल और हमास ने संघर्ष विराम को ताजा संकट से बचाने के बाद शनिवार को बंधकों और कैदियों की छठी अदला-बदली पूरी की। हमास की ओर से सात अक्टूबर, 2023 को किए गए हमले के बाद गाजा में बंधक बनाए गए तीन इजराइली लोगों को प्राप्त करने के बाद इजराइली अधिकारियों ने 369 से अधिक फिलीस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया। हमास के इस हमले के बाद ही युद्ध छिड़ गया था। लेकिन इस बार कैदियों को रिहा करने से पहले इजरायल ने एक अनोखा कदम उठाया, जिससे हमास को बड़ा झटका लग सकता है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, रिहा किए गए सभी कैदियों को एक खास टी-शर्ट पहनाई गई थी, जिस पर लिखा था न भूलेंगे, न माफ करेंगे!। यह कदम इजरायल द्वारा हमास के खिलाफ एक कड़ा संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। दरअसल, हर बार जब हमास इजरायली बंधकों को रिहा करता था, तो वह इसे एक बड़े प्रचार अभियान की तरह पेश करता था। इजरायली बंधकों को एक मंच पर खड़ा कर उनकी रिकॉर्डेड वीडियो जारी की जाती थी, जिसमें उन्हें हमास की प्रशंसा करने को मजबूर किया जाता था। इस तरह के प्रचार से इजरायल नाराज था। अब जब युद्धविराम के तहत छठी बार कैदियों की अदला-बदली हुई, तो इजरायल ने इस बार अपनी रणनीति बदली और फिलिस्तीनी कैदियों को एक संदेश देने के लिए यह कदम उठाया। इस अदला-बदली के दौरान हमास ने भी तीन इजरायली बंधकों को रिहा किया। उन्हें खान यूनिस इलाके में सुबह 10 बजे (इजरायली समयानुसार) रेडक्रॉस के हवाले किया गया, जिसके बाद वे इजरायली सेना को सौंपे गए।

हमास की ओर से मुक्त किए गए तीन बंधकों में 46 वर्षीय इयार हॉर्न, 36 वर्षीय सागुई डेकेल चेन और 29 वर्षीय अलेक्जेंडर (साशा) ट्रोफानोव शामिल हैं। सभी के पास दोहरी नागरिकता है। हॉर्न को उनके भाई ईटन के साथ अगवा किया गया था, जो अब भी कैद में है। रिहा किए गए फलस्तीनी कैदियों में सबसे प्रमुख 48 वर्षीय अहमद बरघौती हैं, जो आतंकवादी नेता और फलस्तीनी राजनीतिक व्यक्ति मारवान बरघौती का करीबी सहयोगी है। युद्ध विराम शुरू होने के बाद से 19 जनवरी को दोनों पक्षों ने पांच बार अदला-बदली की है। युद्ध विराम के पहले चरण के दौरान अब तक 21 बंधकों और 730 से अधिक फिलीस्तीनी कैदियों को मुक्त कराया गया है।

यूएई ने भारतीयों के लिए यात्रा की और आसान, वीजा नियमों में किया बड़ा बदलाव

दुबई, एजेंसी।
संयुक्त अरब अमीरात ने वीजा नियमों में किया बड़ा बदलाव करते हुए भारतीय नागरिकों के लिए वीजा-ऑन-अराइवल नीति का विस्तार किया है। 13 फरवरी 2025 से लागू इस नई नीति के तहत, भारतीय यात्री अब छह और देशों के वैध वीजा, निवास परमिट या ग्रीन कार्ड के आधार पर यूएई में वीजा ऑन अराइवल प्राप्त कर सकते हैं। अब सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा के वैध वीजा धारक भारतीय नागरिक ़श्च में प्रवेश कर सकते हैं। इससे पहले, यह सुविधा केवल संयुक्त राज्य अमेरिका , यूरोपीय संघ के देशों और यूनाइटेड किंगडम के वीजा धारकों को ही उपलब्ध थी।

़श्च अपने विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे और कारोबारी माहौल के साथ भारतीयों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है। इस नई नीति से भारत और ़श्च के बीच यात्रा और व्यवसाय के अवसरों को और अधिक बढ़ावा मिलेगा । कम 6 महीने के लिए वैध भारतीय पासपोर्ट होना चाहिए। यात्री के पास सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, अमेरिका, यूके या यूरोपीय संघ के किसी भी देश का वैध वीजा, निवास परमिट या ग्रीन कार्ड होना चाहिए। ़श्च की फेडरल अथॉरिटी फॉर आइडेंटिटी, सिटिजनशिप, कस्टम्स और पोर्ट सिक्योरिटी के महानिदेशक मेजर जनरल सुहैल सईद अल खैली ने इस पहल को भारत और यूएई के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी का हिस्सा बताया। खैली के अनुसार यह नीति भारतीय नागरिकों के लिए यात्रा को सरल और सुविधाजनक बनाएगी। यह पर्यटन, निवास और रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देगी। ़श्च को एक वैश्विक वित्तीय, पर्यटन और आर्थिक केंद्र के रूप में और अधिक आकर्षक बनाएगी। भारतीय नागरिकों को व्यापार, निवेश और स्टार्टअप के लिए अधिक अवसर प्रदान करेगी।

एलन मस्क की इधर पीएम मोदी से मीठी बातें, उधर भारत को बड़ा झटका ! रोक दी 22 मिलियन डॉलर की फंडिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बीच ही एलन मस्क के नेतृत्व वाली डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी ने भारत को बड़ा झटका दिया है। डीओजीई ने शनिवार को भारत में मतदाता भागीदारी के लिए निर्धारित 22 मिलियन डॉलर की राशि को रद्द करने का ऐलान किया। यह कदम उस समय उठाया गया जब डीओजीई ने अमेरिकी करदाताओं द्वारा खर्च किए जाने वाले कई अन्य फंडिंग को भी रद्द करने का फैसला किया था। डीओजीई के ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट में बताया गया कि किस प्रकार से अमेरिकी करदाताओं के पैसों का खर्च रद्द किया गया है, जिसमें 21 मिलियन डॉलर का खर्च भारत में मतदाता भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए था। इस राशि को रद्द किए जाने की घोषणा ने खासा ध्यान आकर्षित किया है, क्योंकि यह भारतीय चुनाव प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप का आरोप लगाते हुए कुछ लोगों के लिए विवादास्पद हो गया। भाजपा के प्रवक्ता अमित मालवीया ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, 21 मिलियन का खर्च? यह निश्चित रूप से भारत के चुनावी प्रक्रिया में बाहरी हस्तक्षेप है। इससे किसे फायदा होगा? यह साफ है कि यह केंद्र सरकार के लिए नहीं है। इसके अलावा, डीओजीई ने कई अन्य योजनाओं के लिए तय किए गए फंडिंग को भी रद्द कर दिया। इनमें मोजाम्बिक में पुरुषों की स्वैच्छिक चिकित्सा खतना (10 मिलियन डॉलर), मोल्डोवा में समावेशी और भागीदार राजनीतिक प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए 22 मिलियन डॉलर, और बांगलादेश में राजनीतिक परिदृश्य को सशक्त बनाने के लिए 29 मिलियन डॉलर की फंडिंग शामिल हैं। डीओजीई ने यह भी घोषणा की कि इसने विभिन्न देशों के लिए अन्य प्रकार के खर्चों को भी रद्द किया है, जैसे लिबेरिया में मतदाता विश्वास को बढ़ावा देने के लिए 1.5 मिलियन डॉलर, माली में सामाजिक समरसता के लिए 14 मिलियन डॉलर, और दक्षिणी अफ्रीका में समावेशी लोकतंत्र के लिए 2.5 मिलियन डॉलर की फंडिंग को रद्द किया गया है।

जयशंकर की अमेरिकी सीनेटर को चुनौती, बोले- भारत 80 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराने में समर्थ

वाशिंगटन, एजेंसी।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक अमेरिकी सीनेटर को चुनौती देते हुए कहा कि लोकतांत्रिक भारत 80 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराने में समर्थ है। दरअसल, अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लोटकिन ने कहा कि लोकतंत्र 'मेज पर भोजन नहीं परोसता है, लेकिन उनके इस बयान पर जयशंकर ने कहा कि भारत में ऐसा होता है। जयशंकर जाहिर तौर पर म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक पैनल चर्चा में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का जिक्र कर रहे थे, जहां उन्होंने सीनेटर एलिसा स्लोटकिन के बयान पर यह जवाब दिया। जयशंकर ने कहा, ''सीनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र आपकी मेज पर भोजन नहीं रखता है। वास्तव में ... दुनिया के मेरे

हिस्से में, यह (लोकतंत्र) ऐसा करता है। आज, हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं और हम 80 करोड़ लोगों को पोषण सहायता और भोजन उपलब्ध कराते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक समाज है, इसलिए यह 80 करोड़ लोगों को पोषण सहायता और भोजन उपलब्ध कराने में समर्थ है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) में शुक्रवार को 'एक और दिन वोट करने के लिए जियें- लोकतांत्रिक लचीलेपन को मजबूत करना विषय पर आयोजित पैनल चर्चा के दौरान जयशंकर ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितने स्वस्थ हैं और उनका पेट कितना भरा हुआ है। इसलिए, मैं यह कहना चाहता हूं कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग तरह की बातचीत हो रही है। कृपया यह न समझें कि यह एक तरह की सार्वभौमिक घटना है, ऐसा नहीं है।

विदेश मंत्री ने कहा कि कुछ हिस्से ऐसे हैं, जहां यह अच्छी तरह से काम कर रहा है, लेकिन हो सकता है कि कुछ हिस्से ऐसे हों जहां यह ठीक से काम न कर रहा हो।

ऑस्ट्रिया में 23 वर्षीय व्यक्ति ने छह लोगों पर चाकू से किया हमला; एक की मौत

विएना, एजेंसी। दक्षिणी ऑस्ट्रिया में शनिवार को एक 23 वर्षीय व्यक्ति ने छह राहगीरों पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यह एक आकस्मिक हमला था, जिसमें एक 14 वर्षीय किशोर की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को विलाच शहर में हिरासत में लिया गया, जहां हमला हुआ था। उन्होंने बताया कि वह सीरियाई नागरिक है और ऑस्ट्रिया में उसका कानूनी निवास है। पुलिस प्रवक्ता रेनर डायोनिसियो ने कहा कि अभी तक हमलावर की मंशा का पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस हमलावर की व्यक्तिगत पृष्ठभूमि की जांच कर रही है। उन्होंने कहा, हमें सुरक्षित जानकारी मिलने तक इंतजार करना होगा।

पुलिस ने बताया कि एक 42 वर्षीय व्यक्ति जो एक खाद्य वितरण कंपनी के लिए काम करता है, उसने अपनी कार से घटना को देखा। डायोनिसियो ने ऑस्ट्रिया के सार्वजनिक प्रसारक ओआरएफ को बताया कि वह संदिग्ध की ओर चला गया और स्थिति को और बिगड़ने से रोकने में मदद की। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित पुरुष थे, जिनमें से दो गंभीर रूप से घायल हुए और दो को मामूली चोटें आईं। शनिवार को बाद में पुलिस ने बताया कि हमले में एक पांचवां व्यक्ति भी घायल हुआ है, जो कि एक पुरुष है।

भारत ने महिला प्रो लीग में इंग्लैंड को हराकर अभियान का आगाज किया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान का आगाज ऊंची रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम के खिलाफ शनिवार को कलिंगा स्टेडियम पर 3-2 से जीत के साथ किया। भारत के 2 गोल पेनल्टी कॉर्नर पर वैष्णवी फाल्के ने छठे और दीपिका ने 25वें मिनट में किए जबकि नवनीत कौर ने आखिरी सीटी बजने से एक मिनट बाकी रहते विजयी गोल दागा।

इंग्लैंड के लिए डार्सी बूर्ने ने 12वें मिनट में बराबरी का गोल किया जबकि फियोन क्रेकल्स ने 58वें मिनट में फिर बराबरी का गोल दागा। वैष्णवी ने एफआईएच रैंकिंग में नौवे स्थान पर काबिज भारत के लिये पहला गोल किया। मनीषा चौहान का पेनल्टी कॉर्नर पर शॉट डिफेंडर की स्टिक से टकरा गया और गेंद फिर बाहर आ गई जिसे वैष्णवी ने गोल के भीतर डाला। 7वीं रैंकिंग वाली इंग्लैंड टीम पर भारत ने रफ्तार और शॉर्ट पास से दबाव बनाए रखा। 9वें मिनट में भारत बढत दुगुनी करने के करीब पहुंचा लेकिन लालरेम्सियामी स्टिक से गेंद को पकड़ नहीं पाई।

इस बीच डार्सी ने भारतीय डिफेंस की चूक का फायदा उठाकर बराबरी का गोल कर दिया। एक मिनट बाद गोलकीपर सविता पूनिया ने रिवर्स फ्लिक पर एक शर्तिया गोल बचाया। ब्रेक में कोच हरेंद्र सिंह ने भारतीय खिलाड़ियों से बात की जिसके बाद भारतीय टीम लय में आ गई। दीपिका ने दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को तब्दील करके भारत को फिर बढ़त दिलाई।

तीसरे क्वार्टर में मिडफील्ड में ही खेल होता रहा लेकिन आखिरी 15 मिनट में 2022 राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन इंग्लैंड ने बेहतरीन खेल दिखाया। फियोना ने दो मिनट बाकी रहते गोल करके स्कोर 2.52 कर दिया और मैच ड्रॉ की ओर मुड़ता दिख रहा था लेकिन नवनीत ने जवाबी हमले पर गोल करके भारत को जीत दिलाई।

चैंपियंस ट्रॉफी

टिम साउदी को न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी को भरोसा है कि पाकिस्तान में हाल ही में समाप्त हुई त्रिकोणीय श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले उनके देश के कम अनुभवी तेज गेंदबाज चैंपियंस ट्रॉफी में भी अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखेंगे। पिछले साल अंतराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले 36 वर्षीय साउदी ने न्यूजीलैंड की तरफ से तीनों प्रारूप में 776 विकेट लिए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को ट्रेंट बोल्ट की सेवाएं नहीं मिल पाएंगी जबकि लॉकी फर्ग्यूसन का चोटिल होने के कारण खेलना संदिग्ध है। ऐसे में उसके तेज गेंदबाजी आक्रमण का दारोमदार विल ओरूर्के, जैकब डफी, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी पर रहेगा। साउदी ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की विज्ञप्ति में कहा, 'मैं और बोल्ट इस समय आईसीसी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहे हैं इसलिए इस बार स्थिति थोड़ा भिन्न है लेकिन साथ ही यह उत्साह जनक भी है। इन प्रतियोगिताओं का हिस्सा बनना महत्वपूर्ण होता है और अब इन युवा खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी है और मैं उनके प्रदर्शन को लेकर काफी उत्साहित हूं। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से टीम ने प्रदर्शन किया है और विभिन्न खिलाड़ियों ने अलग-अलग अवसरों पर अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है वह शानदार है। यह टीम अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। साउदी ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी से पहले त्रिकोणीय श्रृंखला में खेलने से उन्हें फायदा मिलेगा। टीम ने टूर्नामेंट से पहले लय पकड़ ली है और वह परिस्थितियों से अच्छी तरह तालमेल बिठा चुकी है जिसका फायदा उसे आगे मिलेगा।

महिला प्रीमियर लीग

विजय अभियान जारी रखने उतरेंगे दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

वडोदरा (एजेंसी)। अपने पहले मैच में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने वाले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स महिला प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां जब आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य अपना विजय अभियान जारी रखना होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में गुजरात जायंट्स को छह विकेट से हराया जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अंतिम गेंद पर जीत दर्ज की।

अच्छी शुरुआत से दोनों टीम का मनोबल बढ़ा होगा लेकिन आरसीबी की टीम विशेषकर बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अधिक संतुलित नजर आ रही है और इसलिए वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। आरसीबी की बल्लेबाजी इकाई की मजबूती का पता इससे चलता है कि उसने 200 से अधिक रन के लक्ष्य को बड़ी आसानी से हासिल किया।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम अपना यह प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। आरसीबी को राघवी बिष्ट और कनिका आहूजा जैसी युवा खिलाड़ियों के कारण मजबूती मिली है जो मंधाना, एलिसे पेरी, ऋचा घोष और डैनी व्याट के साथ सहजता से घुल-मिल गई हैं। राघवी और कनिका ने पहले मैच में जीत में अहम भूमिका निभाई थी। आरसीबी के गेंदबाजों को हालांकि कसी हुई गेंदबाजी करनी होगी। गेंदबाजी ने उसे पेरी की कमी महसूस हो रही है। ऑस्ट्रेलिया की यह स्टार ऑलराउंडर चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में गेंदबाजी नहीं कर पाएंगी।

दिल्ली की बल्लेबाजी बेहद मजबूत है और आरसीबी के गेंदबाजों को उन पर लगाम लगाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान मेग लैनिंग, एनाबेल सदरलैंड, शैफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, एलिस कैप्सी और सारा ब्राइस जैसी धुरंधर बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह के आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकती हैं। तेज गेंदबाज शिखा पांडे की अगुवाई वाली दिल्ली की गेंदबाजी इकाई ने पिछले मैच में मुंबई इंडियंस को 164 रन पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया था जिसे वह जारी रखने की कोशिश करेंगे।

टीमें इस प्रकार हैं

दिल्ली कैपिटल्स - मेग लैनिंग (कप्तान), एलिस कैप्सी, सारा ब्राइस, एनाबेल सदरलैंड, मिन्नू मणि, शैफाली वर्मा, अरुंधति रेड्डी, एन चरानी, ??शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, नंदिनी कश्यप, स्नेहा दीप्ति, जेस जोनासेन, निकी प्रसाद, तानिया भाटिया, मारिज़ैन कैप, राधा यादव, टिटास साधु।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - स्मृति मंधाना (कप्तान), नुजहत परवीन, जोशिता वीजे, ऋचा घोष, डैनी व्याट, कनिका आहूजा, सब्बीनेनी मेघना, एकता बिष्ट, किम गर्थ, श्रेयंका पाटिल, एलिसे पेरी, प्रेमा रावत, जॉर्जिया वेयरहैम, राघवी बिस्ट, हीथर ग्राहम, जाग्रवी पवार, रेणुका सिंह, चार्ली डीन।

समय - शाम 7.30 बजे।

पाकिस्तान का तेज गेंदबाज हारिस चोट से उबरा, चैंपियन्स ट्रॉफी के लिए होगा उपलब्ध

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ चोट से उबर चुके हैं और बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान टीम के एक करीबी सूत्र ने रविवार को पुष्टि की कि हारिस चोट से उबर गए हैं और कराची में चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलेंगे। इस तेज गेंदबाज को हाल ही में त्रिकोणीय श्रृंखला के दौरान छाती की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। सूत्र ने कहा, 'हारिस अब ठीक हैं और त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच के बाद दिए गए आराम से उन्हें उबरने में मदद मिली है। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान के किसी अन्य खिलाड़ी के साथ फिटनेस संबंधी कोई समस्या नहीं है। अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता के साथ पाकिस्तान के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं जबकि चयनकर्ताओं ने उनके विकल्प के रूप में अकिफ जावेद को बुलाया है जिन्हें पदार्पण का इंतजार है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्टीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट चटकाए हैं। पाकिस्तान त्रिकोणीय श्रृंखला में न्यूजीलैंड से दो बार हार गया था जिसमें शुक्रवार को हुआ फाइनल भी शामिल है।

यानिक सिनर और वाडा के बीच समझौता

टेनिस खिलाड़ी बोले- अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं

लंदन (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर पर डोपिंग मामले में तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के समझौते की टेनिस खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। सिनर और विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के बीच निलंबन को लेकर समझौता हो गया है जिसका मतलब है कि इटली का यह खिलाड़ी पांच मई से फिर से खेल सकता है। इससे उनकी विश्व में नंबर एक रैंकिंग पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा तथा वह सभी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट खेल पाएंगे।

पिछले साल मार्च में प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड के सेवन का दोषी पाए जाने वाले सिनर को कोई खिताब या पुरस्कार राशि भी नहीं गंवानी पड़ेगी। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टैन वावरिंका ने एक्स पर लिखा, 'मैं अब साफ-सुथरे खेल में विश्वास नहीं करता।

विंबलडन उपविजेता निक किर्गियोस ने एक्स पर कहा, 'टेनिस में निष्पक्षता मौजूद नहीं है। सिनर की टीम ने केवल तीन महीने का प्रतिबंध लगाने के लिए अपनी तरफ से पूरी शक्ति लगा दी। कोई खिताब नहीं खोया, कोई पुरस्कार राशि नहीं खोई। दोषी है या नहीं? टेनिस के लिए दुखद दिन।

विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने मार्सिले ओपन के सेमीफाइनल में हारने के बाद कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हर कोई वाडा के साथ चर्चा कर सकता है और अब से यानिक सिनर की तरह खुद का बचाव कर सकता है।

विश्व के पूर्व नंबर एक ब्रिटिश खिलाड़ी टिम हेनमैन ने कहा, 'उसने अभी ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीता है और वह अगले तीन महीने तक एटीपी टूर में नहीं खेल पाएगा लेकिन फ्रेंच ओपन में खेलने का पात्र होगा। सिनर के लिए प्रतिबंध झेलने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता था लेकिन यह इस खेल के लिए कड़वे घूंट की तरह है।

नोवाक जोकोविच और वासेक पोस्पिसिल द्वारा स्थापित प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने भी निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल पार्टियों की आलोचना करते हुए एक्स पर जारी बयान में कहा, 'प्रणाली कोई प्रणाली नहीं है। यह एक क्लब है। यह केवल अनुरूप सौदों, अनुचित व्यवहार और असंगत निर्णयों के लिए कवर है। इसमें पारदर्शिता की कमी और प्रक्रिया का अभाव है।

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल

केरल पर गुजरात का पलड़ा भारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। पूर्व चैंपियन और मेजबान गुजरात अपने आक्रामक खेल और मजबूत बल्लेबाजी के कारण केरल के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। गुजरात 2016-17 का चैंपियन है लेकिन वह 2019-20 के सत्र के बाद पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा है। उसने राजकोट में खेले गए क्वार्टर फाइनल मैच में सौराष्ट्र को पारी और 98 रन से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। गुजरात की सेमीफाइनल तक की राह में उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों मनन हिंगराजिया, जयमीत पटेल और विकेटकीपर उर्विल पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उर्विल ने पिछले मैच में 140 रन बनाए थे जो उनके प्रथम श्रेणी करियर का पहला शतक था। जयमीत ने भी इस मैच में शतक लगाया था जिससे गुजरात ने अपनी पहली पारी में 511 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। जयमीत ने इस सत्र में गुजरात की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 48.50 की औसत से 582 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। मनन भी 570 रन बनाकर जयमीत से ज्यादा पीछे नहीं हैं। उन्होंने भी अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है और उनके नाम पर दो शतक दर्ज हैं।

जहां तक सचिन बेबी की अगुवाई वाली केरल की टीम का सवाल है तो उसके लिए अभी तक का सफर काफी भावनात्मक रहा है। उसने क्वार्टर फाइनल में जम्मू कश्मीर पर पहली पारी में एक रन की बढ़त हासिल करने के दम पर दूसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। क्वार्टर फाइनल में केरल के सामने 399 रन का चुनौती पूर्ण लक्ष्य था लेकिन उसके बल्लेबाजों ने अपने धैर्य और दृढ़ संकल्प का शानदार नमूना पेश करके मैच को ड्रॉ करा कर अपनी टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था।

टीमें

गुजरात - प्रियांक पांचाल, आर्या देसाई, सिद्धार्थ देसाई, मनन हिंगराजिया, जयमीत पटेल, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), चिंतन गजा (कप्तान), विशाल जयसवाल, रवि बिश्नोई, अर्जन नागवासवाला, प्रियजीतसिंग जडेजा, ऋषि पटेल, आदित्य उदयकुमार पटेल, रिंकेश वाघेला, उमंग कुमार, तेजस पटेल, हेमांग पटेल, हेत पटेल, क्षितिज पटेल।

केरल - अक्षय चंद्रन, रोहन कुन्नुम्मल, शॉन रोजर, सचिन बेबी (कप्तान), जलज सक्सेना, सलमान निज़ार, मोहम्मद अज़हरुद्दीन (विकेटकीपर), आदित्य सरवटे, एमडी निधिश, नेदुमंकुझी बासिल, बासिल थम्पी, वैसाख चंद्रन, बाबा अपराजित, विष्णु विनोद, केएम आसिफ, फाजिल फानूस, वाथसल गोविंद, कृष्णा प्रसाद और आनंद

आईपीएल 2025

मुजीब उर रहमान मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल, चोटिल गजनफर की जगह ली

मुंबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से पहले मुंबई इंडियंस की टीम में अपने हमवतन अल्लाह गजनफर की जगह ली है। किशोर स्पिनर गजनफर एल4 वर्टिब्रा में फ्रैक्चर के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। मुंबई स्थित फ्रैंचाइजी ने पिछले नवंबर में आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में गजनफर को 4.80 करोड़ रुपए में खरीदा था।

आईपीएल के बयान में कहा गया है, मुंबई इंडियंस (एमआई) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के आगामी संस्करण के लिए अल्लाह गजनफर के प्रतिस्थापन के रूप में मुजीब-उर-रहमान को चुना। अल्लाह गजनफर चोट के कारण इस सीजन से बाहर हो गए हैं।

दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर मुजीब ने 19 आईपीएल मैच खेले हैं और उनके नाम 19 विकेट हैं और 2 करोड़ रुपए के बेस प्राइस पर मुंबई में शामिल हुए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2021 में सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्र) के लिए खेला था। इससे पहले उन्होंने पंजाब किंग्स के साथ तीन सीजन खेले। 23 वर्षीय ने 256 टी20 में 6.75 की इकॉनमी से 275 विकेट लिए हैं।

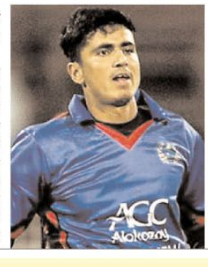

दिलचस्प बात यह है कि 18 वर्षीय गजनफर को कोलकाता नाइट राइडर्स टीम में चोटिल मुजीब उर रहमान की जगह शामिल किया गया था जिसने 2024 इंडियन प्रीमियर लीग जीती, लेकिन फ्रैंचाइजी के लिए एक भी गेम नहीं खेला। चोट के कारण युवा ऑफ स्पिनर आगामी चैंपियंस ट्रॉफी से भी बाहर हो गए थे। टूर्नामेंट के लिए अफगानिस्तान की 15 सदस्यीय टीम में उनकी जगह नांग्याल खारोटी को शामिल किया गया है।

मुंबई इंडियंस टीम

जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेलटन, दीपक चाहर, मुजीब उर रहमान, विल जैक, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवॉन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर, लिजाद विलियम्स, विग्नेश पुथुर।

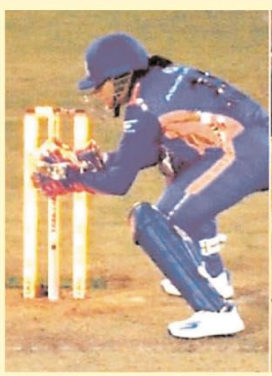

विवादास्पद रन आउट से बवाल

मुंबई की हार के बाद एडवर्ड्स ने अंपायरिंग पर उठाए सवाल

वड़ोदरा (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उनकी टीम की आखिरी गेंद पर दो विकेट से हार में बड़ी भूमिका निभाने वाले विवादास्पद रन आउट फैसलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस तरह के निर्णय को समझना वास्तव में मुश्किल है जो मैच के अंतिम परिणाम को प्रभावित करते हैं। रन आउट के तीन विवादास्पद फैसले मुंबई इंडियंस के खिलाफ गए जिसका फायदा उठाकर दिल्ली जीत हासिल करने में सफल रही।

तीसरी अंपायर गायत्री वेणुगोपालन ने दिल्ली की तीन बल्लेबाजों राधा यादव, अरुंधति रेड्डी और शिखा पांडे को गिल्लियों की लाइट जलने के बावजूद नॉट आउट करार दिया। तीसरे अंपायर के इन फैसलों ने आखिर में मैच के परिणाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुंबई की करीबी हार के बाद इंग्लैंड की दो बार की विश्व कप विजेता कप्तान एडवर्ड्स ने कहा, 'आपको काफी शांत रहना होगा।

जब अधिकतर फैसलों के लिए तीसरे अंपायर की मदद ली जाती है तो वास्तव में यह काफी मुश्किल होता है। तब मैच का परिणाम बड़ी स्क्रीन पर नजर आता है। उन्होंने कहा, 'इसे पचा पाना वास्तव में मुश्किल है लेकिन मैं लंबे समय से इस खेल से जुड़ी हूं और जानती हूं कि यह खेल का हिस्सा है। इसलिए हमें बस आगे बढ़ना है। हमारी निगाह मंगलवार को होने वाले मैच पर हैं।

भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने भी मैच की कमेंट्री करते हुए कहा था कि अरुंधति और राधा यादव के मामले में फैसला मुंबई के पक्ष में जाना चाहिए था। आरसीबी के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन ने भी अंपायर के फैसले पर अविश्वास जताया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'मुझे नहीं पता कि अंपायर ने यह फैसला क्यों दिया क्योंकि एक बार गिल्लियों की लाइट जलने के बाद अगर संपर्क टूट जाता है तो बल्लेबाज को आउट माना जाता है।